



देशबन्धु



नई दिल्ली, गुरुवार, 8 फरवरी, 2024 | वर्ष-16 | अंक-304 | पृष्ठ-10 | मूल्य-3.00 रुपए

लड़कियों की शिक्षा एक क्रांति है : जगदीप धनखड़

02 खिलाड़ियों की हर जरूरत को पूरा करेगी दिल्ली...
दिल्ली नगर निगम की सदन बैठक में तीसरे दिन...

03 बलूचिस्तान में दो अलग-अलग विस्फोट में 27 की मौत
अपीलीय अदालत के आदेश को चुनौती देंगे ट्रंप

07 आदिवासी शेष-स्टार 'गुडचारी 2' में नजर ...

10

सार संक्षेप

मजदूरों के साथ अन्याय कर रही है सरकार : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार पर मनरेगा को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इसका लिए निधि में कटौती की जा रही है जिससे ग्रामीण क्षेत्र में लोगों का रोजगार छिन रहा है। श्रीमती गांधी ने कहा, मजदूर का पसीना सूखने से पहले उसे मजदूरी मिल जानी चाहिए। 'अमृतकाल' में यह मुद्दा मजदूरों के लिए मजकूर बनके रह गया है।

कर्नाटक सरकार का केंद्र के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन

नई दिल्ली। कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने केंद्र द्वारा राज्य को संसाधनों और धन का उचित हिस्सा देने की मांग को लेकर बुधवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर अपना विरोध-प्रदर्शन शुरू किया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि विरोध राजनीतिक नहीं है। उन्होंने कहा, आज हम ऐतिहासिक जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, सभी 34 मंत्री और 135 विधायक विरोध-प्रदर्शन में भाग लिया।

उत्तराखंड यूसीसी विधेयक भेदभावपूर्ण : मौलाना मदनी

सहारनपुर। जमीयत उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरबाब मदनी ने उत्तराखंड विधानसभा में पेश समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक को भेदभावपूर्ण करार देते हुए अपने बयान में कहा कि अनुसूचित जनजाति को इस विधेयक के दायरे से बाहर रखा जा सकता है, तो फिर मुस्लिम समुदाय को छूट क्यों नहीं मिल सकती।

किसानों की लड़ाई को कमजोर नहीं होने देंगे जयंत: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जयंत के भाजपा में शामिल होने की संभावना पर कहा कि रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी बहुत सुलझे हुए इंसान हैं। वो राजनीति को समझते हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव बुधवार को सदन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से कहा कि रालोद के मुखिया जयंत चौधरी बहुत पढ़े-लिखे और सुलझे इंसान हैं। मुझे उम्मीद है कि किसानों की लड़ाई के लिए जो संघर्ष चल रहा है, वे उसे कमजोर नहीं होने देंगे।

अयोध्या में मस्जिद के लिए पहली ईंट मक्का से मुंबई पहुंची

मुंबई। मेल-मिलाप और धार्मिक सद्भाव का प्रतीक, अयोध्या में प्रस्तावित भव्य मस्जिद की नींव के लिए पहली ईंट पवित्र शहरों मक्का और मदीना की पवित्र यात्रा के बाद बुधवार को यहां पहुंची।

उत्तराखंड विधानसभा में यूसीसी बिल पास

ध्वनि मत से पास हुआ समान नागरिक संहिता बिल | यूसीसी लाने वाला देश का पहला राज्य बना

देहरादून, 7 फरवरी (देशबन्धु)। उत्तराखंड ने आज इतिहास रच दिया। विधानसभा में चर्चा के बाद आज समान नागरिक संहिता का बिल पास हो गया। दिनभर विधानसभा में बिल को लेकर चर्चा हुई वहीं, इसके बाद सीएम का संबोधन हुआ। शाम को यूसीसी बिल ध्वनिमत से पास कर दिया गया। इसके साथ ही उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। अब इस बिल को राज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। साथ ही आंदोलनकारियों के आरक्षण का बिल भी सर्वसम्मति से पास कर दिया गया।



अब राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा आंदोलनकारियों के आरक्षण का बिल भी पास

उत्तराखंड विधानसभा के चुनाव के समय हमारी पार्टी ने संकल्प लिया था, इसे आगामी चुनाव के नजदीक देखेंगे : पृथ्वी सिंह धानी, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

धामी ने सभी का जताया आभार
इसके बाद सीएम धामी ने प्रेसवार्ता में कहा कि आज उत्तराखंड के लिए विशेष दिन है। मैं विधानसभा के सभी सदस्यों, जनता का आभार व्यक्त करता हूँ। उनके समर्थन से ही हम आज ये कानून बना पाए हैं। मैं पीएम मोदी का भी धन्यवाद करना चाहता हूँ। ये कानून समानता का है। ये कानून हम किसी के खिलाफ नहीं लाए, बल्कि उन माताओं बहनों का आत्मबल बढ़ाएगा, जो किसी प्रथा, कुरीति की वजह से प्रताड़ित होती थीं। हमने 12 फरवरी 2022 को इसका संकल्प लिया था। इसे जनता के सामने रखा था। उत्तराखंड विधानसभा के चुनाव के समय हमारी पार्टी ने संकल्प लिया

ओडिशा में बीजद व भाजपा की साझेदारी का शासन : राहुल

कांग्रेस नेता ने राउरकेला के पानपोष में एक सभा को किया संबोधित

भुवनेश्वर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा में अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दूसरे दिन राहुल गांधी ने बुधवार को बाजू जनात दल (बीजद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि ये दोनों पार्टियां साझेदारी में ओडिशा पर शासन कर रही हैं। राउरकेला के पानपोष में एक सभा को संबोधित करते हुए

वे आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। दोनों मिलकर काम करते हैं। मैंने संसद में भी देखा है कि जब भी पीएम को बीजद की मदद की जरूरत होती है तो बीजद के सदस्य मोदी के निर्देश पर हमें परेशान करना शुरू कर देते हैं। केवल कांग्रेस पार्टी ही इस साझेदारी के खिलाफ लड़ रही है। राहुल गांधी ने कहा कि राज्य सरकार के ठीक से काम नहीं करने के कारण ओडिशा में 30 लाख लोग राज्य से बाहर चले गए हैं।

आज छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगी यात्रा

रायपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा आज दोपहर ओडिशा से छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगी। यात्रा राज्य में 14 फरवरी दोपहर तक रहेगी और इस दौरान यात्रा का 09 एवं 10 फरवरी को विश्राम रहेगा। प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री (संगठन) मलकीत सिंह गेदू ने बताया कि यात्रा आज ओडिशा छत्तीसगढ़ सीमा पर रंगारपाली पहुंचेगी।

हरक सिंह रावत के घर पर ईडी का छापा

देहरादून, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के पूर्व वन मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरक सिंह रावत की पत्नी के निवास पर ईडी ने छापेमारी की। राहुल गांधी ने कहा, 'ओडिशा में नवीन पटनायक और नरेंद्र मोदी की साझेदारी से सरकार चलती है।

नियमावली के तहत जो प्रक्रिया होगी, उसका पालन करेगा। हम नियम से बंधे हैं और नियम के अनुसार कार्यवाही होगी। अजित पवार को ईडी के अतिरिक्त प्रस्ताव की जानकारी मिली है। जो अतिरिक्त प्रस्ताव आया है, उस पर फैसला विधायक करेंगे। 2022 में महागठबंधन सरकार बनने के बाद चौधरी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) कोटे से विधानसभा अध्यक्ष बने थे।

बुधवार को करीबियों सहित कई ठिकानों पर वन विभाग के घोटाले को लेकर की कार्रवाई

बता दें साल 2016 में उत्तराखंड में बजट सत्र के दौरान हरक सिंह रावत सहित 9 विधायकों ने तत्कालीन हरीश रावत सरकार को तगड़ा झटका दिया था। बजट सत्र के दौरान हरक सिंह रावत अविश्वास प्रस्ताव लाये। इस दौरान कांग्रेस के 9 विधायकों ने हरीश रावत सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। जिसके कारण उत्तराखंड में राष्ट्रपति शासन लगा। तब कांग्रेस के 9 विधायक भूमधाम से बीजेपी में शामिल हो गए थे। इस दौरान सिटिंग प्रकरण हुआ था। जिस मामले में भी सीबीआई जांच चल रही है। सातवें वेंतन आयोग के रिपोर्ट के भी कर रहे हैं।

शरद पवार की पार्टी को मिला नया नाम

'एनसीपी शरद चंद्र पवार' होगा नाम

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। शरद पवार को उनकी पार्टी का नया नाम मिल गया है। अब उनकी पार्टी का नाम 'एनसीपी-शरद चंद्र पवार' होगा। वीते दिन चुनाव आयोग ने अजित पवार को एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न दे दिया था। दरअसल, चुनाव आयोग ने आगामी राज्यसभा चुनाव को देखते हुए शरद पवार गुट को विशेष छूट दी थी। इसके तहत शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट को अपने राजनीतिक दल के लिए एक नाम का दावा करने को कहा था। इसके लिए उनके गुट को तीन

प्राथमिकताएं देने को कहा था। इसके लिए बुधवार दोपहर तक का ही समय दिया गया था। इससे पहले भारतीय चुनाव आयोग ने फैसला सुनाया था कि अजित पवार गुट ही असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) है। आयोग ने एक आदेश में अजित पवार के

नेतृत्व वाले गुट को राकांपा का चुनाव चिह्न 'घड़ी' भी आवंटित कर दिया था। चुनाव आयोग ने कहा था कि फैसले में ऐसी याचिका को प्राथमिकता देने के निर्धारित पहलुओं का पालन किया गया, जिसमें पार्टी के उद्देश्यों का परीक्षण, पार्टी संविधान का

अजित पवार गुट ने कैबिनेट दाखिल किया

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अजित पवार गुट ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय में एक 'कैबिनेट' याचिका

दाख कर गुहार लगाई कि इस पार्टी के शरद पवार गुट को और से यदि चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी जाती है तो उनका

(अजित) पक्ष भी सुना जाना चाहिए। अजित पवार शरद पवार के भतीजे हैं, जिन्होंने पिछले साल महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में शामिल हुए थे। शीर्ष अदालत के समक्ष दाख याचिका में कोई एक तरफा आदेश नहीं पारित करने को गुजारिश की गई है।

हेमंत सोरेन की रिमांड पांच दिन के लिए बढ़ी

रांची, 7 फरवरी (एजेंसियां)। रांची स्थित पीएमएलए कोर्ट ने शरद पवार के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की ईडी रिमांड को अतिरिक्त पांच दिनों के लिए बढ़ा दी है। ईडी उसे 3 फरवरी से लगातार पूछताछ कर रही है। पूर्व में मंजूरी की गई रिमांड अवधि पूरी होने के बाद सोरेन को बुधवार दोपहर 2.30 बजे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में

पेशी के दौरान परिसर में झामुमो कार्यकर्ता और सोरेन के समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उन्होंने हेमंत सोरेन जिनका रिमांड कोर्ट में पेशी के दौरान ईडी ने न्यायाधीशों के हाथों अतिरिक्त पांच दिनों के लिए बढ़ा दी है। पूर्व में मंजूरी की गई रिमांड अवधि पूरी होने के बाद सोरेन को बुधवार दोपहर 2.30 बजे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में

पेशी के दौरान परिसर में झामुमो कार्यकर्ता और सोरेन के समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उन्होंने हेमंत सोरेन जिनका रिमांड कोर्ट में पेशी के दौरान ईडी ने न्यायाधीशों के हाथों अतिरिक्त पांच दिनों के लिए बढ़ा दी है। पूर्व में मंजूरी की गई रिमांड अवधि पूरी होने के बाद सोरेन को बुधवार दोपहर 2.30 बजे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में

8वें वेतन आयोग का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। 8वें वेतन आयोग के गठन का इंतजार कर रहे केंद्रीय कर्मचारियों को सरकार ने झटका दिया है। 8वें वेतन आयोग के गठन को लेकर राज्यसभा में प्रश्नकाल में पूछे गए सवाल के जवाब में वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा सरकार के सामने ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

राज्यसभा सदस्य रामनाथ ठाकुर ने वित्त मंत्री से सवाल किया कि 7वें वेतन आयोग के पैरा 1.22 पर विचार न करने और उसे अनुमोदित नहीं किए जाने की क्या वजहें फाइलों में दर्ज की गई हैं। इस प्रश्न का जवाब देते हुए वित्त राज्यमंत्री ने कहा, सातवें वेतन आयोग के आधार पर वेतन और भत्तों में संशोधन पर मंजूरी देते समय केंद्रीय कैबिनेट ने इस मामले पर विचार नहीं किया है। सातवें वेतन आयोग के पैरा 1.22 में 5 वर्ष के बाद

आठवें वेतन आयोग का गठन इसलिए तो नहीं किया जा रहा क्योंकि सरकार वेतन आयोग के भार को वहन की हालत में नहीं है? क्यों दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दावा करने वाली सरकार पिछले 30 सालों से महंगाई का सामना कर रहे केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन की समीक्षा के लिए आठवें वेतन आयोग का गठन नहीं कर रही है? इस सवाल के जवाब में वित्त राज्यमंत्री ने कि सरकार के सामने ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। कमरतोड़ महंगाई के मद्देनजर केंद्रीय कर्मचारी लगातार सरकार से आठवें वेतन आयोग के गठन करने की मांग कर रहे हैं। हर 10 साल बाद सरकारी कर्मचारियों के वेतन और पेंशनस के पेंशन में बढ़ोतरी के लिए सरकार नए वेतन आयोग का गठन करती है। वेतन आयोग को अपनी रिपोर्ट और सिफारिशों जमा करने के लिए 18 महीने का समय दिया जाता है। 7वें वेतन आयोग का गठन 2014 में किया गया था और उसकी सिफारिशों को एक जनवरी 2016 से लागू किया गया था।



जिस तरह नकल माफिया सक्रिय हैं उसे देखकर ऐसा लगता है कि उनको राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। पेपर रद्द होने के कारण छात्रों का सालों साल खराब हुआ और इसके तनाव में आकर हजारों छात्रों ने खुदकुशी की है।

-कुंवर दानिश अली



तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	21.0	08.0
मुंबई	27.0	24.0
कोलकाता	23.0	16.0
चेन्नई	29.0	22.0

कुप्रबंधन के कारण बढ़ रही है महंगाई : कांग्रेस

केंद्र सरकार पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने आर्थिक कुप्रबंधन का लगाया आरोप

नई दिल्ली, 7 फरवरी (देशबन्धु)। कांग्रेस के शशि थरूर ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि सरकार के कुप्रबंधन के कारण लोगों की आय कम हो रही है और महंगाई तथा बेरोजगारी बढ़ रही है। चरित्र कांग्रेस नेता शशि थरूर ने केंद्र सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन का आरोप लगाया है। उन्होंने इस दौरान केंद्र की मोदी सरकार पर कई क्षेत्रों के महत्वपूर्ण आंकड़े छिपाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में एनडीए का मतलब नो डेटा अवैलेबल हो गया है। ये सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के नारा लेकर सत्ता में आई थी, लेकिन बीते 10 सालों में जनता को धोखा दिया गया है। सदन में वर्ष

2024-25 के अंतरिम बजट के प्रस्तावों पर चर्चा की शुरुआत करते हुए थरूर ने कहा कि नोटबंदी और कोरोना संकट के कारण बढ़ी संख्या में लोगों के रोजगार छिन गए थे, उन्हें अब तक दुशवारियों का सामना करना पड़ रहा है। बेरोजगारी की दर इस समय 45 साल के उच्चतम स्तर पर है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में मजदूरों को जो पेशानी उठानी पड़ी थी, उसे कोई भूला नहीं है। उन्होंने दावा किया कि मध्य वर्ग और ग्रामीणों की आय कम हुई है। सरकार दावा कर रही है कि 25 करोड़ लोग गरीबी से उबर रहे हैं लेकिन इसके समर्थन में किसी राष्ट्रीय सर्वे का हवाला नहीं दिया जा रहा है। आगे बोलते हुए कांग्रेस नेता यह भी कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार ट्रिकल डाउन इकोनॉमी में विश्वास करती है। ऊपर से पैसा खर्च करें, नीचे किसी को फायदा होगा, लेकिन हम ट्रिकल अप इकोनॉमी में विश्वास करते हैं। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि आर्थिक प्रक्रिया में जनता को हितधारक होना चाहिए, लेकिन सरकार उनके



यह सरकार सबका साथ, सबका विकास का नारा लेकर सत्ता में आई थी लेकिन बीते दस सालों में जनता को धोखा दिया गया : शशि थरूर

प्रति उदासीन है। सरकार का ध्यान केवल पूंजीगत व्यय पर केंद्रित है। इस दौरान उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर भी निशाना साधा। उन्होंने वित्तमंत्री के इस कथन कि एनडीए सरकार में जीडीपी का मतलब गवर्मंट, डेवलपमेंट और परफार्मेंस है, का खंडन किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जी का मतलब गवर्मंट इंटरूजन (सरकारी चुसपेट), डी का मतलब डेमोग्राफिक बिट्टेरल (जनसांख्यिकीय विश्वासघात) और पी का मतलब पावर्टी कान्ट्रिब्यू (लगातार बढ़ती गरीबी) है। इस सदन में बैठे सभी लोगों को यह अहसास होना चाहिए कि सरकार अंतरिम बजट के साथ स्मोक एंड मिटर वाला खेल खेल रही है। इसमें अर्थव्यवस्था और आम आदमी को परेशान करने वाले वास्तविक संकेतों को दूर करने के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में युवा, महिला, गरीब और किसान के रूप में चार वर्गों की बात की है, लेकिन हकीकत यह

16 लाख भारतीयों ने छोड़ी देश की नागरिकता : कांग्रेस

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि देश की हालत यह है कि लोग देश छोड़ने लगे हैं। विदेश मंत्री ने सदन में बताया है कि 16 लाख भारतीयों ने देश की नागरिकता छोड़ दी है। थरूर ने कहा कि विकास की बढ़ी-बढ़ी बातों की जा रही है लेकिन हकीकत यह है कि अखिल भारतीय आधुनिक संस्था (एम्स) जैसी संस्थाओं के लिए कहीं सिर्फ जमीन आवंटित की गई है। किसी नए एम्स में युनियनवादी सुविधा नहीं है तो कहीं अध्यापक नहीं है या दूसरी कमियाँ हैं। उच्चवला योजना के तहत गैस कनेक्शन लेने वाले बड़ी संख्या में परिवार गैस सिलेंडर रिकॉल नहीं करवा पा रहे हैं। मनरेगा योजना के तहत काम मांगने वालों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को तस्करी की बातें बहुत की जा रही हैं लेकिन महिला बाल विकास विभाग का बजट कम किया गया है। उन्होंने कहा कि बातें बढ़ी-बढ़ी की जा रही हैं, उसकी तुलना में धरातल पर कार्रवाई बहुत कम हो रही है।

है कि इस सरकार में इन्हीं चार वर्गों को सबसे ज्यादा पेशानी झेलनी पड़ी है। शशि थरूर ने कहा कि आज युवा नौकरी की तलाश में बिना अपनी जान की फिक्र किए इन्धुल तक जाने को तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार दावा करती है कि उसने देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, लेकिन अगर इसमें सच्चाई है तो 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देने की जरूरत क्यों पड़ रही है? सरकार उन सभी क्षेत्रों फेल साबित हुई है, जहां वह अपनी तारीफ करती है।

कश्मीर घाटी में ठंड का प्रकोप जारी



श्रीनगर, 7 फरवरी (एजेसिया)। जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में बुधवार को न्यूनतम तापमान शून्य से कम 10.8 डिग्री सेल्सियस और गुलमर्ग में शून्य से कम 10.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे कश्मीर घाटी में ठंड का प्रकोप जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) ने बुधवार को बताया कि पहाड़ी इलाकों में भारी हिमपात के कारण कश्मीर घाटी में तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया है, जिससे कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान में काफी गिरावट आयी है।

यहां का 17 फरवरी तक मौसम शुष्क रहने, 14 फरवरी शाम को बादल छाए रहने और 18-20 फरवरी के दौरान जम्मू-कश्मीर में न्यूका हिमपात और बारिश का अनुमान है। श्रीनगर में अधिकतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले दिन के सामान्य तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस से 2.0 डिग्री सेल्सियस कम है। काजीगुंड का एक दिन पहले दर्ज किए गए तापमान शून्य से कम 2.0 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले काजीगुंड का न्यूनतम तापमान शून्य से कम 3.2 डिग्री सेल्सियस था और कोकरनाग में पिछली रात के शून्य से कम 2.4 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले न्यूनतम तापमान शून्य से कम 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

संसद से

दस फरवरी तक चलेगा बजट सत्र

संसद के वर्तमान बजट सत्र को एक दिन बढ़ाकर 10 फरवरी तक कर दिया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल समाप्त होते ही कहा कि संसदीय कार्य मंत्री ने प्रस्ताव किया है कि आवश्यक सरकारी कामकाज को निपटाने के लिए 17वीं लोकसभा के 15वें सत्र को 10 फरवरी तक बढ़ा दिया जाए। बिरला ने सत्र को 10 फरवरी तक बढ़ाने का प्रस्ताव सदन में रखा जिसे सदस्यों ने ध्वनिमत से स्वीकार कर लिया। उल्लेखनीय है कि बजट सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ हुई थी और इसे नौ फरवरी को समाप्त होना था।

ईपीएफ पेंशन और फार्मूले में बदलाव की मांग उठी राज्यसभा में

राज्यसभा में बुधवार को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की संविधि क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए ईपीएफ-95 पेंशन को न्यूनतम नौ हजार रुपए प्रति मासिक करने और इसके फार्मूले में बदलाव की मांग उठाई गई। सदन में शून्यकाल के दौरान सभापति की अनुमति से उठाये गए मामले के अंतर्गत द्रविड़ मुन्नेत्र कणगम (द्रमुक) के एम षणमुगम ने कहा कि ईपीएफ पेंशन कोष को भारी राशि पड़ी हुई है और इस पर कोई दावा भी नहीं कर रहा है। यह श्रमिकों का धन है इसलिए इसका प्रयोग इनके हित किया जा सकता है। ईपीएफ पेंशन धारकों को न्यूनतम 9000 रुपए प्रति माह राशि की जानी चाहिए। सरकार को ईपीएफ के कोष को देखते हुए श्रमिक संगठनों की बैठक बुलानी चाहिए और ईपीएफ पेंशन निधिधरित करने के फार्मूले में बदलाव करना चाहिए।

चुनाव से पहले सभी टॉल बूथ पर उपगृह आधारित भुगतान प्रणाली : गडकरी

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि देश भर के राजमार्गों पर उपगृह आधारित टॉल भुगतान प्रणाली जल्द से जल्द शुरू की जाएगी। गडकरी ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के जवाब में कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने से पहले सभी टॉल बूथ पर उपगृह आधारित भुगतान प्रणाली शुरू कर दी जाएगी। इसमें गाड़ी के नंबर की जानकारी लेकर खाते से पैसा कट जाएगा। देश में अभी टॉल बूथ से 49000 करोड़ रुपए का राजस्व मिल रहा है। अब सभी टॉल गांव और शहर की सीमा से कुछ दूर बनाए जा रहे हैं। पंचायती राज राज्य मंत्री कपिल मोदेश्वर पाटिल ने पूरक प्रश्नों के जवाब में बताया कि पिछले 10 वर्षों में देश की पंचायतों में तीन करोड़ से अधिक सरपंचों तथा पंचायती राज अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है जिससे पता चलता है कि युवाओं को रोजगार के अवसर बढ़ें हैं।

वर्ष 2022-23 में गन्ना किसानों का 99 प्रतिशत भुगतान : गोयल

लोकसभा में सरकार ने आज बताया कि वर्ष 2022-23 में देश में गन्ना किसानों का 99 प्रतिशत भुगतान किया जा चुका है। केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि गत कई वर्षों से गन्ना किसानों का बकाया भुगतान समय पर हो रहा है और यही वजह है कि देश में गन्ना किसानों का कोई आंदोलन इन दिनों नहीं चल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013-14 में गन्ना किसानों का कुल भुगतान 57 हजार करोड़ रुपए हुआ था, लेकिन 2022-23 में गन्ने का उत्पादन भी डेढ़ गुना बढ़ गया है, जिसके कुल मूल्य 1.15 लाख करोड़ रुपए में से करीब 1.14 लाख करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि अब मात्र 516 करोड़ रुपए गन्ना किसानों के बाकी हैं। गोयल ने कहा कि गन्ना उत्पादन और चीनी मिलों के नजरिये से पिछले करीब 10 वर्ष में स्थिति बिल्कुल बदल गई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने गन्ना उत्पादन से जुड़े विषयों को बहुमुखी सोच और दूरदर्शी परिणाम की दृष्टि से जांचा परखा है।

अरुणाचल प्रदेश के अलग आईएस काडर की उठी मांग

भारतीय जनता पार्टी के नवाम रेबिया ने राज्यसभा में अरुणाचल प्रदेश के लिए अलग भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएसएस) काडर की मांग की। रेबिया ने सदन में शून्यकाल के दौरान सभापति की अनुमति से उठाए जाने वाले मुद्दे के अंतर्गत कहा कि अरुणाचल प्रदेश का अलग आईएसएस काडर नहीं होने के कारण राज्य का विकास प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के पास अपना आईएसएस काडर नहीं है जिससे राज्य में विकास कार्य प्रभावित होते हैं। कोई महत्वपूर्ण अधिकारी लंबे समय तक राज्य में नहीं रह पाता है जिससे विकास कार्य की तारतम्यता समाप्त हो जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य विधानसभा ने अरुणाचल प्रदेश में अलग आईएसएस काडर बनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया है और इसे केंद्र सरकार के पास भेजा है। राज्य सरकारों भी इस संबंध में कई अनुरोध केंद्र सरकार को भेज चुकी हैं।

सार संक्षेप

हरद के पुलिस अधीक्षक को हटाया गया

भोपाल। मध्य प्रदेश के हरदा के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार कंचन को हरदा पुलिस अधीक्षक पद से हटा कर उन्हें पुलिस मुख्यालय भोपाल में सहायक पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदस्थ किया गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार राज्य के गृह विभाग द्वारा आज इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के तहत संजीव कुमार कंचन पुलिस अधीक्षक हरदा का तवावदा कर उन्हें पुलिस मुख्यालय भोपाल में सहायक पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदस्थ किया गया है।

आग लगने से जलकर राख हुई निजी बस

कोल्हापुर/रत्नागिरी। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में महड के सावित्री पुल के पास मुंबई-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार तड़के एक निजी लक्जरी बस में अचानक आग लग गयी। बस चालक और उसके दो सहायकों सहित 22 यात्रियों को बस से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने कहा कि लक्जरी बस में लगी आग से बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गयी, लेकिन गनीमत यह रही बस में में सवार लोगों को बिना किसी नुकसान के बस से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। ओडुम्बर छाया ट्रेवल्स कंपनी की एक निजी बस रत्नागिरी से मुंबई जा रही थी और सावित्री पुल के पास अचानक टायर फटने से उसमें आग लग गई। बस में 22 यात्री सवार व बस चालक उसके दो सहायक सवार थे। सभी को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

तेलंगाना में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

करीमनगर। तेलंगाना में करीमनगर जिले के कोथागट्टु गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को तड़के कार के टुक से टकरा जाने से मां-बेटे की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना उस समय हुई जब कार में सवार लोग हुजुराबाद से करीमनगर आ रहे थे। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए हुजुराबाद एरिया अस्पताल में भर्ती कराया। मृतकों की पहचान कोमुरम्मा व प्रभाकर के रूप में की गई है।

त्रिपुरा में मुख्यमंत्री-जन आरोग्य योजना शुरु

अगरतला। त्रिपुरा सरकार ने इस वित्तीय वर्ष में प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना से चुक गए परिवारों के लिए एक सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा योजना मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना शुरू करने की घोषणा की है। यह योजना पीएम-जेएवाई के तहत आयुजाना भारत जैसी प्रवर्धित योजना है। राज्य सरकार के प्रवक्ता और पर्यटन मंत्री सुशांत चौधरी ने बुधवार को कहा, पिछले हफ्ते मंत्रिपरिषद की बैठक में इस योजना को मंजूरी दे दी गई।

लड़कियों की शिक्षा एक क्रांति है : जगदीप धनखड़

इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय के शताब्दी समारोह को किया संबोधित

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेसिया)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि शिक्षा सबसे प्रभावशाली परिवर्तनकारी तंत्र है और परिवर्तन लाती है जहां असमानताएं समाप्त हो जाती हैं, लेकिन लड़कियों की शिक्षा एक क्रांति है जिससे एक युग बदल रहा है। धनखड़ ने यहां इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि उद्योग जगत को शैक्षणिक संस्थानों को संभालने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे उद्योगोपति विदेशी निवेशकों को मोटा-मोटा दान देते हैं जिसका प्रयोग देश के खिलाफ ही होता है। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत को शैक्षणिक संस्थानों, विशेषकर लड़कियों के लिए सीएसआर फंड से उदारतापूर्वक योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि लड़कियों की शिक्षा सबसे प्रभावशाली परिवर्तनकारी तंत्र है। शिक्षा ही परिवर्तन लाती है जहां असमानताएं समाप्त हो जाती हैं, लेकिन लड़कियों की शिक्षा परिवर्तन से परे है। लड़कियों की शिक्षा एक क्रांति है, लड़कियों को शिक्षा एक युग बदल रही है। धनखड़ ने कहा कि वर्तमान में इस देश में एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र है जहां सभी के लिए संभावनाएं खुली हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद के प्रति प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। भारतीयता हमारी पहचान है।

बिहार में फ्लोर टेस्ट से पहले प्रधानमंत्री से मिले नीतीश कुमार

एनडीए की नई सरकार बनने पर मोदी ने नीतीश को दी बधाई

पटना, 7 फरवरी (देशबन्धु)। बिहार में एनडीए की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बुधवार को पहली मुलाकात हुई। पीएम मोदी से मिलने के लिए सीएम नीतीश बुधवार को दिल्ली पहुंचे थे। जहां करीब दस मिनट तक दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। नीतीश ने पीएम मोदी को गुलदस्ता भेंट की। पीएम मोदी ने बिहार में एनडीए की नई सरकार बनने पर नीतीश को बधाई दी। वही सीएम नीतीश ने भी उन्हें आभार प्रकट किया। इस दौरान दिल्ली में जेडीयू के नेताओं से भी मुख्यमंत्री मिलेंगे। बता दें कि महागठबंधन से अलग होकर नीतीश ने भाजपा से हाथ मिला लिया था। भाजपा के साथ नीतीश के आते ही बिहार में सियासी भूचाल आ गया।



जिसके बाद बिहार में एनडीए की नई सरकार का गठन हुआ। जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बने और भाजपा से दो डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी बनाए गए। हालांकि आरजेडी की तरफ से दावा किया जा रहा है खेला अभी बाकी है। फ्लोर टेस्ट से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली पहुंचे जहां उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की। इससे पहले जी 20 सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति भवन के डिनर में पीएम मोदी और सीएम नीतीश की मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के

सरकार 12 फरवरी को करेगी बहुमत पेश

हालांकि एनडीए की नई सरकार का बहुमत परीक्षण अभी बाकी है। 12 फरवरी से विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो रहा है और उसी दिन एनडीए की नई सरकार का फ्लोर टेस्ट भी होगा। बिहार की राजनीति के लिए 12 फरवरी का दिन काफी महत्वपूर्ण होगा।

पांच महीने बीत गये हैं। आज दिल्ली में फिर दोनों नेताओं की मुलाकात हुई। यह मुलाकात राजनीतिक गतिधारा में चर्चा का विषय बना हुआ है।

ऐलान

झारखंड में चम्पाई सोरेन का बिजली सब्सिडी में जल्द बढ़ोतरी का भरोसा

विद्युत उपभोक्ताओं को अब मिलेगी 125 यूनिट बिजली मुफ्त

रांची, 7 फरवरी (एजेसिया)। झारखंड के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि बिजली सब्सिडी में जल्द बढ़ोतरी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में वित्तीय वर्ष 2023-24 के राजस्व प्राप्ति और व्यय को लेकर विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव/ प्रधान सचिव/ सचिव के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक करते हुए कहा।



ऊर्जा विभाग को प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश

हुए अधिकारियों को के आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को विभिन्न योजनाओं के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया, ताकि यहां की ज्यादा से ज्यादा

जनता को इसका लाभ दे सके। मुख्यमंत्री ने जनहित से जुड़ी तमाम योजनाओं को समय पूरा करने को भी कहा। उन्होंने स्वीकृत योजनाओं का कार्य जल्द शुरू करने और लंबित योजनाओं को पूर्ण करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को वित्तीय प्रबंधन को और भी बेहतर बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष की समाप्ति में अब दो महीने से कम का समय बचा है। ऐसे में सभी विभाग अपने

बजट की राशि के खर्च में तेजी लाएं ताकि जो लक्ष्य निर्धारित है, उसे पूरा कर सकें। उन्होंने बैठक में विभागवार केंद्र प्रायोजित योजनाओं के उपलब्धियों की जानकारी ली। वित्त विभाग ने मुख्यमंत्री को बताया कि केंद्र सरकार से केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लिए जो राशि मिली है, उसे खर्च करने के लिए सभी विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस राशि के खर्च के बाद अतिरिक्त

राशि उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री ने आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर पिछले वर्ष 24 नवंबर से 26 दिसंबर तक आयोजित शिविरों में विभिन्न योजनाओं से संबंधित जो आवेदन मिले हैं, उसकी अद्यतन जानकारी ली। इस क्रम में निष्पादित, अस्वीकृत और लंबित आवेदनों के बारे में भी जाना। उन्होंने कहा कि आवेदन लंबित नहीं रहे, इसे हर हाल में

सुनिश्चित करें और जिस आवेदन को अस्वीकृत किया गया है उसकी वजह भी बताई जानी चाहिए। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 59 लाख 28 हजार से ज्यादा आवेदन मिले हैं जिनमें से 60 प्रतिशत से ज्यादा का निष्पादन किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अबुआ अनास योजना की स्थाई प्रतीक्षा सूची बने।



एक दिन भगवान ने एक आदमी की मेमोरी डिलीट कर दी। फिर उससे पूछा क्या तुम्हें कुछ याद है? आदमी ने अपनी पत्नी का नाम बता दिया। भगवान हंसकर बोले-पूरा सिस्टम फॉरगट कर दिया पर वायरस फिर भी रह गया।

खिलाड़ियों की हर जरूरत को पूरा करेगी दिल्ली सरकार : केजरीवाल मुख्यमंत्री ने दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल में इंडोर स्विमिंग पूल का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 7 फरवरी (देशबन्धु)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और शिक्षा मंत्री आतिशी ने बुधवार को दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल में इंडोर स्विमिंग पूल का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। कहा कि वह उनकी हर जरूरत को पूरा करेंगे, लेकिन खिलाड़ियों का लक्ष्य ओलंपिक में देश के लिए मेडल लाना होना चाहिए। इस दौरान केजरीवाल ने आने वाले दिनों में खेल को लेकर और भी सुविधाएं बढ़ाने का कहा है।



देश के लिए ओलंपिक में मेडल लाने का लक्ष्य बनाएं सभी खिलाड़ी : अरविंद केजरीवाल

इससे दिल्ली के खिलाड़ी पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन कर सकें। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली खेल यूनिवर्सिटी को कुछ साल पहले हमने सिर्फ सोचा था। 140 करोड़ लोगों का हमारा देश है। हमारे देश में टैलेंट की कमी नहीं है। देश के खिलाड़ियों में जो टैलेंट है उसको सपोर्ट किया जाए तो वह बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। लेकिन ओलंपिक में ज्यादातर मेडल बाहर के देश के खिलाड़ी ले जाते हैं। इसलिए ओलंपिक में मेडल लाने के लिए दिली स्पอร์ต यूनिवर्सिटी मुंडका में बनाने की योजना बनाई। उसके तहत दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल चल रहा है और अभी 10 ओलंपिक खेलों की ट्रेनिंग

भी दी जा रही है। वर्ष 2032 के ओलंपिक में हम जरूर मेडल ले आएंगे। इसी उद्देश्य से आम आदमी पार्टी की सरकार काम कर रही है। यहां पर खिलाड़ियों को बेस्ट ट्रेनिंग, बेस्ट कोच मिल रहे हैं। यहां पर सारी फैसिलिटी फ्री में दी जा रही है। ऐसे में सभी खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए और ओलंपिक के मेडल जीतने का लक्ष्य रखना चाहिए। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि 10,000 से अधिक आवेदन आए थे, जिसमें से 172 बच्चों को चुनित किया गया। इसके लिए कई स्तर पर टेस्ट लिया गया था।

हमारे देश में टैलेंट की कमी नहीं है : मुख्यमंत्री

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बच्ची के स्वागत पर कहा कि हमारे देश में टैलेंट की कमी नहीं है। ट्रैफिक रैड लाइट पर पैसों मांगने वाले बच्चों में भी टैलेंट होता है लेकिन उनको मौका नहीं मिल पाता है। एक ट्रेंड हो चुका है कि 12वीं के बाद प्रोजेक्शन की पढ़ाई करना लेकिन खेलने में यदि किसी की रुचि है तो खेल के अंदर भी प्रोजेक्शन की सुविधा होनी चाहिए। हम शिक्षा और स्पोर्ट्स को एक समान लाना चाहते थे। इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों से दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में पहुंचे खिलाड़ियों ने अपना अनुभव भी साझा किया। वहीं, दिल्ली के शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की टीम को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि 10,000 से अधिक आवेदन आए थे, जिसमें से 172 बच्चों को चुनित किया गया। इसके लिए कई स्तर पर टेस्ट लिया गया था।

विविधता का अमृत महोत्सव दिल्ली में

नई दिल्ली, 7 फरवरी (देशबन्धु)। पूर्वोत्तर भारत की समृद्धि को उजागर करने वाला एक चार दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव विविधता का अमृत महोत्सव 8 से 11 फरवरी 2024 तक राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रवेश नि:शुल्क है और कार्यक्रम का समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक निर्धारित किया गया है। यह कार्यक्रम पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा अ प न 3 सी पी ए स डी, पूर्वोत्तर और हथकरघा विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। गौरतलब है कि यह कार्यक्रम राष्ट्रपति भवन परिसर के अंदर स्थित अमृत उद्यान में उद्यान उत्सव 2024 के एक भाग के रूप में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति द्वारा 8 फरवरी को डोंगर, संस्कृति और पर्यटन मंत्री की उपस्थिति में किया जाएगा।



पूर्वोत्तर भारत की समृद्धि विविधता को प्रदर्शित करने के मकसद से विविधता का अमृत महोत्सव के पहले संस्करण को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है, जिसमें पारंपरिक कलाओं, शिल्प और संस्कृतियों को एक जीवंत मंच पर एक साथ समेटा गया है।

दिल्ली नगर निगम की सदन बैठक में तीसरे दिन भी हंगामा आप-भाजपा पार्षदों ने की जमकर नारेबाजी

नई दिल्ली, 7 फरवरी (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम के संशोधित बजट अनुमान 2023-24 और बजट अनुमान 2024-25 पर चर्चा के लिए बुलाई गई निगम सदन की बैठक तीसरे दिन भी हंगामे की भेंट चढ़ गई। जहां सोमवार को चंडीगढ़ महापौर चुनाव में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को लेकर आप और भाजपा पार्षदों में नोक-झोंक हुई थी, मंगलवार को भाजपा पार्षदों ने आप पार्षदों की ओर से कट मोशन के प्रस्तावों को लेकर विरोध किया। वहीं बुधवार को कट मोशन बजट प्रस्ताव को वापस लेने की मांग को लेकर भाजपा पार्षदों ने जमकर हंगामा किया जिसके चलते सदन दो बजे फिर सदन की बजट बैठक शुरू हुई। जैसे ही मेयर डॉ. शैली ओबराव ने बोलना शुरू किया तो फिर से विपक्षी दल के पार्षदों का प्रदर्शन शुरू हो गया। विपक्षी दल के पार्षद लेने की मांग कर रहे थे। जब तीसरी बार महापौर सदन में आई तो भाजपा पार्षदों ने जमकर हंगामा किया इस बीच आप और भाजपा के पार्षदों ने एक दूसरे के खिलाफ नारे बाजी की, यहां तक कि कुछ पार्षद महापौर के आसन तक आ गए।



बैठक शुरू हुई और पांच मिनट ही चल पाई। भाजपा पार्षदों का कट मोशन के प्रस्तावों को वापस लेने की मांग कर रहे थे। जब तीसरी बार महापौर सदन में आई तो भाजपा पार्षदों ने जमकर हंगामा किया इस बीच आप और भाजपा के पार्षदों ने एक दूसरे के खिलाफ नारे बाजी की, यहां तक कि कुछ पार्षद महापौर के आसन तक आ गए।

सार संक्षेप

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली मेट्रो में की सवारी



नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को दिल्ली मेट्रो की सवारी की। यात्रा के दौरान उन्होंने स्कूली बच्चों से भी बातचीत की। सोशल मीडिया पर 27 सेकेंड की एक वीडियो विलप में मुर्मू को खाली मेट्रो वैजान में अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए दिखाया गया है। इस दौरान उनके साथ दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के एमडी डॉ. विकास कुमार भी थे। 58 सेकेंड की एक अन्य वीडियो विलप में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दिल्ली मेट्रो में अपनी यात्रा के दौरान स्कूली छात्रों से बातचीत करती हुई दिखाई दीं। माना जा रहा है कि राष्ट्रपति के इस अप्रत्याशित कदम का उद्देश्य शहर के निवासियों के दैनिक जीवन के साथ संबंध स्थापित करना था।

दिल्ली की तिहाड़ जेल में सदिग्ध परिस्थितियों में कैदी की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली की तिहाड़ जेल में एक कैदी की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि गुरदीप को शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने अक्टूबर/नवम्बर 2023 में विकासपुरी थाने में दर्ज एक मामले में चौदी का सामान भी बरामद किया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि गुरदीप को कुछ स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं थी। मंगलवार को जेल में उसकी मौत हो गई। जेल अधिकारियों और डॉक्टरों द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने हथियार सफ़ायर को किया गिरफ्तार, कई ऑटोमेटिक पिस्टल बरामद

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर से हथियार लाकर दिल्ली-एनसीआर में सफाई करने वाले तस्कर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बुरहानपुर निवासी गंधदास दावर (27) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से 20 पिस्टल बरामद की हैं। आरोपी ने बताया कि वह मध्यप्रदेश में दयाल के लिए काम करता है। प्रत्येक पिस्टल की सफाई करने पर उसे 1000 रुपए कमीशन मिलता था। दो साल से वह दिल्ली-एनसीआर के अलावा अन्य जगह हथियार पहुंचा रहा था। पुलिस उपायुक्त मनोज सी ने बताया कि इस्पेक्टर विवेकानंद पाठक, कुलदीप सिंह, एसपी राहुल कुमार सिंह की टीम को खबर मिली कि हथियार तस्कर रोहिणी में आने वाला है। इस पर द्वारकाधीश अपार्टमेंट सेक्टर-11, रोहिणी के पास पिकेट लगाकर गंधदास को हिरासत में लिया गया।

हरित शहरों का विकास करने पर जोर देने की जरूरत : हरी बाबू

नई दिल्ली, 7 फरवरी (देशबन्धु)। नेशनल रियल एस्टेट डिवेलपमेंट काउंसिल एनएआरडीसीओ ने हाल ही में अपना राष्ट्रीय दशक समारोह आयोजित किया। फोर्ट्रेंड्स ट्रस्ट विद ट्रांसपेरेंसी-पाथवे 2047 की थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में भविष्य के आवासीय परिदृश्य का रोडमैप प्रस्तुत किया गया। 2 और 3 फरवरी तक चले इस दो दिवसीय कार्यक्रम में गवर्निंग काउंसिल, एनएआरडीसीओ सदस्यों तथा रियल एस्टेट एवं कंस्ट्रक्शन सेक्टर के शेरधारकों ने हिस्सा लिया।



एनएआरडीसीओ का 16वां राष्ट्रीय दशक समारोह आयोजित

इस अवसर पर एनएआरडीसीओ के अध्यक्ष जी.हरी बाबू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में राष्ट्रीय और राजकीय स्तर पर हरित शहरों का विकास करने पर जोर देने की आवश्यकता है क्योंकि 2047 तक भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की

इकॉनमी के साथ एक विकसित देश बन चुका होगा और रियल एस्टेट एवं कंस्ट्रक्शन सेक्टर के विकास के लिए इसकी जरूरत पड़ेगी। उन्होंने हाउसिंग सेक्टर के विकास के लिए अफोर्टेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स पर ब्याज दरों को मौजूदा दरों 8-9 फीसदी से घटाकर 6-

निगम में कट मोशन प्रस्तावों के माध्यम से बढ़ेगा भ्रष्टाचार : राजा इकबाल सिंह

महापौर पर लगाया 15 सौ करोड़ रुपए फंड को अपने अधिकार में लेने का आरोप



नई दिल्ली, 7 फरवरी (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष व पूर्व महापौर राजा इकबाल सिंह ने बताया कि आम आदमी पार्टी कट मोशन प्रस्तावों के माध्यम से विभिन्न समितियों, वेतन, विकास संबंधी फंड को विभिन्न मदों से हस्तांतरित करके मेयर विवेकाधिकार में डालना चाहती है जिस के भ्रष्टाचार बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि वार्ड समितियों के मद से 6 करोड़, ग्रुप भी श्रेणी के अधिकारियों के वेतन मद से 226 करोड़, स्थायी समिति अध्यक्ष के मद से 9 करोड़, पार्कों की मरम्मत के मद से 13 करोड़, अभियांत्रिकी कार्यों के मद से 22 करोड़, कालोनियों में कार्यों के मद से 60 करोड़, अधिकृत और अनाधिकृत कालोनियों में कार्यों के मद से 46

महिलाओं ने पांचवें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ भारत को किया गौरवान्वित



नई दिल्ली, 7 फरवरी (देशबन्धु)। मदर इंडियाज क्रोशे क्वीस (एमआईसीक्यू) के लिए यह गर्व का क्षण था जब इस संस्थान के चेन्नई के कर्टनकुलथुर में एसआरएम विश्वविद्यालय में एक भव्य समारोह में पांचवीं बार प्रतिष्ठित गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड पुरस्कार जीता।

यह सब संभव हुआ एमआईसीक्यू को संस्थापक सुबाश्री नटराजन के अथक प्रयासों की वजह से व उनकी टीम के सदस्य रेखा संजीव, प्रेणा दास व सचिव संगीता साहनी के प्रयासों द्वारा। मानव रचनात्मक को बढ़ावा देने के लिए संस्थापक सुबाश्री नटराजन के विचार को प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

मान्यता प्राप्त सरकार द्वारा पंजीकृत संगठन भारतीय कौशल विकास परिषद के निदेशक डॉ. जे.पी. सिंह साहनी द्वारा सहायता और समर्थन दिया गया। आगे की प्रेरणा को प्रेरणा दान सरकार व केंद्रीय मंत्री परपोथा के प्रायः करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसने विभिन्न महाद्वीपों में बहु-प्रतिभाशाली महिला लोगों की भागीदारी को शामिल करते हुए मानव शिल्प कौशल की मान्यता के लिए एक मंच तैयार किया। यह कार्यक्रम दुनिया भर के 100 से अधिक देशों में 23 भाषाओं में प्रकाशित किया जाएगा जो मील का पत्थर साबित होगा, इस संस्था का आदर्श वाक्य ही है दुनिया को बेहतर बनाना और हर वर्ग के लोगों तक पहुंचाना है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड कार्यक्रम के लिए आउटरीच गतिविधियों को मुख्य विचारक डॉ. जे.पी. सिंह साहनी द्वारा समर्थित किया जाता है, उनका कहना है कि हर साल लगभग 2.3 मिलियन महिलाओं में स्न कैन्सर का पता चलता है।

फंड उपलब्ध ही नहीं होगा तो ये समितियां कोई कार्य नहीं कर पाएंगी। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी ने जब से निगम में सत्ता हासिल की है तब से ये लोग गैर कानूनी तरीके से विभिन्न कार्यों को अमलीजामा पहनाने में लगे हुए हैं। आम आदमी पार्टी किसी भी संविधानिक प्रक्रिया का भ्रान नहीं करती है ताकि ये लोग प्रत्येक कर सकें और नए शीश महल दिल्ली में खड़े कर सकें। आप पहले स्थायी समिति की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए सदन में प्रस्ताव लेकर आई थी जिसका भी भारतीय जनता पार्टी ने पुरजोर विरोध किया था। अब आम आदमी पार्टी विभिन्न मदों से फंड को हस्तांतरित कर के मेयर विवेकाधिकार फंड में डालने का गैर कानूनी कार्य करना चाहती है।

किसी के पास सजदा करने से रोकने की ताकत नहीं : मोहम्मद शमी

जश्न मनाने के अंदाज को लेकर उठे सवालों के लिए जवाब

नई दिल्ली, 7 फरवरी (देशबन्धु)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पाकिस्तान में उनके जश्न मनाने के अंदाज को लेकर उठाए गए सवालों का दो दृढ़ जवाब देते हुए कहा कि किसी के पास उठते सजदा करने से रोकने की ताकत नहीं है। शमी ने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें भारत से होने और अपनी मुस्लिम पहचान पर गर्व है। उन्यू 18 चौपाल कार्यक्रम में इंटरव्यू के दौरान शमी ने विश्व कप 2023 के दौरान अपने जश्न को लेकर हुए विवाद पर बात की। उन्होंने कहा कि मैंने ज्यादातर पाकिस्तानियों को हराया है। क्या किसी में मुझे सजदा करने से रोकने की हिम्मत है। मैंने कभी जमीन पर सजदा नहीं किया है। मैंने पहले भी पांच विकेट लिए हैं, लेकिन कभी सजदा नहीं किया। मैं गर्व से कहता हूँ कि मैं भारत से हूँ। मैं गर्व से कहता हूँ कि मैं मुस्लिम हूँ। विश्व कप में भारत के प्रदर्शन पर विचार करते हुए, शमी ने 2013-2014 के बाद से टीम की जर्नी का उल्लेख किया, और विभिन्न देशों के खिलाफ फेरुल मैदान पर खुद को सफलता पर बात की। विश्व कप में दमदार प्रदर्शन के बावजूद फाइनल नहीं जीत पाने पर उन्होंने दुःख जताया। शमी ने क्रिकेट चर्चा में तेज गेंदबाजों की बढ़ती पहचान को स्वीकार किया। शमी ने अपने परिवार के बारे में भावनाएं भी साझा कीं और उनसे दूर रहने की चुनौतियों को व्यक्त किया। उन्होंने अपनी बेटी की कमी और कुछ सामाजिक मानदंडों द्वारा थोपी गई कठिनाइयों के बारे में बात की। हालांकि, उन्होंने अपनी बेटी के लिए अच्छी शिक्षा, जीवन और स्वास्थ्य की इच्छा पर जोर दिया और उन्हें उम्मीद है कि उनके और उनकी पत्नी के बीच चल रहे मुद्दों का उनके बच्चे पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।



नई दिल्ली, 7 फरवरी (देशबन्धु)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पाकिस्तान में उनके जश्न मनाने के अंदाज को लेकर उठाए गए सवालों का दो दृढ़ जवाब देते हुए कहा कि किसी के पास उठते सजदा करने से रोकने की ताकत नहीं है। शमी ने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें भारत से होने और अपनी मुस्लिम पहचान पर गर्व है। उन्यू 18 चौपाल कार्यक्रम में इंटरव्यू के दौरान शमी ने विश्व कप 2023 के दौरान अपने जश्न को लेकर हुए विवाद पर बात की। उन्होंने कहा कि मैंने ज्यादातर पाकिस्तानियों को हराया है। क्या किसी में मुझे सजदा करने से रोकने की हिम्मत है। मैंने कभी जमीन पर सजदा नहीं किया है। मैंने पहले भी पांच विकेट लिए हैं, लेकिन कभी सजदा नहीं किया। मैं गर्व से कहता हूँ कि मैं भारत से हूँ। मैं गर्व से कहता हूँ कि मैं मुस्लिम हूँ। विश्व कप में भारत के प्रदर्शन पर विचार करते हुए, शमी ने 2013-2014 के बाद से टीम की जर्नी का उल्लेख किया, और विभिन्न देशों के खिलाफ फेरुल मैदान पर खुद को सफलता पर बात की। विश्व कप में दमदार प्रदर्शन के बावजूद फाइनल नहीं जीत पाने पर उन्होंने दुःख जताया। शमी ने क्रिकेट चर्चा में तेज गेंदबाजों की बढ़ती पहचान को स्वीकार किया। शमी ने अपने परिवार के बारे में भावनाएं भी साझा कीं और उनसे दूर रहने की चुनौतियों को व्यक्त किया। उन्होंने अपनी बेटी की कमी और कुछ सामाजिक मानदंडों द्वारा थोपी गई कठिनाइयों के बारे में बात की। हालांकि, उन्होंने अपनी बेटी के लिए अच्छी शिक्षा, जीवन और स्वास्थ्य की इच्छा पर जोर दिया और उन्हें उम्मीद है कि उनके और उनकी पत्नी के बीच चल रहे मुद्दों का उनके बच्चे पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

बारिश से साफ हुई राजधानी की हवा

नई दिल्ली, 7 फरवरी (देशबन्धु)। दिल्ली-एनसीआर में बीते दिनों हुई बारिश से हवा साफ हो गई है। दिल्ली का प्रदूषण सूचकांक 141 दर्ज किया गया। यह इस साल का सबसे कम एक्ज्यूआर्ड है। आने वाले दिनों में कुछ और सुधार होने की उम्मीद है। मौसम विभाग की मानें तो दिन में धूप खिलने से मौसम कुछ गर्म हुआ और दिन में हल्की हवाएं चलीं वहीं बीते दिनों बारिश से मौसम अनुकूल हुआ जिससे प्रदूषण के स्तर में गिरावट हुई।

उत्तर रेलवे
इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत
मर्दों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक उत्तर रेलवे नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	15235259A	एक्सरे बैगेज स्कैनर मशीन	08 नग	26-02-24
02	16240662	स्वैचर फिट फॉर हाउसिंग बैजिंग	180 सेट	29-02-24
03	20241053A	लोको साइड बफर (बी जी) माइनर जसंबली	261 नग	04-03-24
04	15235260	सी एन सी एक्स सल टर्निंग लेथ	01 नग	11-03-24
05	19243595	इन्वलाइजर बीम असंबली	79 पेरस	18.03.24
06	08245098	प्रोक्वोरमेंट ऑफ इलेक्ट्रिक पॉइंट मशीन	261 नग	18-03-24
07	08235642	प्रोक्वोरमेंट ऑफ एस एस डी ए सी	82 सेट/नग	20-03-24
08	07230248	ब्रेक कैलिपर सुविट लेवट वर्जन	205 नग	08-04-24

निविदा शर्तें -1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।
डैंडर नोटिस सं 91/2023-24 दिनांक 07.02.2024 411/2024
ग्राहकों की सेवा में सुस्क्रान के साथ

भारतीय रेल
भारत सरकार
रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

सं. आरएस(पोल)/58/0501/2/2023 नई दिल्ली, दिनांक 06.02.2024
विषय: हाई स्पीड डीजल (एचएसडी) की खरीद के लिए रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की ई-निविदा सं. 2023 एचएसडी टीसी के लिए ई-निविदा सूचना।
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से कार्यपालक निदेशक, रेल मंडार (सी), रेल मंत्रालय, (रेलवे बोर्ड), भारत सरकार नीचे दिए गए बयों के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

1 ई-निविदा सं.	2023 एचएसडी टीसी
2 कार्य का नाम	हाई स्पीड डीजल (एचएसडी) /बायो डीजल मिश्रित एचएसडी: आईएस: 1460 के अनुरूप (नवीनतम संशोधन)
3 अनुमानित मात्रा लोटर में	11.07 लाख किलोलीटर
4 निविदा लागत	शून्य
5 बयाना	50 लाख रु.
6 ई-निविदा को जमा करने की अंतिम तारीख एवं समय	12.03.2024 को 14:00 बजे
7 पूर्ण बयों तथा ई-निविदा के लिए वेबसाइट	http://www.ireps.gov.in

(एस.के. वर्मा)
निदेशक, रेल मंडार (एम)
टीलीफोन नं. 011-23073191, ईमेल आईडी: dms@rb.railnet.gov.in
तृतीय तल, कमरा नं. 363, रेल भवन 397/24
ग्राहकों की सेवा में सुस्क्रान के साथ



15 दिन में आने वाली आपतियों के निस्तारण के बाद 347 किसानों को मिलेगा 5 फीसदी भूखंड

सेक्टर-146 में करीब 11 हेक्टेयर जमीन की गई चिन्हित

नोएडा, 7 फरवरी (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण ने पात्र 347 किसानों को 5 बूखंड देने की तैयारी शुरू कर दी है। इनमें से 268 बूखंड के लिए सेक्टर-146 में पौने ग्यारह हेक्टेयर जमीन चिन्हित कर दी है। अब यहां बूखंड देने के लिए लोगों से आपतियां मांगी गई हैं। लोग 15 दिन में आपतियां दे सकते हैं। नोएडा प्राधिकरण के एसीओ सतीश पाल ने बताया कि प्राधिकरण 347 किसानों को 5 प्रतिशत के भूखंड देने के लिए तैयार है। इसमें सेक्टर-146 में 268 बूखंड एक साथ निकाल लिए गए हैं।

एसीओ ने बताया कि भूखंड आवंटन से पहले प्लानिंग पर आपतियां-सुझाव मांगे जाने हैं। इसके लिए सार्वजनिक सूचना जारी कर दी गई है। लोग 15 दिन के अंदर आपतियां-सुझाव दे सकते हैं। आपतियां-सुझाव का निवारण कर भूखंड आवंटित कर दिए जाएंगे। एसीओ ने बताया कि शहर के सेक्टर-146 में 31 गांवों के किसानों को पांच प्रतिशत आबादी भूखंडों का आवंटन



दिया जाना है। इनके अतिरिक्त 8 और गांवों मोहियापुर, सुत्याना, इलाहाबास, नंगली-नंगला, रसूलपुर नवादा, शहरदा, पथला खजपुर और छिजवासी के 5 प्रतिशत आबादी भूखंडों का नियोजन प्राधिकरण की उपलब्ध और कब्जा प्राप्त भूमि पर किया गया है। इन 31 गांवों के लगभग 268, सदरपुर गांव के 35 और 8 गांवों के 44 किसानों के लगभग कुल 347 किसानों के लिए पांच प्रतिशत आबादी भूखंडों का आवंटन किया जाएगा। इन किसानों का विवरण नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट पर निरीक्षण के लिए उपलब्ध है। यदि किसी किसान को इस सूची में कोई आपतित है या वह कोई

सुझाव दर्ज कराना चाहते हैं तो इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन के बाद 15 दिन अर्थात् अपनी आपतित या सुझाव दे सकते हैं। यह आपतित नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर में महाप्रबन्धक (नियोजन) के कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत करनी होगी। निर्धारित तिथि के बाद प्राधिकरण प्राप्त आपतियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। निर्धारित तिथि तक आने वाली आपतियों का निस्तारण करने के बाद अंतिम सूची के मुताबिक भूखंडों का आवंटन कर दिया जाएगा। एसीओ ने बताया कि बाकी जो भी किसान हैं और उनको भी पांच प्रतिशत भूमि पर भूखंड दिया जाएगा। इसके लिए उनकी पात्रता सूची बनवाई जाएगी। वहीं आवंटन कर रहे किसानों को 10 प्रतिशत भूखंड देने के सवाल पर एसीओ ने बताया कि बोर्ड के बाद शासन में यह मांग भेजी गई है। शासन से अभी कोई जवाब नहीं आया है। किसान आबादी निस्तारण की मांग भी लंबे समय से कर रहे हैं।

टीबी के प्रति जन समुदाय को जागरूक करते हुए जांच बढ़ाएं स्वास्थ्य विभाग : जिलाधिकारी

त्यागी दंपति ने 100 क्षय रोगियों को लिया गोद

गाजियाबाद, 7 फरवरी (देशबन्धु)। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह बुधवार को संजय नगर स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय में आयोजित क्षय रोगी एडॉप्शन कार्यक्रम में पहुंचे और पुष्पाहार प्रदान किया। जिलाधिकारी ने टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के स्टाफ से मिले में क्षय रोगियों के बारे में जानकारी ली और जन समुदाय में टीबी के प्रति जागरूकता और जांच बढ़ाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि टीबी की दवा बीच में छोड़ देने से बिगड़ी टीबी (मल्टी ड्रग रजिस्टर्ड) हो जाती है। बिगड़ी टीबी का उपचार महंगा, मुश्किल और ज्यादा टॉक्सिक होता है, इसलिए दवा नियमित रूप से अवश्य खाएं। साथ ही सरकार की ओर से मिलने वाली पांच सौ रूपए की पोषण राशि से



वह स्वयं पोषिक भोजन करें और पुष्पाहार का भी खुद सेवन करना है। टीबी को दवाओं के साथ पोषिक आहार लेना बहुत जरूरी होता है। परिवार के सदस्यों का लगातार संपर्क में रहने के कारण परिजनों को भी संक्रमण का खतरा होता है, इसलिए अपने परिजनों को भी जांच कराने के लिए प्रेरित करें। टीबी के रोग को छुपाए नहीं अपितु इस बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। उन्होंने कहा कि समाज के जागरूक और सक्षम लोगों से क्षय रोगियों को गोद लेकर भावनात्मक और सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराने का आह्वान किया है। कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी के सभापति और रोटैरियन डा. सुभाष गुप्ता ने अपने जन्मदिन के मौके पर 50 क्षय रोगियों को गोद लिया। रोटैरियन गौरव त्यागी और श्रीमती नैतिक त्यागी ने भी अपनी शादी की सालगिरह क्षय रोगियों के बीच

जिलाधिकारी ने सुनी जन शिकायतें

गाजियाबाद। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय पर जन समस्याएं सुनी। इस मौके पर जिलाधिकारी द्वारा क्रमवार तरीके से आए हुए सभी लोगों द्वारा दी गई लिखित शिकायतें प्राप्त करते हुए शिकायतें सुनी गयीं। जिलाधिकारी से कहा कि शिकायतों का पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारण किया जायेगा। इस मौके पर जिलाधिकारी को गोद लेकर भावनात्मक और सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराने का आह्वान किया है। कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी के सभापति और रोटैरियन डा. सुभाष गुप्ता ने अपने जन्मदिन के मौके पर 50 क्षय रोगियों को गोद लिया। रोटैरियन गौरव त्यागी और श्रीमती नैतिक त्यागी ने भी अपनी शादी की सालगिरह क्षय रोगियों के बीच

लिया है। त्यागी दंपति और डा. सुभाष गुप्ता को मुख्य चिकित्सक अधिकारी (सीएमओ) ने पौधा भेंटकर शुभकामनाएं दीं।

सार संक्षेप

14 वर्षीय किशोरी लापता

नोएडा। सेक्टर-22 स्थित चौड़ा गांव में 14 वर्षीय किशोरी सतिश परिचितियों में घर से लापता हो गई। किशोरी की मां ने एक युवक पर बेटी को बहला फुसलाकर जे जाने का आरोप लगाते हुए सेक्टर-24 थाने में केस दर्ज कराया है। किशोरी की सकुशल बरामदगी के लिए एक टीम गठित कर दी गई है। नामजद युवक की तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। शिकायत में महिला ने पुलिस को बताया कि बीते दिनों जब वह ड्यूटी पर गई थी तो घर पर बेटी अकेली थी। महिला जब ड्यूटी से घर लौटी तो बेटी घर पर नहीं थी। करीबियों और रिश्तेदारों के यहां तलाश करने के बाद भी जब किशोरी नहीं मिली तो उसकी मां ने मामले की शिकायत थाने में की। पड़ोस के रवि नाम के युवक पर किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप है।

ई-रिक्शा, बाइक और स्कूटी चोरी

नोएडा। अलग-अलग जगहों से ई-रिक्शा, बाइक और स्कूटी चोरी होने का मामला सामने आया है। सेक्टर-24 पुलिस को दी शिकायत में राजीव कुमार ने बताया कि वह बरोला गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने अपना ई-रिक्शा सुरभि अस्पताल के पास खड़ा किया और शोचालय चले गए। जब थोड़ी देर बाद वह वापस आए तो उन्होंने देखा कि ई-रिक्शा अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया है। इसके अलावा सेक्टर 12 में रहने वाली यश्री श्रीवास्तव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पति की स्कूटी 5 फरवरी को अज्ञात चोरों ने घर के बाहर से चोरी कर ली है। साथ ही सेक्टर 39 स्थित जिला अस्पताल से अज्ञात बदमाशों ने आस मोहम्मद की मोटरसाइकिल चोरी कर ली। पुलिस सभी मामलों में घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है।

दम घुटने से बुजुर्ग की कमरे में हुई मौत

नोएडा। सेक्टर-122 में कमरे में आग लगने से दम घुटने के कारण एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है। सुबह परिवार के लोग जब बुजुर्ग के कमरे में गए तो घटना की जानकारी हुई। सूचना पर मौके से पहुंची सेक्टर 113 थाना पुलिस और फॉरेंसिक की टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि बुधवार की सुबह डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली कि सेक्टर-122 के डी ब्लॉक में कमरे में आग लगने की वजह से एक बुद्ध व्यक्ति की मौत हो गई है। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उन्होंने बताया कि मूल रूप से कोलकाता निवासी 70 वर्षीय विजल कुमार मित्रा अपने दो बेटों के साथ सेक्टर-122 के डी ब्लॉक में रहते थे। बुधवार की सुबह उनकी पत्नी जब उनके कमरे में पहुंची तो कमरे का कुछ सामान जला हुआ था और विपुल कुमार मित्रा बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़े हुए थे। थाना प्रभारी ने बताया कि विपुल काफ़ी समय से बीमार चल रहे थे। वह घर में बने सर्वेंट रूम में रह रहे थे। यह कमरा घर में बाहर की तरफ बना हुआ है। शुरुआती जांच में पता चला कि मंगलवार को दर रात को किसी वजह से कमरे में रूखे सामान में आग लग गई। जिसका धुआं पूरे कमरे में भर गया और दम घुटने से बुजुर्ग की रात को मौत हो गई। घटना के समय परिवार के अन्य लोग घर में सोए हुए थे। जब सुबह उनकी पत्नी कमरे में गई तो वहां पर नीचे रखा फर्नीचर के साथ ही अन्य सामान जल गया था।

दुकान से लाखों का पेंट चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

अलग-अलग कंपनियों के 44 डिब्बे पेंट बरामद, 24 घंटे में पुलिस ने किया गिरफ्तार

नोएडा, 7 फरवरी (देशबन्धु)। निठारी गांव स्थित शर्मा पेंट एंड हार्डवेयर की दुकान से लाखों रूपए के 44 डिब्बे पेंट समेत अन्य सामान चोरी करने वाले दो आरोपियों को सेक्टर-20 पुलिस ने महज 24 घंटे के अंदर दबोच लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी का सौ प्रतिशत माल बरामद हुआ है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल आंटी को भी सीज कर दिया है। आरोपियों की पहचान प्रयागराज निवासी अरविंद उर्फ सोनू मिश्रा और बिहार निवासी पिटू के रूप में हुई है। दोनों वर्तमान में नोएडा की अलग-अलग जगह पर किराये का कमरा लेकर रह रहे हैं। सेक्टर-20 थाना प्रभारी ने बताया कि मंगलवार रात को उपनिरीक्षक ने एक सूचना के आधार पर अरविंद उर्फ सोनू



और पिटू को गिरफ्तार कर लिया। दोनों की निशानदेही पर चोरी के 44 डिब्बे पेंट, आठ हथार की नगदी, तमचा और वारदात में इस्तेमाल हुआ आंटी बरामद हुआ है। आरोपियों को गिरफ्तारी सेक्टर 31 के पास से हुई है। बरामद सामान आरोपियों ने निठारी गांव स्थित शर्मा पेंट एंड हार्डवेयर की दुकान से पांच फरवरी को रात को चोरी किया था। इस घटना में प्रदीप कुमार, पुनीत, पांडित, आकाश आदि भी शामिल थे। फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। आरोपियों ने एक योजना के तहत शर्मा पेंट एंड हार्डवेयर की दुकान से चोरी की थी। गिरफ्तार आरोपियों में पिटू निठारी गांव में ही दुकान चलाता है। वह इन चोरों से चोरी का माल खरीदता है तथा उसे बाजार में बेचता है। 5 फरवरी को महावीर शर्मा ने पुलिस से शिकायत की थी कि उसकी दुकान से चोरों ने लाखों रूपये कीमत का पेंट का डिब्बा चोरी कर लिया है।

राष्ट्रवादी जनसत्तादल का सांसद व प्रशासनिक व्यवस्था पर हमला

गाजियाबाद, 7 फरवरी (देशबन्धु)। राष्ट्रवादी जनसत्तादल के चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रभारी व वरिष्ठ ईएनटी सर्जन डॉ. बीपी त्यागी ने सरकारी अस्पताल में मरीजों व तीमारदारों को पेयजल उपलब्ध नहीं होने पर जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक व्यवस्था पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि गाजियाबाद के सांसद व प्रशासनिक व्यवस्था के लिए यह बेहद शर्मनाक है। एक बयान में डॉ. त्यागी ने सांसद व केंद्रीय मंत्री वीके सिंह सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने तंज करते हुए कहा है कि अब दवाई, वैक्सिन, जांच छोड़िये, अगर पानी भी खरीद कर पीना है तो गाजियाबाद के सरकारी हॉस्पिटल में आपका स्वागत है। जीवन देने वाले अस्पताल में जल ना हो वासे सोच से परे है। बीपी त्यागी ने कहा है कि गाजियाबाद के सांसद हाईवेज, एयरपोर्ट, वन्देमातरम् ट्रेन जो की मोदी जी की मेहनत से बने हैं, उसकी तो बात करेंगे लेकिन पजब गाजियाबाद के अस्पताल से मरीज रोकें करने की बात की जाती है तो बोलते हैं है यह मुद्दा उनके प्रेस वार्ता के एजेंडे में नहीं है। हालात ये हो गये हैं की 03 दिन से मरीज एमएमजी अस्पताल में पानी खरीद कर पी रहे हैं। गाजियाबाद की चर्चा अस्पताल व एक मेडिकल कॉलेज देने वाले सांसद के सरकारी अस्पताल में लोग पानी खरीदेंगे लेकिन मान्यवर गाजियाबाद के हालात पर बात करने को तैयार नहीं है। अगर गाजियाबाद आपके प्रेस वार्ता के एजेंडे में नहीं है तो यह गाजियाबाद के चोटर्स के मुंह पर तमाचा है।

गाजियाबाद 311 ऐप पब्लिक के साथ-साथ विभागों के लिए भी होगा सुविधाजनक: विक्रमादित्य मालिक

टैक्स विभाग की टीम का कराया गया प्रशिक्षण



गाजियाबाद, 7 फरवरी (देशबन्धु)। नगर निगम मुख्यालय में गाजियाबाद 311 ऐप को लेकर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें विशेष तौर पर टैक्स विभाग की टीम को प्रशिक्षण दिया गया। उधर नगर आयुक्त विक्रमादित्य मालिक ने कहा कि गाजियाबाद 311 ऐप पब्लिक के साथ-साथ विभागों के लिए भी होगा सुविधाजनक होगा। विक्रमादित्य सिंह मालिक ने बताया कि गाजियाबाद 311 ऐप का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है बारी बारी समस्त विभागों से संबंधित जानकारी तथा मुख्य बिंदुओं को गाजियाबाद नगर निगम के अधिकारियों तथा टीम को बताया जा रहा है कि प्रकाश सम्मस्याओं का समाधान किया जाना है। प्रशिक्षण में टैक्स विभाग से संबंधित सभी बिंदुओं पर चर्चा हुई जिस प्रकार कार्य किया जाना है समझाया गया 'टैक्स जमा करना, टैक्स संबंधित नोटिस, टैक्स नाम परिवर्तन करना, नया टैक्स लगवाना, व अन्य संबंधित विषयों पर गाजियाबाद 311 के माध्यम से जानकारी दी गई, एप के माध्यम से अटेंडेंस की प्रक्रिया को भी समझाया गया।

मुंबई घूमने के लिए घर से बिना बताए 50 हजार रुपए लेकर निकल गई तीन किशोरियां

नोएडा, 7 फरवरी (देशबन्धु)। फिल्मों में माया नगरी की चमक देखकर तीन किशोरियां इस कदर प्रभावित हुई कि घर से 50 हजार रुपए चोरी कर मुंबई शहर का दौरा करने के लिए घर पर बिना बताए निकल गईं। इसमें दो सगी बहनें जबकि एक उनकी सहेली हैं। किशोरियों के परिजनों द्वारा काफी देर तक तलाश करने के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो उन्होंने इसकी शिकायत सेक्टर-58 पुलिस से की। किशोरियों की सकुशल बरामदगी के लिए दो टीमों गठित की गईं। रास्ते में किशोरियों ने मुंबई की जगह राजस्थान घूमने की योजना बनाई। राजस्थान से जब किशोरियां वृंदावन पहुंची तो सर्विलांस के जरिये पुलिस ने एक होटल से तीनों को बरामद कर लिया। किशोरियों को उम्र 15 से 17 साल के बीच है। सेक्टर-58 थाना प्रभारी ने बताया कि सोमवार को बिशनपुरा गांव निवासी एक व्यक्ति ने सूचना दी कि उनकी दोनों बेटियां अपनी एक सहेली के साथ घर पर बिना बताए कहीं चली गईं हैं। किशोरियों के साथ अनहोनी होने की आशंका जाहिर की गई। इसके बाद पुलिस की टीम ने किशोरियों के घर के आसपास की जब सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो तीनों एक साथ घर के बाहर से जाती हुई दिखाई दीं। एक अन्य फुटेज में किशोरियां परी चौक पर

- सर्विलांस की मदद से पुलिस ने तीनों को मथुरा के वृंदावन से किया सकुशल बरामद
- नोएडा से गुजरते हुए मुंबई घूमने के बाद मथुरा पहुंची थी किशोरियां

आंटों में बैठे हुई दिखीं। पुलिस ने आंटों के नंबर के आधार पर चालक को तलाश जिसके कई अहम जानकारी पुलिस को दी। एक किशोरी के पास मोबाइल था पर उसने घर से निकलने के बाद सिम चेंज कर दिया। ईएमआई रन करने के बाद किशोरियों की लोकेशन जयपुर मिली। टीम जयपुर के लिए निकल गई। इसी दौरान किशोरी का मोबाइल बंद हो गया और कुछ घंटे के अंतराल के बाद उसमें दूसरा सिम डाल दिया गया। जयपुर से किशोरियां जोधपुर पहुंचीं। वहां से तीनों जब वृंदावन स्थित एक होटल में पहुंची तो उन्हें पुलिस की टीम ने बरामद कर लिया। किशोरियों का पुलिस चिकित्सकीय परीक्षण करवा रही है। पुलिस का दावा है किशोरियों ने अपने साथ किसी प्रकार की अनहोनी की आशंका से इनकार किया है। किशोरियों के लौटने के बाद परिजनों ने पुलिस का आभार प्रकट किया है। इस दौरान किशोरियों ने ट्रेन, बस और आंटों से सफर किया।

आज दिल्ली कूच करेंगे नोएडा के तीन किसानों के संगठन

नोएडा, 7 फरवरी (देशबन्धु)। गांवों को लेकर करीब 60 दिन से धरने पर बैठे किसान आज दिल्ली कूच करेंगे। वर्तमान में नोएडा और ग्रेटरनोएडा में अंसल बिल्डर के खिलाफ धरना दे रहे जय जवान जय किसान संगठन के किसान, ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण के खिलाफ अखिल भारतीय किसान सभा, एनटीपीसी और नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ भारतीय किसान परिषद के तत्वधान में धरना जारी है।



दोपहर करीब 1 बजे महामया पलाईओवर के नीचे हंगे एकत्रित

से पूजा जाएगा कि किसान तो रोड पर बैठे हुए हैं और चिल्ला बॉर्डर से दिल्ली में प्रवेश करेंगे। इसके बाद दिल्ली की ओर जाएंगे। भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने कहा कि यदि किसी ने किसानों को खीनने का प्रयास किया तो चिल्ला बॉर्डर पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। यहां भी धरना शुरू किया जाएगा। खलीफा ने कहा कि हज़ारों की संख्या में मातृशक्ति, युवा, बुजुर्ग धरने में उपस्थित रहेंगे और संसद भवन में बैठे नीति कारों

वर्णित प्रावधान के मुताबिक 16 गांव को 19 अधिसूचनाएं को एक किसान को और से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। इस चुनौती पर उच्च न्यायालय ने किसानों को 64.70 प्रतिशत की दर से मुआवजा और 10 प्रतिशत आबादी भूखंड देने का आदेश 21 अक्टूबर 2011 को दिया गया। इस आदेश में ऐसे किसान जिनको याचिका खारिज कर दी गई या जो न्यायालय नहीं गए उनका निर्णय प्राधिकरण को लेने का निर्देश दिया गया। न्यायालय के आदेश के बाद प्राधिकरण ने 191वीं बोर्ड बैठक में निर्णय लिया कि 10 प्रतिशत विकसित आबादी भूखंड (जिन्हें पूर्व में 5 प्रतिशत विकसित आबादी भूखंड मिल चुका है उन्हें अतिरिक्त 5 प्रतिशत भूखंड) या इसके क्षेत्रफल के समतुल्य मुआवजा सिर्फ उन्हीं किसानों को दिया जाएगा जो उच्च न्यायालय के आदेश 21 अक्टूबर 2011 में शामिल हुए थे प्राधिकरण ने माना कि ऐसे किसान जिन्होंने न्यायालय में अधिसूचना को चुनौती दी लेकिन उनकी याचिका को निरस्त कर दिया गया और ऐसे किसान जिन्होंने अधिसूचना को चुनौती ही नहीं दी। वे पात्र नहीं हैं।

इन गांवों पर हुआ था समझौता

- 1997 के बाद के सभी किसानों को बड़ी दर से मुआवजा दिया जाए। चाहे वह कोर्ट गए हो या नहीं
- किसानों को 10 प्रतिशत विकसित भूखंड दिया जाए।
- आबादी जैसी है वैसी छोड़ी जाए।
- बिनिायमितीकरण को 450 वर्गमीटर सीमा को बढ़ाकर 1000 प्रति वर्गमीटर किया जाए।
- भूमि उपलब्धता न होने के कारण पात्र किसानों के 5 प्रतिशत आबादी भूखंड भू लेख विभाग में नहीं रोके जाएंगे। उनका नियोजन किया जाए।
- भवनों की ऊंचाई को बढ़ाए जाने की अनुमति दी जाए। क्योंकि गांवों के आसपास काफी हाइराइज इमारत हैं। ऐसे में उनका परिया तो लेंथिंग परिया में आ गया है।
- प्रतिशत विकसित भूखंड पर व्यावसायिक गतिविधियां चलने की अनुमति दी जाए।
- गांवों के विकास के साथ खेल बजट का प्रावधान किया जाए।
- गांवों में पुस्तकालय बनाए जाए।

नगर निगम ने हटाए रूफटॉप तथा अवैध विज्ञापन



गाजियाबाद, 7 फरवरी (देशबन्धु)। नगर निगम ने बुधवार को अभियान चलाकर रूफटॉप व अवैध विज्ञापन हटाए। विज्ञापन प्रभारी पल्लवी सिंह ने बताया कि अवैध विज्ञापन के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। जिसमें रूफटॉप में लगाने वालों को पूर्व में नोटिस भी जारी किए जा चुके हैं। 40 नोटिस जारी किए गए तथा खुद से हटाने का समय भी दिया गया किंतु जिनके द्वारा रूफटॉप नहीं हटाए गए हैं।



नई दिल्ली, गुरुवार 8 फरवरी 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. माटाराम सुरजन

लद्दाखी नाराज, चाहिए पूर्ण राज्य का दर्जा

पूर्ण राज्य का दर्जा देने तथा लोकसभा की सीटें बढ़ाने की मांग को लेकर मंगलवार को सड़कों पर हजारों की संख्या में उतरे लद्दाखी निवासियों ने साबित कर दिया है कि 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर में लागू अनुच्छेद 370 को हटाना भारत सरकार की बड़ी भूल थी और उसके कारण जम्मू-कश्मीर व लद्दाख तीनों हिस्सों के नागरिक नाराज हैं। इसका कारण यह है कि जो सब्ज बाग दिखाये गये थे, वे तो पूरे हुए ही नहीं, उल्टे सभी इलाकों में दुश्वारियां बढ़ी हैं। विशेषकर कश्मीर तथा लद्दाख के लोग उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। केन्द्र सरकार को चाहिए कि लद्दाखियों की बात सुने एवं अनुकूल फैसला करे। जैसी कि मांग हो रही है इस क्षेत्र के साथ तीनों को पहले जैसा पूर्ण राज्य का दर्जा दे।

उल्लेखनीय है कि जब अनुच्छेद 370 को हटाया गया था, तो पूरे राज्य को दो केन्द्र शासित राज्य में बांट दिया गया है। लद्दाख को भी एक केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। शून्य से नीचे के तापमान वाले इस प्रदेश में हुए प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। इसका नेतृत्व एपेक्स बांडी ऑफ लद्दाख एवं कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस ने संयुक्त रूप से किया। उनकी मांगों इस प्रकार हैं- लद्दाख को पूर्ण राज्य बनाना, वहां संविधान की छठी अनुसूची को लागू करना, इस अनुसूची के अंतर्गत जनजातीय क्षेत्रों में स्वायत्त जिले बनाने का प्रावधान करना। चूंकि लद्दाख में कई तरह की जनजातियां रहती हैं, यह मांग पहले भी कई बार उठती रही है। दरअसल यह मोर्चा निकालकर पूर्ण राज्य की मांग करना नौकरशाहों के अंतहीन शासन से मुक्ति पाने का प्रयास है। हालांकि केन्द्र सरकार ने पहले घोषणा की थी कि लेह अपेक्स बांडी एवं कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस के साथ दूसरे चरण की बातचीत की जायेगी परन्तु सम्भवतः लद्दाखवासियों का विश्वास केन्द्र सरकार पर से उठता जा रहा है तथा उनमें नौकरशाहों के नियंत्रण से मुक्ति पाने की व्यग्रता है जिसके चलते उस बातचीत के पहले ही यह विशाल प्रदर्शन आयोजित किया गया।

इसे लेकर लद्दाख के प्रसिद्ध पर्यावरणवादी एवं लोक शिक्षक सोनम वांगचुक ने कहा है कि यह लद्दाख में लोकतंत्र की बहाली के लिये अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन है। याद हो कि वांगचुक ने पिछले वर्ष के इसी महीने में लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर अनशन भी किया था। उनका दावा था कि केन्द्र शासित प्रदेश में ऐसी मांग करने की भी स्वतंत्रता नहीं रह गयी है।

लद्दाख की जो मांग व स्थिति है, प्रकारान्तर से वही कश्मीर एवं जम्मू की भी है। तीनों ही प्रांतों के लोग अलग-अलग मौकों पर तथा भिन्न-भिन्न तरीकों से अनुच्छेद 370 को हटाने का विरोध कर चुके हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी की हिन्दुवादी विचारधारा इसके आड़े आती रही है। मुस्लिम बहुल होने के कारण कश्मीर भाजपा व उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आंखों की किरकिरी बना हुआ है। इतिहास के अधकचरे ज्ञान, मुस्लिमों के प्रति नफरत तथा विभाजनकारी सोच के चलते अनुच्छेद हटाय़ा गया था। इसके साथ ही प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू तथा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को कोसने का वह साधन मात्र रहा। आतंकवाद के उन्मूलन के नाम पर इसके जरिये भाजपा-संघ द्वारा ध्रुवीकरण वैसा ही बढ़ाया गया जैसा और कई प्रकार के मुद्दों के जरिये किया जाता है।

अनुच्छेद 370 के हटाय़े जाने के 5 वर्षों के बाद आज परिस्थितियां देखें तो पहले से भी बदतर हैं। वहां लम्बे समय तक लोगों को एक तरह से घर्षों में ही केद करके रखा गया था। कई-कई दिनों तक इंटरनेट और केंद्र सरकार के अन्य माध्यम ठप कर दिये गये जिससे वहां की खबरों बाहर तक न आ पाये। वहां नौकरशाहों के जरिये प्रशासन संचालित होता है जिसके कारण नागरिकों की आजादी सीमित हो गयी है। हालांकि केन्द्र सरकार व स्थानीय प्रशासन वहां स्थिति सामान्य होने के दावे करते हैं लेकिन सच्चाई कुछ और ही है। विशेषकर कश्मीर में चुनाव कराने की स्थिति में केन्द्र सरकार नज़र नहीं आती। लोगों को उम्मीद थी कि 2023 के अंत तक सरकार चुनाव कराएगी ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बहाल किया जा सके। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस वर्ष के सितम्बर तक चुनाव कराने के लिये केन्द्र को निर्देश दिये हैं। देखना यह होगा कि ऐसा होता है या नहीं।

कश्मीर के साथ जिस तरह से जम्मू व लद्दाख को भी एक अदृशदर्शिता पूर्ण निर्णय में लपेटा गया है, वह सचमुच दुर्भाग्यजनक है। जिस समय यह कदम उठाया गया था, उस वक्त इसके पक्ष में हवा बांधने की कोशिश की गयी थीं। जिस तरह से वहां आतंकवाद खत्म होने, शांति बहाली तथा रोजगार आदि बढ़ने के बड़े-बड़े दावे किये गये थे, वैसा कुछ होता नज़र नहीं आ रहा है। उल्टे, वहां के लोगों को एक तरह से मुख्य भूमि से अलग-थलग होने का भाव ही सघन हुआ है। जीवन की व्यवहारिक दिक्कतें इस राज्य के तीनों ही हिस्सों में एक सी दिखाई देती हैं। आतंकवाद का सफ़ाया लोगों को बाढ़ेन्द्री से नहीं हो सकता और न ही कथित सम्सयाग्रस्त कश्मीर में शांति बहाली के प्रयास अन्य दो राज्यों की दुश्वारियां बढ़ाकर किये जाने उचित है।

यह माकूल समय है कि केन्द्र न केवल लद्दाख की मांग को लेकर सहानुभूतिपूर्वक विचार करे बल्कि कश्मीर तथा जम्मू के लोगों से लोकतंत्र बहाली की वार्ताएं करे। सरकार क्या चाहती है, यह महत्वपूर्ण नहीं है- देखा यह होगा कि वहां के लोग क्या चाहते हैं। किस तरह के संवैधानिक ढांचे में वे खुश हैं। लोकतंत्र में व्यवस्था थोपनी नहीं वरन जनता के अनुकूल बनाई जानी चाहिये।

जब-जब ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने विरोधियों और राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों के लिए इससे निकृष्टतम बयान नहीं दे सकते, इससे ज्यादा बड़ा झुठ नहीं बोल सकते, तब-तब इस धारणा को झुठलते हुए श्री मोदी निकृष्टता का नया पैमाना स्थापित कर देते हैं। आम तौर पर राजनैतिक प्रतिद्वंद्वी उन्हें ही माना जाता है, जिनके सामने आपको चुनाव लड़ना होता है, या पद के लिए मुकाबला करना होता है। जैसे मौजूदा वक्त में इंडिया गठबंधन के नेताओं जैसे शरद पवार, लालू प्रसाद, मल्लिकार्जुन खड़गे, सीताराम येचुरी, डी राजा, उद्धव ठाकरे, ममता बनर्जी, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, एम के स्टालिन, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन आदि को श्री मोदी अपना प्रतिद्वंद्वी मान सकते हैं, हालांकि इनमें प्रधानमंत्री पद के लिए किसका नाम आगे बढ़ेगा, यह कोई नहीं जानता। मगर नरेन्द्र मोदी इन सबको समेतित तौर पर अपना राजनैतिक प्रतिद्वंद्वी मानते हैं, जिसमें कई बार स्पष्टता से अधिक शत्रुता का भाव झलक जाता है। यह भाव केवल यहीं तक सीमित नहीं रहता। श्री मोदी के लिए सोनिया गांधी और डा.मनमोहन सिंह भी राजनैतिक शत्रु ही हैं। हालांकि सोनिया गांधी दो बार प्रधानमंत्री बनने के मौके को ठुकरा चुकी हैं और डा.मनमोहन सिंह भी राजनैतिक तौर पर सक्रिय नहीं हैं। लेकिन इनके दस बरसों के शासन का खौफ ही नरेन्द्र मोदी की शत्रुता की भावना को पोषित करने के लिए पर्याप्त है। इसलिए सोनिया गांधी के लिए वे कांग्रेस की धोड़ी गुंजाइश बने। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने शत्रुता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हमले लोकतंत्र में विरोध और शत्रुता की नयी व्याख्या कर रहे हैं। उन्हे हमले में श्री मोदी धड़ले से अर्द्धसत्य का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो देश के लिए किसी महामारी के समान घातक साबित हो रहा है। क्योंकि भाजपा का सोशल मीडिया प्रभाग, उसके नेता और उनके साथ मीडिया का बड़ा तबका इस अर्द्धसत्य को बढ़ावा दे रहे हैं।

संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार गांधी परिवार को निशाने पर लेने के लिए व्यक्तितगत हमला करते हुए पूछा था कि नेहरू सरनेम रखने में शामिलियों क्यों होती हैं। संसद में देश के प्रधानमंत्री ने बेरोजगारी, महंगाई, महिला असुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य की बिगड़ती स्थिति, सीमाओं की रक्षा, कृषि की समस्याओं इन तमाम जरूरी मुद्दों पर सवाल-जवाब की जगह एक ओछी मानसिकता के सवाल को उछाला, लेकिन सभ्य समाज ने उस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और कांग्रेस के चंद नेताओं पर गांधी परिवार की ओर से जवाब देने का जिम्मा छोड़ दिया। निम्नता का जो स्तर देश के

प्रधानमंत्री ने दिखाया, समाज ने भी उसकी बराबरी करते हुए अपनी कृतघ्नता उस परिवार के लिए जतला दी, जिसके सदस्यों ने देश के लिए अपने प्राण दे दिए, अपनी संपत्ति दे दी और अपने जीवन के अनमोल वर्ष अंग्रेजी हुकूमत का विरोध करते हुए जेल में गुजार दिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा ने परिवारवाद का मुद्दा खड़ा करके केवल गांधी परिवार को निशाने पर लेने का जो खेल रचा था, समाज खुशी-खुशी उसका मोहरा बन गया और इस देश के लिए नेहरू-गांधी परिवार के लोगों के योगदान को भूल गया। लोगों ने यह देख कर भी आंखें मूंद लीं कि भाजपा में भी यह परिवारवाद बखूबी फल-फूल रहा है। परिवारवाद का अर्द्धसत्य समाज ने कभी समझने की कोशिश नहीं की। इस तरह के और बहुत से आधे सच भाजपा ने फैलाए हैं। राहुल गांधी का आलू से सोना निकालने वाला बयान, आतंकी कसाब को जेल में बिरयानी, बाटला हाउस मुठभेड़

अर्द्धसत्य का खेल और लोकतंत्र पर खतरा

के बाद सोनिया गांधी का रोना, नेहरूजी के कपड़े पेरिस में धुलने भेजना, सरदार पटेल के परिवार के साथ अन्याय करना या कश्मीर फाइलिंग और द केरला स्टोरी जैसी फिल्में, ऐसे कई सफेद झूठ अर्द्धसत्य का चोगा पहनाकर फैलाए गए, जिनका एक ही मकसद था कि किसी तरह गांधी परिवार और कांग्रेस के शासन को देश के लिए श्राप की तरह साबित किया जा सके। दरअसल संघ और भाजपा ने भारत को जिस संकीर्ण सोच वाले हिंदू राष्ट्र में तब्दील करने का खेल रचा है, उसमें नेहरू-गांधी परिवार की उदार, लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष सोच ही सबसे ज्यादा बाधक नजर आती है। भाजपा इस सोच का मुकाबला नहीं कर पा रही, इसलिए श्री मोदी ने

अपनी शत्रुता जाहिर कर दी। श्री मोदी ने जब नेहरूजी का भाषण निकाला होगा, तो उनके सामने पूरा भाषण आया होगा, जिसमें इन्हीं पंक्तियों के बाद नेहरूजी ने यह भी कहा है कि 'यह न समझिए कि वह वक्तों को जौड़ से खुशहाल हो गई, मेहनत से हुई है और अक्ल से हुई है। तो हम भी मेहनत और अक्ल से आगे बढ़ सकते हैं, कोई और चारा नहीं है। हम कोई जौड़ से नहीं बढ़ सकते, क्योंकि दुनिया इंसान के काम से चलती है और इंसान की मेहनत से सारी दुनिया की दौलत पैदा होती है। चाहे जमीन पर किसान काम करता है, या कारखाने में, या दुकान में या कारीगर, उससे काम चलता है। कुछ बड़े अफसर दफ्तरों में बैठ के इंतजाम करते हैं, वह दौलत नहीं पैदा करते हैं। दौलत पैदा करता है किसान अपनी मेहनत से, या कारीगर। तो हमें अपने काम, अपनी मेहनत को आगे बढ़ाना है।'

साफ तौर पर नेहरूजी भारतीयों को अपनी मेधा और मेहनत से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे थे। देश को भूलना नहीं चाहिए कि नेहरूजी ने ही आयाम हायम है का नारा भी दिया था। आजादी तो देश को मिल चुकी थी, लेकिन गुलामी के दौर में अशिक्षा, कुपोषण, बीमारियों, रूढ़िवादी प्रथाओं, विज्ञान, कृषि और उद्योग में पिछड़ेपन के जो निशान गहरे बन चुके थे, उन्हें मिटाने के लिए पहले से ज्यादा मेहनत की दरकार थी और नेहरूजी इसी ओर देश का ध्यान दिला रहे थे। नेहरूजी के लिए विकास आज की सरकार को तालक चलता है। कुछ बड़े अफसर दफ्तरों में बैठ के इंतजाम करते हैं, वह दौलत नहीं पैदा करते हैं। देश के सामने रखकर गुमराह करने का काम कर रहे हैं। ये कोई मामूल गलती नहीं है, सोची-समझी साजिश है। अब देख खुद सोचें कि वह ऐसी साजिश का शिकार बना चाहता है या सच की पूरी पड़ताल कर अपने विवेक से फैसला लेना चाहता है।

पलवीन शाकिर ने कहा है- मैं सच कहूंगी मगर फिर भी हार जाऊंगी, जो झूठ बोलेंगा और ला-जवाब करेगा। लेकिन अबकी हम किसी के झूट पर ला-जवाब हुए तो फिर शायद ही कभी मुंह खोल पाएं।

देश के लोगों की सोच को एक बार फिर नेहरू के खिलाफ करने की कोशिश की है। इस बार उन्होंने संसद में बताया कि नेहरूजी भारतीयों के लिए अच्छे विचार नहीं रखते थे, उन्हें आलसी और कम अक्स वाला समझते थे। सोमवार 5 जनवरी को लोकसभा में अपने भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने पं. नेहरू के 1959 में लालकिले से दिए गए 15 अगस्त के भाषण के कुछ अंश सुनाए, जिसमें पं.नेहरू ने कहा था कि 'आमतौर पर भारतीयों को बहुत कड़ी मेहनत करने की आदत नहीं होती है, हम यूरोप या जापान या चीन या रूस या अमेरिका के लोगों जितना काम नहीं करते हैं।' पं.नेहरू के लगभग 40 मिनट के भाषण की चार-छह पंक्तियां पढ़कर संसद में मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि- 'इसका मतलब है कि नेहरू जी सोचते थे कि भारतीय आलसी और कम बुद्धिमान हैं।' इस तरह एक और अर्द्धसत्य के साथ श्री मोदी ने नेहरूजी के साथ

मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी से चंडीगढ़ में भाजपा की चुनावी धांधली बेनकाब

चंडीगढ़ के मेयर चुनाव में जिस तरह की चुनावी धांधली हुई वह बीमारी थी या भाजपा के नेतृत्व में एक कुटिल व्यवस्था के खेल का लक्षण ? देश की शीर्ष अदालत ने कहा है - भारतीय जनता पार्टी के मनोज सोनकर को 'जीत' और आम आदमी पार्टी के कुलदीप कुमार को हार सुनिश्चित करने के लिए एक पक्षपातपूर्ण पीठासीन अधिकारी द्वारा केंद्र शासित प्रदेश में पिछले सप्ताह के मेयर चुनाव में खुलेआम छेड़छाड़ की गयी थी। सोनकर चार वोटों से जीते। कुलदीप कुमार फूट-फूट कर रोने लगे। आम आदमी पार्टी (आप) के आठ वोटों को कथित तौर पर 'बिना कारण अमान्य' घोषित कर दिया गया था, और तब से विवाद बढ़ गया है और भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव को 'लोकतंत्र की हत्या' करार दिया है, ऐसे में बेगुनाही साबित करने की जिम्मेदारी भाजपा पर है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने हस्तक्षेप किया है और उपाय का आदेश दिया है। उसने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय से चुनाव से संबंधित सभ सामग्री हासिल कर अपने कब्जे में रखने को कहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि छेड़ छछाड़ और उसके बाद हुए विवाद ने भाजपा के शीर्ष नेताओं समेत चुनाव से जुड़े हर व्यक्ति पर अपनी अमित छाप छोड़ी है।

सुशील कट्टी

आप ने आरोप लगाया कि मसीह ने आठ वोटों को अमान्य कर दिया, जिससे आप उम्मीदवार के पक्ष में डाले गये मतों की संख्या कम हो गयी और भाजपा को जीत मिल गयी। आप और कांग्रेस दोनों ने मसीह पर कड़ा प्रहार किया, लेकिन भाजपा ने उनकी ओर से मोर्चा संभाल लिया और आप के आरोपों को खारिज कर दिया।

क्या भाजपा संदिग्ध चुनाव अधिकारी के साथ मिली हुई थी ? चंडीगढ़ मेयर चुनाव में जीत का अपना महत्व है। आप की जीत इंडिया गठबंधन के लिए भी पहली जीत होती। इंडिया गुट को बहुत जरूरी बढ़ावा मिला होता और विपक्षी एकता मजबूत हुई होती। इस धारणा को भी सीधा झटका लगा होता कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया नहीं जा सकता।

इसके अलावा, सीट-बंटवारे का पूरा प्रश्न प्रबंधनीय अनुपात में आसान हो गया होगा। इंडिया गठबंधन के साझेदारों के बीच 'भेड़े झगड़े', जैसे कि

दिया है। उसने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय से चुनाव से संबंधित सभ सामग्री हासिल कर अपने कब्जे में रखने को कहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि छेड़ छछाड़ और उसके बाद हुए विवाद ने भाजपा के शीर्ष नेताओं समेत चुनाव से जुड़े हर व्यक्ति पर अपनी अमित छाप छोड़ी है।

क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जो बाद में संसद में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से भाजपा द्वारा निर्धारित उच्च मानकों के बारे में बात करेंगे, को कैमरे में कैद हुए पीठासीन अधिकारी के कथित पक्षपातपूर्ण कार्यों पर से सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पत्र उठाये जाने की जानकारी थी ? क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उस वीडियो की जानकारी थी जिसमें भाजपा के अल्पसंख्यक सेल के पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह आप पार्षदों के मतपत्रों के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं ?

मसीह को कार्य करते हुए दिखाने वाले वीडियो को सभी और विविध लोगों ने कड़ी आलोचना की, यहां तक कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भी मसीह के पूर्ण समर्पण पर ध्यान दिया, जो ऐसा लग रहा था कि भाजपा की साजिश गलती से पकड़ ली गयी है ? विपक्षी इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया कि आप पार्षदों के मतपत्रों पर 'लिखकर' मसीह ने भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए जानबूझकर आप वोटों को अमान्य कर दिया, एक ऐसा तथ्य जो सर्वोच्च न्यायालय की निगाह से नहीं बच सका।

'उसने मतपत्रों को विरूपित कर दिया। वीडियो में यह स्पष्ट रूप से दिखायी दे रहा है... वह कैमरे की ओर देख रहे हैं और मतपत्र को खराब कर रहे हैं... क्या वह इसी तरह से चुनाव करते हैं ? यह लोकतंत्र का मजाक है। यह एक हत्या है। लोकतंत्र का। इस आदमी पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए', सर्वोच्च न्यायालय ने कहा। 'लोकतंत्र की हत्या नहीं होने देंगे।'

सबसे ज्यादा नाराज हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश दीवाई चंद्रचूड़। उल्लेखनीय है कि पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पहले आम आदमी पार्टी को राहत देने से इनकार कर दिया था, जिसमें आरोप लगाया था कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव पीठासीन अधिकारी मसीह के दिमाग में आखिरी चीज थी। वीडियो में मसीह को मतपत्रों का एक गुच्छा लेकर किसी की ओर इशारा करते हुए और फिर उन पर अपने हस्ताक्षर जोड़ने से पहले कुछ मतपत्रों पर कुछ लिखते हुए दिखाया गया है।

आप ने आरोप लगाया कि मसीह ने आठ वोटों को अमान्य कर दिया, जिससे आप उम्मीदवार के पक्ष में डाले गये मतों की संख्या कम हो गयी और भाजपा को जीत मिल गयी। आप और कांग्रेस दोनों ने मसीह पर कड़ा प्रहार किया, लेकिन भाजपा ने उनकी ओर से मोर्चा संभाल लिया और आप के आरोपों को खारिज कर दिया। क्या भाजपा संदिग्ध चुनाव अधिकारी के साथ मिली हुई थी ?

क्या भाजपा संदिग्ध चुनाव अधिकारी के साथ मिली हुई थी ? चंडीगढ़ मेयर चुनाव में जीत का अपना महत्व है। आप की जीत इंडिया गठबंधन के लिए भी पहली जीत होती। इंडिया गुट को बहुत जरूरी बढ़ावा मिला होता और विपक्षी एकता मजबूत हुई होती। इस धारणा को भी सीधा झटका लगा होता कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया नहीं जा सकता। इसके अलावा, सीट-बंटवारे का पूरा प्रश्न प्रबंधनीय अनुपात में आसान हो गया होगा। इंडिया गठबंधन के साझेदारों के बीच 'भेड़े झगड़े', जैसे कि तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के बीच और समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच, का उचित समाधान का मौका होता।

तथ्य यह है कि आप के मेयर पद के उम्मीदवार भारी हार के बाद सार्वजनिक रूप से रो पड़े, यह एक बड़ा भावनात्मक आकर्षण था, जिसका नुकसान किसी को नहीं हुआ। मेयर का चुनाव लड़ने के लिए आप और कांग्रेस के बीच सीट-बंटवारे का समझौता हुआ था और कांग्रेस दो उप मेयर के पदों के लिए चुनाव लड़ रही थी। समझौता यह था कि आप और कांग्रेस के पार्षद एक-दूसरे को वोट देंगे - चुनाव में अधिकतम 20 वोट इन्हें पड़े। इससे भाजपा उम्मीदवार का सफाया होता। परन्तु इंडिया गठबंधन को पड़े 8 मत रह करने से भाजपा जीत गयी।

उत्थ यद्द है कि आप के मेयर पद के उम्मीदवार भारी हार के बाद सार्वजनिक रूप से रो पड़े, यह एक बड़ा भावनात्मक आकर्षण था, जिसका नुकसान किसी को नहीं हुआ। मेयर का चुनाव लड़ने के लिए आप और कांग्रेस के बीच सीट-बंटवारे का समझौता हुआ था और कांग्रेस दो उप मेयर के पदों के लिए चुनाव लड़ रही थी। समझौता यह था कि आप और कांग्रेस के पार्षद एक-दूसरे को वोट देंगे - चुनाव में अधिकतम 20 वोट इन्हें पड़े। इससे भाजपा उम्मीदवार का सफाया होता। परन्तु इंडिया गठबंधन को पड़े 8 मत रह करने से भाजपा जीत गयी।

उत्थ यद्द है कि आप के मेयर पद के उम्मीदवार भारी हार के बाद सार्वजनिक रूप से रो पड़े, यह एक बड़ा भावनात्मक आकर्षण था, जिसका नुकसान किसी को नहीं हुआ। मेयर का चुनाव लड़ने के लिए आप और कांग्रेस के बीच सीट-बंटवारे का समझौता हुआ था और कांग्रेस दो उप मेयर के पदों के लिए चुनाव लड़ रही थी। समझौता यह था कि आप और कांग्रेस के पार्षद एक-दूसरे को वोट देंगे - चुनाव में अधिकतम 20 वोट इन्हें पड़े। इससे भाजपा उम्मीदवार का सफाया होता। परन्तु इंडिया गठबंधन को पड़े 8 मत रह करने से भाजपा जीत गयी।

आपके पत्र

अतैवध पटाखा फैक्ट्री का संचालन ही बड़ी भूल

हृदय की अवैध पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से लोग मौत की घमास में सो गए। सैकड़ों अभाग्य घायल हुए। भीषण धमाके में अनेक लोगों की जिंदगी लील गई। मजदूरों को कहा पता था कि आज हमारा आखिरी दिन है। क्षत-विक्षत शवों को देखकर कर दिल पतलिया जाता है। किसी का हाथ दूर पाड़ मिला तो किसी के धड़ से सिर अलग आया मिला। खेतों में खन के टुकड़े देखने पर कमजोर दिल वाले अवश्य घबरा गए होंगे। इसको मानव सृजित घटना इसलिए नहीं कह सकते क्योंकि किसी ने आग लगाई नहीं है। यह लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। आग भीषण होने के कारण मलबा उड़कर लोगों पर गिरा था। आग इतनी भयंकर थी कि विस्फोट की आवाज चालीस किमी दूक तक सुनाई दी। फैक्ट्री मालिक राजेश अग्रवाल को इस फैक्ट्री को सौल कर दिया था परंतु कोर्ट से ऑर्डर लेकर फिर से ताला खुलवाया गया था। निर्दोष लोगों के शव को रौंदते हुए फैक्ट्री मालिक नौ दो ग्यारह हो गया। लेकिन उनकी चोख, उनकी पुकार शवों में ही दब गई। हृदसे के बाद प्रशासन मुस्तेदी से काम कर रहा है। हर

आप ने आरोप लगाया कि मसीह ने आठ वोटों को अमान्य कर दिया, जिससे आप उम्मीदवार के पक्ष में डाले गये मतों की संख्या कम हो गयी और भाजपा को जीत मिल गयी। आप और कांग्रेस दोनों ने मसीह पर कड़ा प्रहार किया, लेकिन भाजपा ने उनकी ओर से मोर्चा संभाल लिया और आप के आरोपों को खारिज कर दिया।

क्या भाजपा संदिग्ध चुनाव अधिकारी के साथ मिली हुई थी ? चंडीगढ़ मेयर चुनाव में जीत का अपना महत्व है। आप की जीत इंडिया गठबंधन के लिए भी पहली जीत होती। इंडिया गुट को बहुत जरूरी बढ़ावा मिला होता और विपक्षी एकता मजबूत हुई होती। इस धारणा को भी सीधा झटका लगा होता कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया नहीं जा सकता। इसके अलावा, सीट-बंटवारे का पूरा प्रश्न प्रबंधनीय अनुपात में आसान हो गया होगा। इंडिया गठबंधन के साझेदारों के बीच 'भेड़े झगड़े', जैसे कि तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के बीच और समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच, का उचित समाधान का मौका होता।

तथ्य यह है कि आप के मेयर पद के उम्मीदवार भारी हार के बाद सार्वजनिक रूप से रो पड़े, यह एक बड़ा भावनात्मक आकर्षण था, जिसका नुकसान किसी को नहीं हुआ। मेयर का चुनाव लड़ने के लिए आप और कांग्रेस के बीच सीट-बंटवारे का समझौता हुआ था और कांग्रेस दो उप मेयर के पदों के लिए चुनाव लड़ रही थी। समझौता यह था कि आप और कांग्रेस के पार्षद एक-दूसरे को वोट देंगे - चुनाव में अधिकतम 20 वोट इन्हें पड़े। इससे भाजपा उम्मीदवार का सफाया होता। परन्तु इंडिया गठबंधन को पड़े 8 मत रह करने से भाजपा जीत गयी।

उत्थ यद्द है कि आप के मेयर पद के उम्मीदवार भारी हार के बाद सार्वजनिक रूप से रो पड़े, यह एक बड़ा भावनात्मक आकर्षण था, जिसका नुकसान किसी को नहीं हुआ। मेयर का चुनाव लड़ने के लिए आप और कांग्रेस के बीच सीट-बंटवारे का समझौता हुआ था और कांग्रेस दो उप मेयर के पदों के लिए चुनाव लड़ रही थी। समझौता यह था कि आप और कांग्रेस के पार्षद एक-दूसरे को वोट देंगे - चुनाव में अधिकतम 20 वोट इन्हें पड़े। इससे भाजपा उम्मीदवार का सफाया होता। परन्तु इंडिया गठबंधन को पड़े 8 मत रह करने से भाजपा जीत गयी।

उत्थ यद्द है कि आप के मेयर पद के उम्मीदवार भारी हार के बाद सार्वजनिक रूप से रो पड़े, यह एक बड़ा भावनात्मक आकर्षण था, जिसका नुकसान किसी को नहीं हुआ। मेयर का चुनाव लड़ने के लिए आप और कांग्रेस के बीच सीट-बंटवारे का समझौता हुआ था और कांग्रेस दो उप मेयर के पदों के लिए चुनाव लड़ रही थी। समझौता यह था कि आप और कांग्रेस के पार्षद एक-दूसरे को वोट देंगे - चुनाव में अधिकतम 20 वोट इन्हें पड़े। इससे भाजपा उम्मीदवार का सफाया होता। परन्तु इंडिया गठबंधन को पड़े 8 मत रह करने से भाजपा जीत गयी।

आपके पत्र

अतैवध पटाखा फैक्ट्री का संचालन ही बड़ी भूल

हृदय की अवैध पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से लोग मौत की घमास में सो गए। सैकड़ों अभाग्य घायल हुए। भीषण धमाके में अनेक लोगों की जिंदगी लील गई। मजदूरों को कहा पता था कि आज हमारा आखिरी दिन है। क्षत-विक्षत शवों को देखकर कर दिल पतलिया जाता है। किसी का हाथ दूर पाड़ मिला तो किसी के धड़ से सिर अलग आया मिला। खेतों में खन के टुकड़े देखने पर कमजोर दिल वाले अवश्य घबरा गए होंगे। इसको मानव सृजित घटना इसलिए नहीं कह सकते क्योंकि किसी ने आग लगाई नहीं है। यह लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। आग भीषण होने के कारण मलबा उड़कर लोगों पर गिरा था। आग इतनी भयंकर थी कि विस्फोट की आवाज चालीस किमी दूक तक सुनाई दी। फैक्ट्री मालिक राजेश अग्रवाल को इस फैक्ट्री को सौल कर दिया था परंतु कोर्ट से ऑर्डर लेकर फिर से ताला खुलवाया गया था। निर्दोष लोगों के शव को रौंदते हुए फैक्ट्री मालिक नौ दो ग्यारह हो गया। लेकिन उनकी चोख, उनकी पुकार शवों में ही दब गई। हृदसे के बाद प्रशासन मुस्तेदी से काम कर रहा है। हर

अपनी शत्रुता जाहिर कर दी। श्री मोदी ने जब नेहरूजी का भाषण निकाला होगा, तो उनके सामने पूरा भाषण आया होगा, जिसमें इन्हीं पंक्तियों के बाद नेहरूजी ने यह भी कहा है कि 'यह न समझिए कि वह वक्तों को जौड़ से खुशहाल हो गई, मेहनत से हुई है और अक्ल से हुई है। तो हम भी मेहनत और अक्ल से आगे बढ़ सकते हैं, कोई और चारा नहीं है। हम कोई जौड़ से नहीं बढ़ सकते, क्योंकि दुनिया इंसान के काम से चलती है और इंसान की मेहनत से सारी दुनिया की दौलत पैदा होती है। चाहे जमीन पर किसान काम करता है, या कारखाने में, या दुकान में या कारीगर, उससे काम चलता है। कुछ बड़े अफसर दफ्तरों में बैठ के इंतजाम करते हैं, वह दौलत नहीं पैदा करते हैं। दौलत पैदा करता है किसान अपनी मेहनत से, या कारीगर। तो हमें अपने काम, अपनी मेहनत को आगे बढ़ाना है।'

साफ तौर पर नेहरूजी भारतीयों को अपनी मेधा और मेहनत से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे थे। देश को भूलना नहीं चाहिए कि नेहरूजी ने ही आयाम हायम है का नारा भी दिया था। आजादी तो देश को मिल चुकी थी, लेकिन गुलामी के दौर में अशिक्षा, कुपोषण, बीमारियों, रूढ़िवादी प्रथाओं, विज्ञान, कृषि और उद्योग में पिछड़ेपन के जो निशान गहरे बन चुके थे, उन्हें मिटाने के लिए पहले से ज्यादा मेहनत की दरकार थी और नेहरूजी इसी ओर देश का ध्यान दिला रहे थे। नेहरूजी के लिए विकास आज की सरकार को तालक चलता है। कुछ बड़े अफसर दफ्तरों में बैठ के इंतजाम करते हैं, वह दौलत नहीं पैदा करते हैं। देश के सामने रखकर गुमराह करने का काम कर रहे हैं। ये कोई मामूल गलती नहीं है, सोची-समझी साजिश है। अब देख खुद सोचें कि वह ऐसी साजिश का शिकार बना चाहता है या सच की पूरी पड़ताल कर अपने विवेक से फैसला लेना चाहता है।

पलवीन शाकिर ने कहा है- मैं सच कहूंगी मगर फिर भी हार जाऊंगी, जो झूठ बोलेंगा और ला-जवाब करेगा। लेकिन अबकी हम किसी के झूट पर ला-जवाब हुए तो फिर शायद ही कभी मुंह खोल पाएं।

पावन प्रसंग

मानसिक और वैचारिक चिकित्सा

स्वाध्याय की उपयोगिता असाधारण एवं अद्भुत है। यह मानसिक आरोप एवं वैचारिक संबर्द्धन के लिए अन्यायपरक है। क्योंकि मन और विचार के शुद्ध परिष्कृत हुए बगैर स्वस्थ शरीर एवं शालीन व्यवहार की कल्पना नहीं की जा सकती है। स्वाध्याय के द्वारा पहले मन स्वस्थ होता है, फिर जीवन। सोच-विचार के तंत्र में प्रकृति बनी रहने पर शारीरिक एवं व्यवहारिक परेशानियां तथा समस्याएं बनी रहती हैं। स्वाध्याय इन सबको ठीक करने के लिए सर्वप्रथम विचारतंत्र को परिष्कृत परिमार्जित करता है और अपने स्व अर्थात् अस्तित्व का बोध कराता है। अतः अध्यात्म जगत में इसे चिकित्सा का स्थान दिया गया है, परंतु विदंबना यह है कि वर्तमान समय में स्वाध्याय की प्रवृत्ति घटी है और यहां तक कि अध्ययन के प्रति सम्मान में भी कमी आई है। अध्ययन और पढ़ने में अंतर होता है तथा इन दोनों से स्वाध्याय का स्थान पर्याप्त ऊंचा और श्रेष्ठ है। अखबार और पत्र-पत्रिकाओं को उलटना-पलटना पढ़ने की कोटि में आता है। पढ़ना एक प्रहार से सूचना संग्रह करने की प्रक्रिया है। अध्ययन के अंतर्गत श्रेष्ठ साहित्य, दर्शन, विज्ञान आदि आते हैं, जिनमें विषय की गहराई होती है। अध्ययन में मन-चिंतन का पर्याप्त स्थान होता है; क्योंकि इसके बिना विषय की गहराई में उतर पाना संभव नहीं है। स्वाध्याय में ऐसे साहित्य आते हैं, जो हमारे अस्तित्व को बताने के लिए सहायक होते हैं। इन साहित्य के माध्यम से ऐसे सूत्र प्राप्त किए जाते हैं जिनसे हमारी स्वचेतना के विकसित होने की अवस्था में एक नई दिशा-दर्शा उपलब्ध हो सके। स्वाध्याय स्वयं को जानने की विधा है, जीवन को पढ़ने की कला है। जीवन के मर्मसंग एवं द्रष्टा मानते हैं कि जीवन इस संसार की सर्वश्रेष्ठ रोमांचक पुस्तक है। स्वाध्याय से इसके रहस्य परत दर परत खुलते चले जाते हैं और हम रहस्य के क्षेत्र में प्रवेश करते चले जाते हैं।

मन को अपने अनुभव मनोरंजन की आवश्यकता है। अतः यदि इसे श्रेष्ठ विचारों से युक्त साहित्य नहीं मिलेगा तो वह निमस्तरयी साहित्य के प्रति आकर्षित होगा ही। इसी स्तरीय साहित्य के सुबोध और सरल भाषा में लिखे होने के अभाव में ही ऐसे सामानसिक विपन्नता फैली है, बढ़ी है। स्वाध्याय चिकित्सा के द्वारा इस मानसिकता को परिष्कृत कर स्वस्थ एवं श्रेष्ठ विचारों से संपन्न किया जा सकता है। सोच विचार या बोधतंत्र को निरोध करने की सार्थक प्रक्रिया स्वाध्याय से बढ़कर और कुछ नहीं है। ध्यान देने योग्य बात है कि स्वाध्याय अध्ययन नहीं है और न इसका पर्याय ही है। अध्ययन केवल बौद्धिक विकास तक सीमित रहता है, जबकि स्वाध्याय अपने बोध को संवारने, तराशने की महान प्रक्रिया है।

मानवीय चेतना के गंभीर जानकार एवं मनीषी इस बोध के दो आयाम बताते हैं। पहला है- बाह्य बोध और दूसरा है- आंतरिक बोध। बाह्य बोध इंद्रियों की सहायता से होने वाला बोध है और आंतरिक बोध अर्थात् बौद्धिक विवेचन विश्लेषण एवं आंतरिक अनुभूतियों से होने वाला ज्ञान है। बोध के दोनों आयाम आपस में जुड़े हुए हैं। जो इंद्रियां अनुभव करती हैं बुद्धि उस पर विचार किए बिना नहीं रहती। इसी प्रकार से हमारी आंतरिक सोच में जो विचार, भावनाएं, विश्वास, अस्थाएं, अपेक्षाएं व आग्रह समाये रहते हैं, वे इंद्रिय अनुभूतियों को अपने रंग में रंगे बिना नहीं रहते। यदि दुष्टिकोण को स्वस्थ बना लिया जाए तो जीवन के सभी आयाम अपने आप ही स्वस्थ हो जाते हैं। स्वाध्याय इस दुष्टिकोण की चिकित्सा करता है, देखने के नजरिए को बदल देता है।

स्वाध्याय सूक्ष्म अध्ययन की श्रेष्ठ प्रविधि है। इस विधि के चार मुख्य बिंदु हैं। इस क्रम में सबसे पहले ऐसे ग्रंथों का चयन किया जाता है, जो 'स्व' की अनुभूति से संपन्न महात्माओं द्वारा सृजित किए गए हों, इनके लिए उपनिषद्, गीता, उपदेश, स्वामी विवेकानंद आदि के लिखे गए की बातें पढ़ी जा सकती हैं।

सुग निर्माण योजना

दूसरे कारण हो सकते हैं। मरने वालों की राजकोषीय मदद मिले है। परंतु निर्दोषों की मौत के जिम्मेदार कौन ? अपने परिवार और बच्चों को हमेशा के लिए अचानक हृदय घटना में मौत होने के बाद उनके परिवार की क्या हालत होगी। उसके विचार मात्र से ही रंगें टूटें खड़े हो जाते हैं। अनहोनी जन्म होनी बन जाती है तो जीवित व्यक्ति परिवार की याद में और बच्चों के जीवन, भविष्य की चिंता बाद में तिलतिल चिंचा में जलाती है।

वियतनाम में एक घंटे में पांच बार भूकंप के झटके

बलूचिस्तान में दो अलग-अलग विस्फोट में 27 की मौत

क्वेटा, 7 फरवरी (एजेंसियों)। पाकिस्तान में आम चुनाव से ठीक एक दिन पहले बुधवार को बलूचिस्तान में चुनावी उम्मीदवारों को निशाना बनाकर किये गये दो अलग-अलग विस्फोटों में कम से कम 27 लोग मारे गये और 40 से अधिक अन्य घायल हो गये।

पहले हमले में बलूचिस्तान के पिशिन में एक निर्दलीय उम्मीदवार के कार्यालय के बाहर हुये विस्फोट में कम से कम 15 लोगों की जान चली गयी, जबकि 30 से अधिक लोग घायल हो गये, जबकि दूसरा विस्फोट किल्ला सैफुल्लाह जिले में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल (जेयुआई-एफ) कार्यालय के बाहर हुआ। पिशिन विस्फोट खानोजाई इलाके में आज निर्दलीय उम्मीदवार असफंद याद खान काकर के राजनीतिक कार्यालय के बाहर हुआ। श्री काकर शुक्रवार को होने वाले चुनाव में एनए-265 निर्वाचन क्षेत्र और बलूचिस्तान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र दो स्थानों पीबी 47 और पीबी 48 से



चुनाव लड़ रहे हैं। अस्पताल के एमएस डॉ हबीबी ने जियो न्यूज को बताया कि घायल लोगों और शवों को तहसील अस्पताल खानोजाई में स्थानांतरित कर दिया गया है। डॉ हबीबी ने कहा अधिकतर घायलों की हालत बहुत गंभीर बनी हुई है। प्रांतीय स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि विस्फोट के बाद क्रेटा के अस्पतालों में आपात स्थिति लागू कर दी गई है, जिसके लिए अतिरिक्त कर्मचारी भी बुलाये गये हैं। उन्होंने कहा कि ट्रॉमा सेंटर,

एक स्वतंत्र उम्मीदवार के कार्यालय के बाहर हुए विस्फोट

सिविल अस्पताल, बीएमसी, बेनजीर और शेख जायद अस्पताल में घायलों के इलाज के लिए ऑपरेशन थियेटर कर्मचारियों के साथ तैयार हैं। विस्फोट के समय निर्दलीय उम्मीदवार काकर अपने कार्यालय में मौजूद नहीं था। वह पिशिन के पीपी-47 निर्वाचन क्षेत्र में थे। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने विस्फोट का संज्ञान लिया है और बलूचिस्तान के मुख्य सचिव और पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) से रिपोर्ट तलब की

है। ईसीपी के एक प्रवक्ता ने कहा कि ऐसी घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश जारी किये गये हैं।

जियो न्यूज से बात करते हुए श्री काकड़ ने कहा कि यह विस्फोट उनके चुनाव कार्यालय के बाहर एक मोटरसाइकिल में हुआ। उन्होंने कहा, जब चुनाव कार्यालय में पोलिंग एजेंटों के नामों को अंतिम रूप दिया जा रहा था, तब विस्फोट हुआ और हमारे आठ कर्मचारी मारे गए और 18 से अधिक घायल हो गये।

एक अन्य विस्फोट में किला सैफुल्लाह जिले में जेयुआई-एफ कार्यालय को निशाना बनाया गया। बलूचिस्तान के सूचना मंत्री अचकजई ने कहा कि इस विस्फोट में कम से कम 12 लोग मारे गये और अन्य आठ घायल हो गये। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक चायलनों में कई की हालत गंभीर है जिससे मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। अभी तक किसी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

पाकिस्तान में आज होने वाले आम चुनाव की सभी तैयारियां पूरी

मंगलवार रात थम गया था राजनीतिक दलों का चुनाव प्रचार

इस्लामाबाद, 7 फरवरी (एजेंसियों)। पाकिस्तान में गुरुवार को होने वाले आमचुनाव के लिए पूरी तैयारियां कर ली गई हैं। मंगलवार रात को ही राजनीतिक दलों का चुनाव प्रचार थम गया। पाकिस्तान के एलेक्शन कमीशन के अनुसार, देश भर में 90,675 मतदान केंद्रों की स्थापना, मतदान कर्मचारियों के साथ-साथ सुरक्षा कर्मियों की तैनाती के साथ मतदान दिवस की सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

ईसीपी आंकड़ों के अनुसार, नेशनल असंबली या देश की संसद के निचले

सदन की 266 सामान्य सीटों के लिए कुल 5,121 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। प्रांतीय विधानसभाओं के लिए चार प्रांतों की 593 सामान्य सीटों के लिए कुल 12,695 उम्मीदवार प्रतिस्पर्धा करेंगे। इससे पहले, मंगलवार आधी रात को चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने एक बयान जारी कर कहा, 90% आम चुनाव में हिस्सा लेने वाले किसी भी उम्मीदवार और राजनीतिक दल को अब से किसी भी बैठक, जुलूस या किसी कार्यक्रम में भाग लेने पर कानून के अनुसार निषेध जाणा। पोल पैनल ने कहा, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया पर चुनाव अभियान, विज्ञापन और अन्य लिखित सामग्री का प्रकाशन निषिद्ध है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्टों के अनुसार, चुनाव होने तक मीडिया पर सभी प्रकार के सर्वे के प्रकाशन पर प्रतिबंध है। राजनीतिक नेताओं और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों ने अधिकतम सार्वजनिक समर्थन प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक सभाओं, रैलियों, नुकड़ सभाओं और घर-घर अभियानों के माध्यम से प्रयास किए हैं।

देश विदेश

सुडोकू 6460

3	8	6			
	9	2	1		6
2			8		4
		9		8	6
8	4		2		
7	8				3
3		7	5	9	
			3	6	2

: नियम :

- कुल 8 1 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
- हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
- बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6460

1	2			3		4	
		5					
6				7			
	8	9					
10				11			12
13				14			15
				16			
17						18	19
20				21			
							22

बायेंसेबायें-

- शोभा, सौंदर्य में वृद्धि होना
- बाधा, विघ्न
- बेहतर, सर्वोत्तम
- सम्पत्ता शिष्टाचार
- पशुगण के पिता का नाम
- नागरिक, नगरवासी
- वह यज्ञ दिसमें मनुष्यों की बलि दी जाती है
- भलयनसाहत
- स्वाद लेने योग्य
- यतीम
- अपरिमित, असीमित
- शासन, (उर्दु)
- प्राणी, पशु (उर्दु)
- अधिकता, प्रचुरता

ऊपर से नीचे-

- सजस्य, नीचे
- पथिकों को लूटने वाला
- अप्रसन्न व्यक्ति
- बारात
- कल्याण, मुक्ति
- धीमस्वलराम
- खुद या स्वयं का बनना हुआ
- अच्छ, मंगल
- दोषी, कसूरवार (उर्दु)
- अंख की पुतली
- बड़ी बहन
- विश्विन, दीवना होना
- सखेवर
- ईश्वर (उर्दु)

वर्ग पहेली-6459

1	2			3		4	
क	क	व	व्य		प	द	म
को	धु		उ	द	र		क
त	मा	शा		फ		ख	ब
रा				मा	र	ना	ना
	ला	त					
	अ		ह			व	आ
व्य	भि	चा	री		वे	क्ष	मि
		मा		र	स	प	ति
वि	न	ती		ना		त	नि
			खे	ति	ह		जी
ल	प्र	द					ट

सुसुफ कुर्देशी, मो. 8109948408

दुनिया को जानें

टमाटर के रस के रोगाणुरोधी गुण टाइफाइड जैसी में बीमारी लाभदायक

वाशिंगटन, 7 फरवरी (एजेंसियों)। अमेरिकन सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी की पत्रिका माइक्रोबायोलॉजी स्पेक्ट्रम में इस सप्ताह प्रकाशित शोध से स्पष्ट हुआ है कि टमाटर का रस साल्मोनेला टाइफि और अन्य जीवाणु को खत्म करने में सक्षम है। ऐसे जीवाणु लोगों के पाचन तंत्र और मूत्र नली को नुकसान पहुंचाते हैं। साल्मोनेला टाइफि एक घातक रोगजनक बैक्टीरिया है जो टाइफाइड (आंत्र ज्वर) बुखार का कारण बनता है। कॉर्नेल विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी और इम्यूनोलॉजी विभाग के प्रोफेसर जियांगमिन सांग ने कहा, इस अध्ययन में हमारा मुख्य लक्ष्य यह पता लगाना था कि क्या टमाटर और टमाटर का रस साल्मोनेला टाइफि सहित आंत्र बिमारी को ठीक कर सकता है, और यदि हां, तो उनके पास कौन से गुण हैं जो ऐसे बैक्टीरिया से जिनत बिमारी को ठीक करते हैं। शोधकर्ताओं ने यह देखने के लिये जांच की कि क्या टमाटर का रस वास्तव में प्रयोगशाला में साल्मोनेला टाइफि को मारता है। उन्होंने जब पता चल गया कि ऐसा हुआ है, तो टीम ने इसमें शामिल रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स का पता लगाने के लिये टमाटर के जीनोम को देखा।

होनोई। वियतनाम के सेंट्रल हाइलैंड प्रांत कोन तुम के कोन प्वांग जिले में बुधवार दोपहर एक घंटे में भूकंप के पांच बार झटके महसूस किए गए। भूभौतिकी संस्थान के तहत भूकंप सूचना और सुनामी चेतावनी केंद्र ने यह जानकारी दी। वियतनाम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार इन सभी भूकंपों से कोई नुकसान नहीं हुआ। देश में सबसे शक्तिशाली भूकंप 10:11:50 (होनोई समयानुसार) पर आया, जिसकी तीव्रता 4.0 मापी गयी थी और भूकंप सतह से 8.1 किमी गहराई पर स्थित था।

आम चुनाव से ठीक एक दिन पहले दहला पाकिस्तान

चीन में बर्फाले तूफान के लिए ब्लू अलर्ट जारी

बीजिंग, 7 फरवरी (एजेंसियों)। चीन के हुनान प्रांत और जियांगशी प्रांत में तीव्र हिमपात के अनुमान व्यक्त करते हुये बर्फाले तूफान के लिए ब्लू अलर्ट जारी किया गया है। चीन के मौसम विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनएमसी) के अनुसार हुनान प्रांत के मध्य और दक्षिणी हिस्से और जियांगशी प्रांत के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्से बुधवार से गुरुवार सुबह तक भारी हिमपात की चपेट में रहेंगे। एनएमसी ने कहा कि उपरोक्त क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में बर्फाले तूफान के कारण 10 सेंटीमीटर तक बर्फ जमा हो सकता है। एनएमसी ने देश के मध्य, दक्षिणी, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों में कम तापमान के लिए ब्लू अलर्ट भी जारी किया है। बुधवार से गुरुवार तक, हेनान, अन्हुई, हुबेई, हुनान, चोंगकिंग, गुइझों, गुआंगशी, गुआंगडोंग, जियांगशी और झैजियांग के कुछ हिस्सों सहित कुछ क्षेत्रों में न्यूनतम दैनिक तापमान इस अवधि के ऐतिहासिक औसत से पांच डिग्री सेल्सियस कम होगा।

एनएमसी ने स्थानीय लोगों को बाहरी गतिविधियों को सीमित करने और स्थानीय अधिकारियों को सड़क पर बर्फ जमने और कृषि क्षेत्र को होने वाले नुकसान के प्रति सावधानी बरतने की चेतावनी दी। इसके साथ ही स्थानीय सरकारों से भी बर्फाले तूफान के लिए तैयारी करने को कहा है।

हाउती नेता ने गाजा संघर्ष जारी रहने पर हमले बढ़ाने की कसम खाई

सना, 7 फरवरी (एजेंसियों)। यमन के हाउती समूह के नेता अब्दुल मलिक अल-हाउती ने मंगलवार को गाजा में संघर्ष जारी रहने पर लाल सागर और अदन की खाड़ी में हमले बढ़ाने की कसम खाई। अल-हाउती ने अपने समूह द्वारा प्रसारित टेलीविजन टीवी चैनल अल-मसीरा पर भाषण में कहा, 'मैं उन्हें (अमेरिका, ब्रिटेन और इजराइल) चेतावनी देता हूँ कि उन्हें गाजा के खिलाफ अपनी आक्रामकता रोकनी चाहिए और अपनी घेराबंदी रोकनी चाहिए, अन्यथा हम अधिक से अधिक हमलों को बढ़ाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने यह भाषण अपने बड़े भाई,



सशास्त्र समूह के संस्थापक हुसैन बदरेदीन अल-हौथी की हत्या की 20वीं वर्षगांठ मनाने के लिए दिया था, जो 2004 में उत्तरी सादा प्रांत के हौथी गढ़ में यमनी सरकारी सेना के साथ संघर्ष के दौरान मारे गए थे।

सीरिया में इजरायली मिसाइल हमले में सात लोगों की मौत

दमिश्क। सीरिया में होम्स प्रांत के मध्य इलाकों में इजरायल द्वारा किये गये मिसाइल हमले में सात लोगों की मौत हो गयी और 13 अन्य घायल हो गए। एक स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारी ने यह जानकारी दी। होम्स में स्वास्थ्य निदेशक डॉ. मुस्लिम अल-अतासी ने स्थानीय मीडिया को सूचित किया कि होम्स शहर में अल-हमरा स्ट्रीट पर एक आवासीय इमारत के गिरने से मरने वालों की संख्या की पुष्टि की गई है। गौरतलब है कि सीरियाई रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा था कि इजरायल ने बुधवार में उत्तरी लेबनानी क्षेत्र त्रिपोली से होम्स शहर और उसके आसपास के विभिन्न स्थलों को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया।

चिली के जंगलों में लगी आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर 131 हुई



सैंटियागो, 7 फरवरी (एजेंसियों)। चिली में वालपराइसो क्षेत्र के जंगल में लगी आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर 131 हो गई है। देश की कानूनी चिकित्सा सेवा (एसएमएल) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि मृतकों में से 35

की पहचान कर ली गई है, जबकि चिकित्सा और तकनीकी टीमों ने 82 शव परीक्षण किए हैं। आठ शवों को उनके परिवारों को सौंप दिया गया है। एजेंसी ने कहा, एसएमएल इस स्रासदी के पीछले परिवारों के प्रति अपनी संवेदना दोहराता है और प्रभावित लोगों को त्वरित प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए जितनी जल्दी हो सके कार्रवाई जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखता है। पिछले शुक्रवार को जंगल में विभिन्न कारणों से लगी आग अभी भी चल रही है। आग से वालपराइसो क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में 9,700 हेक्टेयर से अधिक भूमि जल गई है।

अमेरिकी सैन्य बल ड्रोन हमले का पता लगाने में विफल

वाशिंगटन, 7 फरवरी (एजेंसियों)। जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य चौकी (टॉवर 22) संभवतः उस ड्रोन हमले का पता लगाने में विफल रही है जिसमें तीन अमेरिकी सैनिकों मारे गए थे। वाशिंगटन पोस्ट ने अमेरिकी रक्षा विभाग के अधिकारियों का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी है। पिछले हफ्ते, सीरिया की सीमा के पास पूर्वोत्तर जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य चौकी पर ड्रोन हमले में तीन अमेरिकी सैनिक मारे गए और 40 से अधिक घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा गया कि ड्रोन अपने निचले-उड़ान पथ के माध्यम से पता लगाने से बचने में सक्षम हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि जांच जारी है और निष्कर्ष बदल सकते हैं। इससे पहले पेंटागन की उप प्रवक्ता सबरिना सिंह ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि उन्हें हमले के बारे में कोई अपडेट नहीं है तथा आकलन जारी है।

फिलीपींस में भूस्खलन, छह लोगों की मौत

मनीला। फिलीपींस में बचावकर्मियों ने दक्षिणी फिलीपींस के दवाओ डी ओरो प्रांत के गांवों में मंगलवार रात हुए भूस्खलन के कारण मिट्टी और चट्टानों के नीचे दबे छह लोगों के शव बरामद किए हैं। प्रांतीय सरकार ने बुधवार को यह जानकारी दी। दवाओ डी ओरो प्रांतीय सरकार ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि स्थानीय समयानुसार अपराह्न 02 बजे तक छह शव और 31 घायल लोग पाए गए थे। इसमें कहा गया है कि 46 और लोग अभी भी लापता हैं। मैको शहर में आपदा-रोकथाम एजेंसी, जहां आपदा हुई थी, प्रारंभिक जानकारी को पुष्टि कर रही है।

याचिका ट्रंप ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर करने का फैसला किया

अपीलीय अदालत के आदेश को चुनौती देंगे ट्रंप

वाशिंगटन, 7 फरवरी (एजेंसियों)। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपीलीय अदालत के उस फैसले के खिलाफ अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर करने का फैसला किया है, जिसने उनके सभी राष्ट्रपति प्रतिरक्षा बचाव को खारिज कर दिया था। यह देखते हुए कि चुनाव सिर्फ 10 महीने दूर हैं, अपील अदालत ने देशी को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए एक समय सीमा निर्धारित की।

अपील अदालत की समय सीमा को ध्यान में रखते हुए ट्रंप शीघ्र ही शीर्ष अदालत में अपील कर रहे हैं। अभियान के प्रवक्ता स्टीवन चेजंग के एक बयान के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति इस फैसले से सम्मानपूर्वक असहमत हैं। चेजंग ने कहा कि पूर्ण प्रतिरक्षा के बिना, अमेरिका का राष्ट्रपति ठीक से काम नहीं कर पाएगा। ट्रंप सुप्रीम कोर्ट का रख करेंगे, जहां वह उम्मीद कर सकते हैं कि रूढ़िवादी बहुमत - जिनमें से तीन सदस्य उन्होंने नियुक्त किए हैं - उनके पक्ष में फैसला सुनाएंगे। संघीय अपील अदालत ने मंगलवार को आपराधिक आरोपों के चलते राष्ट्रपति की छूट हासिल करने की ट्रंप की क्षमता को नकारने का फैसला सुनाया, जो पूर्व राष्ट्रपति के लिए नया कानूनी झटका है। भले ही वह 2024 के

ट्रंप 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को पलटने के अपने प्रयासों और 6 जनवरी 2021 को कैपिटल (जहाँ अमेरिकी संसद स्थित है) में हिंसक विद्रोह से जुड़े आरोपों के खिलाफ बचाव के रूप में प्रतिरक्षा का आह्वान नहीं कर सकते। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि पैनल ने पूर्व राष्ट्रपतियों के संघीय आपराधिक मुकदमों के लिए एक स्पष्ट बचाव के रूप में और ट्रंप के विशेष मामले में लागू होने पर प्रतिरक्षा के लिए सभी तीन संभावित आधारों को खारिज कर दिया। डीसी में अपील न्यायालय ने यह फैसला सुनाते हुए एक प्रतिरक्षा पर निर्णय लेना उसके अधिकार क्षेत्र में है, उन प्रमुख आधारों को खारिज कर दिया जिन पर ट्रंप को कानूनी टीम ने अपना बचाव किया था, जिससे यह मुद्दा पूरी तरह से विफल हो गया।



ट्रंप के सभी राष्ट्रपति प्रतिरक्षा बचाव को खारिज कर दिया था

चुनाव में सबसे संभावित जीओपी उम्मीदवार बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, निष्कर्ष हेतिले के रूप में आखिरी महिला उसके सामने डूटी हुई हैं। डी.सी. सर्किट के लिए अमेरिकी अपील न्यायालय के तीन-न्यायाधीशों के पैनल द्वारा सर्वसम्मत निर्णय में कहा गया कि

दैनिक पंचांग



बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : गुरुवार 8 फरवरी, 2024 माघ कृष्ण पक्ष 14

राशिफल

- मेघ** - आज मन व्याकुल रहेगा और शरीर में आलस छाया रहेगा। स्वास्थ्य कुछ नरम-नरम हो सकता है। काम में सफलता देर से मिलेगी। विरोधियों के साथ वाद-विवाद टालें। दोपहर के बाद परिस्थिति में सुधार आएगा।
- वृषभ** - सरकार विरोधी काम और एक्टिविटी से दूर रहने की सलाह आपको दी जाती है। नए काम को शुरुआत ना करें। स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है। मन में किसी बात की चिंता रह सकती है।
- मिथुन** - आज का दिन सुख और शांतिपूर्वक गुजार संकेतों। दैनिक कामों में कुछ ज्यादा ही व्यस्त रह सकते हैं। मन को प्रसन्न रखने के लिए आप मनोरंजन का सहारा लेंगे। मित्रों के साथ बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।
- कर्क** - व्यवस्था स्थल पर वातावरण अनुकूल रहेगा। मायके से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। पारिवारिक वातावरण भी अनुकूल रहेगा। विरोधियों को लाभ प्राप्त नहीं हो पाएगा। शारीरिक और मानसिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे।
- सिंह** - प्रणय प्रसंग के लिए आज का दिन अनुकूल है। फिर भी गुस्से पर संयम रखें। पेट से संबंधित रोगों से कोई कष्ट हो सकता है। दोपहर के बाद परिवार में आनंद और उल्लास का वातावरण रहेगा।
- कन्या** - आज शारीरिक ताजगी का आपमें अभाव रहेगा। किसी बात की चिंता से काम में मन नहीं लगेगा। धनहीन होने की आशंका है। क्रोध पर संयम रखें। काम में सफलता नहीं मिलने से निराशा हो सकती है।
- तुला** - नए काम को शुरुआत करने के लिए दिन अच्छे है। प्रिय व्यक्ति के साथ हुई मुलाकात आनंददायी रहेगी। भाग्यवृद्धि का अवसर मिलेगा। सामाजिक रूप से मान-सम्मान प्राप्त होगा। दोपहर के बाद आप के मन पर उदासी छाया रहेगी।
- वृश्चिक** - निर्धारित काम न होने के कारण हताशा का अनुभव होगा। किसी भी महत्वपूर्ण काम का डिसीजन आज ना लें। पारिवारिक वातावरण में क्लेश रहेगा। दोपहर के बाद परिजनों तथा भाई-बहनों के साथ समय आनंदपूर्वक गुजार संकेतों।
- धनु** - आज आपको आर्थिक लाभ मिलने के संकेत हैं। किसी श्लोहेजन के घर मांगलिक प्रसंग में उपस्थित रहना होगा। किसी माँद या धार्मिक जगह पर जाना हो सकता है। दायित्वबोधन में सुख और आनंद मिलेगा।
- मकर** - कोर्ट कचहरी के मामलों से आज दूर रहें। मन में किसी बात को लेकर आज चिंता रह सकती है। आपके नकारात्मक विचार काम पर सीधा प्रभाव डालेंगे। वाणी पर संयम रखें। दुर्घटना का भय बना रहेगा।
- कुंभ** - आज के दिन को शुरुआत लाभदायी है। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में आप प्रगति करेंगे। किसी नए व्यक्ति से रिश्ता बन सकता है। दोपहर के बाद स्वास्थ्य कुछ बिगड़ेगा। परिवार में मतभेद खे खे से घर का वातावरण दूषित होगा।
- मीन** - आपके विचारों में आज दृढ़ता अधिक नहीं होगी। व्यापार में भागीदारी के काम से लाभ होगा। नौकरों में पदेनचिंत के योग हैं। बिजनेस को बढ़ाने का प्रयास करेंगे। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारुवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

- 1785-1774 से 1785 तक गर्वर्नर जनरल रहे वारेन हेस्टिंग्स ने भारत छोड़ा।
- 1872-अंडमान जेल (सेल्यूलर जेल या कालापानी) में शेर अली ने गर्वर्नर पर हमला करके शहादत प्राप्त की।
- 1897-भारत के तीसरे राष्ट्रपति झू जाकिर हुसैन का जन्म।
- 1905-हेती और उसके आस पास के द्वीप समूहों पर आये जबरदस्त चक्रवाती तूफान से दस हजार लोगों की मौत।
- 1909-यूरोपीय देश फ्रांस और जर्मनी के बीच मोरको संधि पर हस्ताक्षर किये गये।
- 1941-गुजलों की दुनिया के बादशाह जगजीत सिंह का जन्म।
- 1943-स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस जर्मनी के केल से एक नौका के जरिये जापान के लिये रवाना हुये।
- 1963-भारत के विश्व प्रसिद्ध पूर्व क्रिकेटर तथा भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद अज़हरुद्दीन का जन्म।
- 1971-दक्षिणी वियतनामी सेना ने लाओस पर हमला किया।
- 1979-अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
- 1986-दिल्ली हवाई अड्डे पर पहली बार प्रोपेड टैक्सि सेवा शुरू की गई।
- 1994-क्रिकेटर कपिल देव ने टेस्ट मैचों में 432 विकेट लेकर रिचर्ड हैडली के सबसे अधिक विकेट लेने के विश्व रिकार्ड को ध्वस्त किया।
- 1995-राजस्थान के चौथे मुख्यमंत्री टीका राम गालीवाल का निधन।
- 1995-आजादी के लिए संघर्ष करने वाली महिला क्रांतिकारियों में से एक कल्पना दत्त का निधन।
- 1999-अमेरिकी अंतरिक्ष यान स्टारडस्ट केनेडी अंतरिक्ष केंद्र से रवाना।
- 2002-भारत व रूस के बीच चार रक्षा समझौते सम्पन्न, विमानवाहक पोत गोर्शाकोव का सौदा अटका।

प्रादेशिक

उत्तराखंड में एक बार फिर बदला मौसम का मिजाज

देहरादून। उत्तराखंड में एक बार फिर मौसम बारिश और बर्फबारी के लिहाज से बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। राज्य भर में करीब दो दिनों तक रुक-रुक कर बारिश और बर्फबारी देखने को मिली। लेकिन अब फिर से मौसम के साफ रहने के संकेत मिलने लगे हैं। उधर हरिद्वार और उधम सिंह नगर जिलों में हल्के कोहरे की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्रदेश में फरवरी महीने की शुरुआत के साथ ही मौसम ने करवट बदली, और प्रदेश की अधिकतर क्षेत्रों में बारिश या बर्फबारी देखने को मिली। इस दौरान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी भी हुई और मैदानी क्षेत्र तेज बारिश के असर से प्रभावित दिखाई दिए। करीब 2 से 3 दिन तक मौसम के खराब रहने के बाद अब एक बार फिर मौसम सामान्य होता हुआ दिखाई दे रहा है।

ईडी व सीबीआई के रडार पर पूर्व मंत्री हरक सिंह

देहरादून, 7 फरवरी (देशबन्धु)। उत्तराखंड के पूर्व वन मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरक सिंह का परिवार को लेकर सीबीआई और ईडी ने लगातार मुर्दाबंदी शुरू की है। सीबीआई और ईडी ने उत्तराखंड वन विभाग के अधिकारियों के घरों पर भी छापेमारी की है। हरिद्वार में पूर्व डीएफओ किशनचंद के हरिद्वार स्थित आवास पर छापेमारी की गई। सुशांत पटनायक के घर पर भी ईडी ने रेड मारी। जिसमें सुशांत पटनायक के घर से करोड़ों का कैश बरामद हुआ। कैश गिनने के लिए मशीनों में गणना की गई। वहीं, हरियाणा में दो डॉक्टर भाइयों के घर पर भी ईडी ने रेड मारी। ये दोनों भाई कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत अडिक्वास प्रस्ताव लाये। इस दौरान कांग्रेस के 9 विधायकों ने हरीश रावत सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। जिसके कारण उत्तराखंड में राष्ट्रपति शासन लगा। तब कांग्रेस पर छापेमारी की खबरों में बीजेपी में शामिल हो गये थे। इस दौरान रिटिंग प्रकरण हुआ

- करीबियों सहित कई ठिकानों पर की गई छापेमारी
- वन विभाग के घोटाले को लेकर की कार्रवाई
- लोकसभा चुनाव से पहले पूर्व वन मंत्री की बड़ी परेशानियां

था। जिस मामले में भी सीबीआई जांच चल रही है। जिसका सामना हरक सिंह रावत भी कर रहे हैं। उसके बाद 2018 विधानसभा चुनाव में हरक सिंह रावत, त्रिवेंद्र सरकार में मंत्री बने। उन्होंने समाज कल्याण विभाग संभाला। त्रिवेंद्र सरकार में हरक सिंह रावत का समाज कल्याण विभाग खासी चर्चाओं में रहा। उन पर कई तरह की अनियमितताओं के आरोप लगे थे। इसके साथ ही हरक सिंह रावत के अधीन वन विभाग भी इससे अछूता नहीं रहा। पिछले दिनों तत्कालीन वन मंत्री हरक सिंह रावत के ठिकानों पर विजिलेंस की टीम ने भी छापेमारी की थी। अब एक बार फिर से हरक सिंह रावत जांच के दायरे में आ गए हैं जो घटना के समय बीजेपी सरकार में थे लेकिन अभी कांग्रेस पार्टी में हैं। बीते दो सालों में हरक सिंह रावत सरकारी जांच एजेंसियों की रडार पर हैं। हर दूसरे दिन हरक सिंह रावत के ठिकानों पर छापेमारी की खबरें आती हैं। विधानसभा चुनाव हो या फिर लोकसभा चुनाव,



सभी से पहले छापेमारी की कार्रवाई के कारण हरक सिंह रावत बैकफुट पर नजर आते हैं। अब लोकसभा चुनाव से पहले हरक सिंह रावत के ठिकानों और उनके करीबियों के घर छापेमारी हुई है। देशभर में रेड चल रही है। जिससे आने वाले चुनावों में हरक सिंह रावत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यही कारण है कि बीते दिनों हरक सिंह रावत ने लोकसभा चुनाव लड़ने से भी इंकार किया था। उनकी हरिद्वार लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की चर्चाएं थीं। अब इस सीट के लिए एनएचडी हार्डकमान के सामने हरीश रावत की पैरवी की है। इससे पहले पहला मौका था जब हरक सिंह रावत ने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा था। तब कहा जा रहा था वे लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। मगर अब लोकसभा चुनाव से पहले उन पर एक्शन हुआ है। जिससे उनके सियासी करियर पर भी असर पड़ सकता है।

से ठीक पहले हरक सिंह रावत कांग्रेस में शामिल हो गये थे। उन्होंने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा। इस बार उन्होंने अपनी बहु अनुकूलिता गुसाई को चुनाव लड़वाया, जो चुनाव हार गई। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के बाद हरक सिंह रावत के खिलाफ कार्रवाई का दौर जारी है।

कॉर्बेट अवैध पेड़ कटान मामले में सीबीआई जांच

कॉर्बेट में 6 हजार पेड़ काटने के मामले में भी हरक सिंह रावत पर शिकंजा कस रहा है। नैनीताल हाईकोर्ट ने बीते दिनों इस मामले में सुनवाई करते हुए सीबीआई जांच के आदेश दिये हैं।

भाजपा ईडी व सीबीआई से रेड करवाकर लेना चाहती है चुनावी लाभ: करन माहरा

कांग्रेस नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत के घर पर ईडी यानी एनफॉर्समेंट डायरेक्टोरेट को छापेमारी पर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए हैं। मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा का कहना है कि कांग्रेस के मजबूत नेताओं से बीजेपी डर चुकी है। यही वजह है कि कांग्रेस के नेताओं को डराने के लिए बीजेपी अब ईडी और सीबीआई की छापेमारी करवा रही है। हल्द्वानी पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने हरक रावत के घर पर ईडी की रेड पर प्रतिक्रिया दी है। करन माहरा ने कहा कि

लोकसभा चुनाव आने वाला है, उससे ठीक पहले बीजेपी इस तरह से छापेमारी कर कांग्रेस के लोगों को डराने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर किसी तरह का कोई घोटाला है तो सरकार ने पहले जांच क्यों नहीं करायी? बीजेपी लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस के नेताओं को डराने का काम कर रही है। ईडी और सीबीआई से छापेमारी करवाकर बीजेपी इसका चुनाव में लाभ लेना चाहती है। बता दें कि आज पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत के साथ ही कई आईएफएस अफसरों के ठिकानों पर भी ईडी की छापेमारी चल रही है।

बीजेपी नेता के घर पर ईडी की रेड

उधमसिंह नगर के काशीपुर में बीजेपी नेता के आवास पर ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी की है। जिससे हड़कंप मचा हुआ है। ईडी के अधिकारियों की टीम बाजपुर रोड स्थित बीजेपी जिला मंत्री अमित सिंह के आवास की खंगाल रही है। वहीं, इस छापेमारी को हरक सिंह रावत से जोड़कर देखा जा रहा है। बता दें कि आज कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत समेत उनके तमाम करीबियों के यहां ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापे मारे हैं। आसपास का जवाब भी इसी सिलसिले में छापेमारी की जा रही है।

श्रीनगर में गुलदार की दहशत से स्कूल बंद

श्रीनगर। उत्तराखंड के श्रीनगर में गुलदार की दहशत के चलते लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हो गए हैं। यहां गुलदार ने दो बच्चों को अपना निवाला बना लिया। घटना के बाद इलाके में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। जिसके कारण स्कूल बंद हैं। साथ ही श्रीनगर नगर क्षेत्र समेत एक दर्जन गांवों में नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया है। श्रीनगर व आस-पास के क्षेत्रों में लगातार गुलदार की सक्रियता को देखते हुए जिला प्रशासन ने यहां नाइट कर्फ्यू लागू करने का ऐलान किया है। कर्फ्यू सात फरवरी से नौ फरवरी तक शाम छह बजे से सुबह छह बजे तक रहेगा। इसके अलावा डिस्ट्री ब्लॉक के विद्यालयों में बुधवार को भी अवकाश घोषित कर दिया गया है। यहां स्कूल आजी भी बंद हैं, आंगनबाड़ी केंद्र भी बंद रहेगा।

महात्मा गांधी ने भी श्रमदान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी: रविन्द्र कुमार

रुड़की। चमन लाल महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन राजकीय प्राथमिक विद्यालय, हजूरपुर में प्रारंभ किया गया। उद्घाटन सत्र में गांव हजूरपुर के गणमान्य व्यक्ति को आमंत्रित किया गया। जिसके अंतर्गत छात्र-छात्राओं द्वारा विद्यालय स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ महाविद्यालय प्रशासन के सहित अरुण कुमार हरित ने दीप प्रज्वलन कर किया। मंच का संचालन डॉ. तरुण कुमार गुप्ता ने किया। प्राथमिक विद्यालय प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार ने सात दिवसीय शिविर में बताया कि श्रमदान जीवन का अभिन्न अंग है। इसलिए हर व्यक्ति को श्रमदान अवश्य करना चाहिए। गांधी ने भी श्रमदान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोहम्मद इरफान ने बताया कि आगामी दिनों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें मतदाता जागरूकता रैली भी गांव में निकाली जाएगी। इसी के साथ अन्य दिनों में पर्यावरण जागरूकता रैली का भी आयोजन किया जाएगा और साथ में वर्तमान समय को देखते हुए साइबर क्राइम और साइबरता अभियान भी चलाया जाएगा। इसी करण में प्रतिदिन विशेष शिविर में बौद्धिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम सहयोगी डॉ. हिमांशु कुमार ने भी बताया कि छात्र-छात्राओं को इस प्रकार के शिविर का हिस्सा बनने से छात्र-छात्राएं आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनते हैं। प्रथम दिन में छात्र-छात्राओं ने संपूर्ण विद्यालय में श्रमदान किया जगह-जगह पौध रोपण भी किए गए और स्वच्छता को प्राथमिकता दी गई। इसी श्रृंखला में छात्राओं को आत्मनिर्भर भारत कैसे बनेगा। प्रधानमंत्री द्वारा चलाए गए योजनाओं के बारे में भी बताया गया जिससे छात्र-छात्राओं को रोजगार अवसर भी प्राप्त हो सके।

सुडोकू 6460 का हल

3	4	8	6	5	9	1	2	7
7	5	9	2	1	4	3	6	8
2	1	6	7	3	8	5	4	9
5	2	7	9	4	1	8	3	6
1	6	3	5	8	7	2	9	4
8	9	4	3	6	2	7	1	5
9	7	1	8	2	6	4	5	3
6	3	2	4	7	5	9	8	1
4	8	5	1	9	3	6	7	2

लूट की चार घटनाओं का अंजाम देने वाला एक घंटे में गिरफ्तार



देहरादून, 7 फरवरी (देशबन्धु)। थाना नेहरू कॉलोनी पुलिस ने एक घंटे में नेहरू कॉलोनी और डालनवाला क्षेत्र में लूट की चार अलग-अलग घटनाओं का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी को बड़ी कालोनी के पास खाली प्लॉट से घटनाओं में लूटे गए माल के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पहली लूट की वारदात में पचास पैसे ना मिलने पर अन्य घटनाओं का अंजाम देता था। बताया जा रहा है कि आरोपी नशे का आदि है और नशे में ही सारी घटनाओं का अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। थाना नेहरू कॉलोनी में पीड़िता आरती शर्मा निवासी डिफेंस कॉलोनी ने शिकायत दर्ज कराई की शाम के समय वह अपने ऑफिस से घर की ओर जा रही थी, तभी राजीव नगर कट पर काले रंग की स्कूटी में सवार एक लड़के ने उनका बैग लूट लिया। जिसमें

दो घंटों में दिया चार घटनाओं का अंजाम

उनके आवश्यक दस्तावेज और दो हजार रुपए नगद थे। पीड़िता की तहरीर के आधार पर थाना नेहरू कॉलोनी में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया इसी दौरान कंट्रोल रूम के माध्यम से डालनवाला क्षेत्र में तीन अलग-अलग स्थानों पर भी काली स्कूटी सवार व्यक्ति द्वारा लूट की घटनाओं का अंजाम दिए जाने की सूचना मिली। लगातार हुई घटनाओं की गंभीरता के मद्देनजर एसएसपी द्वारा सभी थाना प्रभारियों को स्कूटी सवार व्यक्ति की तलाश के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिये गये थे, साथ ही नियमित रूप से पुलिस द्वारा की जा रही चेकिंग की क्लोज मॉनिटरिंग की जा रही थी। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बाद नेहरू कॉलोनी पुलिस द्वारा घटना में शामिल आरोपी अर्चित नैथानी को बड़ी कालोनी के पास खाली प्लॉट से गिरफ्तार किया गया। जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से नेहरू कॉलोनी में की गई लूट की घटना से सम्बन्धित पीड़िता के दस्तावेज और नकदी बरामद हुई साथ ही आरोपी के पास से डालनवाला क्षेत्र में की गई लूट की तीन अन्य वारदातों से संबंधित सामान भी बरामद हुआ।

वोटर जागरूकता कार्यक्रम पर दें विशेष ध्यान : सीईओ

देहरादून, 7 फरवरी (देशबन्धु)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बी वी आर सी पुरुषोत्तम ने आगामी लोकसभा चुनाव में वोट प्रतिक्रिया को बढ़ाने के लिए वोटर जागरूकता कार्यक्रम पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए स्वीप गतिविधियों के साथ ही प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का सहयोग लिया जाए। सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को वोटर जागरूकता कार्यक्रमों से जोड़ा जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बी वी आर सी पुरुषोत्तम सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में नोडल अधिकारियों के साथ निर्वाचन संबंधी तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। डॉ पुरुषोत्तम ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दी गई समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि सिक्कोरिटी मैनेजमेंट प्लान और आयोग के मानकों के अनुसार स्टेट डिजिटल प्लान बना लिया जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से जुड़े कामों की ट्रैनिंग सबसे महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि कामों की गंभीरता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ पुरुषोत्तम ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सी वीजिल जैसी अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। लोगों तक इसकी जानकारी अधिकारिक पहुंचाई जाए। वोट प्रतिक्रिया को बढ़ाने के लिए बूथ वार रणनीति बनाई जाये। बूथ स्तरीय जागरूकता समूहों को सक्रिय किया जाए। बैटक में संयुक्त निर्वाचन अधिकारी न्यायिम बंसल, प्रताप शाह, राज्य पुलिस प्रशासन व वित्त विभाग ने राज्यपाल के अभिभाषण को तैयार कर लिया है। राज्यपाल के अभिभाषण के साथ 14 फरवरी से हिमाचल विधान सभा के बजट सत्र का आगाज होगा। बजट सत्र में पहले दो दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा होगी। इसके बाद 17 फरवरी को मुख्यमंत्री आगामी माली साल का बजट सदन में पेश करेंगे। राज्यपाल के अभिभाषण में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की एक साल की उपलब्धियों को बर्ना किया जाएगा। खासतौर पर प्रदेश की तंग माली हालात के बावजूद देवीय आपदा प्रभावितों के जख्मों पर मरहम लगाने व आपदा से क्षतिग्रस्त अधोसंरचना को दोबारा स्थापित

राज्य में निर्माणधीन मेडिकल कॉलेजों में स्टाफ की पदों हों सृजित: सीएस

देहरादून, 7 फरवरी (देशबन्धु)। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने राज्य में निर्माणधीन मेडिकल कॉलेजों एवं अस्पतालों के साथ ही उनमें डॉक्टर्स, नर्सिंग ऑफिसर्स, पैरामेडिकल एण्ड एसिस्टरों के पद सृजन आदि की प्रक्रिया भी साथ-साथ संचालित करने की हिदायत स्वास्थ्य विभाग, वित्त विभाग एवं कार्मिक विभाग को दी है। उन्होंने कहा कि इस तरह से निर्माणधीन मेडिकल कॉलेजों का समय पर संचालन शुरू हो पाएगा। मुख्य सचिव ने हरिद्वार मेडिकल कॉलेज में 216 तथा पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज में 216 डॉक्टर्स के पदों से सम्बन्धित स्थिति को तत्काल स्पष्ट करने के निर्देश वित्त विभाग को दिए हैं। उन्होंने मेडिकल कॉलेजों के निर्माण के प्रोजेक्ट्स को हार्डवेयर अपग्रेड के साथ पूरा करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। मेडिकल टूरिज्म की बेहतरीन संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सीएस रतूड़ी ने पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज तथा नैनीताल के भवाली स्थित टीवी सेनेटोरियम के सम्बन्ध में एक बैटक पर्यटन विभाग के साथ आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में विधानसभा भवन में राजकीय मेडिकल

हरोली क्षेत्र के लिए मंजूर बल्क ड्रग फार्मा पार्क को धरातल पर उतारने की कवायद तेज

शिपला, 7 फरवरी (देशबन्धु)। जना जिला के हरोली क्षेत्र के लिए मंजूर बल्क ड्रग फार्मा पार्क को धरातल पर उतारने की कवायद तेज हो गई है। पार्क की स्थापना को लेकर बुधवार को मुख्य सचिव प्रबोध सम्सना ने उद्योग विभाग के अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। बैठक में उद्योग विभाग के प्रधान सचिव उद्योग आर.डी.जी.मी.म. व अन्य अधिकारी मौजूद रहे बैठक में मुख्य सचिव ने आधारभूत ढांचा जल्द विकसित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। बैटक में बल्क ड्रग पार्क के लिए बिजली की उपलब्धता को लेकर चर्चा की गई है। सूत्रों के अनुसार बल्क ड्रग पार्क का काम शुरू करने के लिए बिजली की आवश्यकता है जिसके लिए पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड को निर्देश दिए गए हैं। इस पार्क के लिए कुल 120 मैगावाट बिजली की जरूरत रहेगी लेकिन इससे पहले अभी काम के शुरूआत में 50 मैगावाट बिजली चाहिए। इसके लिए ट्रांसमिशन कारपोरेशन को संबंधित क्षेत्र तक ट्रांसमिशन लाइन डालने को कहा गया है। वह बिजली का आधारभूत ढांचा यहां पर खड़ा करेगा जिसके लिए पैसे भी जारी किया जा रहा है। बल्क ड्रग पार्क



के लिए निवेश को लेकर भी बैठक में चर्चा की गई है। सूत्रों के अनुसार हाल ही में जो टीम दुबई की यात्रा पर गई थी उसका क्या कुछ नतीजा रहा है उसको लेकर भी इस बैठक में बातचीत हुई। उद्योग अधिकारियों ने मुख्य सचिव को बताया कि वहां पर कितने निवेश के लिए एमओयू किए गए हैं और उनमें से बल्क ड्रग पार्क के लिए कितना निवेश आने की संभावना है इस पर चर्चा हुई। प्रदेश का यह महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट है जिससे सिरे चढ़ाने के लिए यहां पर खासे प्रयास किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य में पूर्व जयराम सरकार के वक्त बल्क ड्रग

फार्मा पार्क मंजूर हुआ। पार्क की स्थापना के लिए केंद्र सरकार से एक हजार करोड़ का अनुदान मिलना है। इसमें से 225 करोड़ का अनुदान राशि सरकार को मिल चुकी है। सरकार ने इस पार्क की स्थापना के लिए स्पेशल पर्पज व्हीकल का गठन किया है साथ ही कंसल्टेंट फर्म भी तैनात की है। पार्क की स्थापना होने की स्थिति में प्रदेश में 10 हजार करोड़ के निवेश के साथ करीब 15 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। साथ ही दवाओं के उत्पादन में काम आने वाले कच्चे माल (एपीआई) के मामले में देश आत्म निर्भरता की ओर बढ़ेगा।

हिमाचल मंत्रिमंडल की बैठक 9 फरवरी को केदार यात्रा मार्ग पर होगा सात हजार घोड़े-खच्चरों का संचालन

शिपला, 7 फरवरी (देशबन्धु)। हिमाचल मंत्रिमंडल की बैठक 9 फरवरी को होगी। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू करेंगे। बैठक में बजट सत्र के लिए राज्यपाल के अभिभाषण को मंजूरी मिलेगी। सामान्य प्रशासन व वित्त विभाग ने राज्यपाल के अभिभाषण के साथ 14 फरवरी से हिमाचल विधान सभा के बजट सत्र का आगाज होगा। बजट सत्र में पहले दो दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा होगी। इसके बाद 17 फरवरी को मुख्यमंत्री आगामी माली साल का बजट सदन में पेश करेंगे। राज्यपाल के अभिभाषण में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की एक साल की उपलब्धियों को बर्ना किया जाएगा। खासतौर पर प्रदेश की तंग माली हालात के बावजूद देवीय आपदा प्रभावितों के जख्मों पर मरहम लगाने व आपदा से क्षतिग्रस्त अधोसंरचना को दोबारा स्थापित



करने के मकसद से सरकार द्वारा घोषित 4500 करोड़ के राहत पैकेज का उल्लेख अभिभाषण में होगा। इसके अलावा कांग्रेस सरकार की 680 करोड़ की राजीव गांधी स्मार्ट अप योजना, कांग्रेस की चुनावी गारंटियों के तहत ओपीएस बहाली व स्पोर्ट गाड़ी की महिलाओं को 1500 रुपए महिला सम्मान निधि देने का उल्लेख भी इसमें किया जाएगा। सरकार अदरों में खाली पदों को भरने के उद्देश्य से सरकार द्वारा शुरू की गई वन मित्र व पुलिस भर्ती प्रक्रिया के साथ साथ सरकार की अन्य

बजट सत्र के लिए राज्यपाल के अभिभाषण को मंजूरी मिलेगी

उपलब्धियों का उल्लेख भी राज्यपाल के अभिभाषण में होगा। अलताब विपक्षी भाजपा अभिभाषण से कितना इत्तेफाक रखती है इसका पता विधान सभा के बजट सत्र के दौरान चर्चा में लगेगा। मंत्रिमंडल में राज्यपाल के अभिभाषण के अलावा कुछ विभागों के द्वारा भेजे गए एजेंडा पर भी निर्णय लिया जाना है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से कुछ पदों को भरने के साथ सामाजिक सुरक्षा पेंशन के कुछ मामलों मंजूरी के लिए भेजे जा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार बजट में महिलाओं को बढ़ी हुई पेंशन का भी मामला था जो अभी तक नहीं दी जा सकी है जिसके लेकर भी मामला इस बैठक में आ सकता है। सूत्रों के अनुसार शिक्षा विभाग से जुड़े कुछ मामलों भी कैबिनेट में जाएंगे। स्कूलों में

रुद्रप्रयाग, 7 फरवरी

(देशबन्धु)। केदारनाथ यात्रा मार्ग में संचालित होने वाले घोड़े-खच्चरों के साथ होने वाली पशु कस्तराती की रोकथाम को लेकर जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहलवार ने सख्त दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निरंतर निगरानी रखने के लिए म्यूल् टास्क फोर्स में संचालित हो रहे घोड़े-खच्चरों के साथ किसी भी प्रकार से कोई पशु कस्तराती नहीं होने चाहिए। इसकी निरंतर निगरानी रखने के लिए म्यूल् टास्क फोर्स का गठन किया जाए। मुख्य पशु चिकित्सा

बसंत पंचमी पर घोषित होगी चारधाम यात्रा की तिथि

अधिकारी को निर्देश दिए कि इस वर्ष यात्रा मार्ग में सात हजार तक घोड़े-खच्चरों का पंजीकरण कराया जाए। इसके लिए उन्होंने मार्च से ही रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए। साथ ही सर्वोपेक्ष क्षेत्रों में घोड़े-खच्चर संचालकों के साथ आवश्यक बैठक करने को कहा। उन्होंने कहा कि घोड़े-खच्चरों के लिए जो भी स्वास्थ्य प्रमाण पत्र बनाया जाएगा, वह केवल एक माह के लिए ही तैयार किया जाए, ताकि किसी भी घोड़े-खच्चर के साथ किसी भी तरह से कोई पशु कस्तराती न हो। गौरीकुंड घोड़ा-पड़वा के उपर संचुरियन क्षेत्र में घोड़े-खच्चर के डेरे व रहने की अनुमति नहीं दिए जाने के निर्देश दिए।

प्रादेशिकी

लोकतंत्र सेना की
निधन पर उनके घर
पहुंची मेनका गांधी

सुलतानपुर, 7 फरवरी (एजेंसिया)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका गांधी ने पत्रकार, लोकतंत्र सेना की निधन पर बुधवार को उनके आवास पहुंचे शोक संवेदना प्रकट की। तीन दिवसीय दौरे पर आज सायं सुलतानपुर पहुंचते ही सीधे गांधी नगर के बस स्टेशन स्थित लोकतंत्र सेना पत्रकार एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद कृष्ण जायसवाल आवास पहुंचीं। यहां स्व. जायसवाल के बड़े बेटे अनुभव और छोटे बेटे अनुभव जायसवाल से उनका हालचाल जाना। स्व. जायसवाल के निधन पर शोक संवेदना प्रकट की और कहा कि उन्हें कोई दिक्कत हो या आवश्यकता हो तो उन्हें बताएं। गौरतलब है कि लोकतंत्र रक्षक सेनानी, पत्रकार व अधिवक्ता आनंद कृष्ण जायसवाल (84) का पांच फरवरी सोमवार को दोपहर में निधन हो गया था।

उत्तर प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुई वृद्धि : योगी

विधानसभा में मुख्यमंत्री ने सदन में की प्रदेश में हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की चर्चा

लखनऊ, 7 फरवरी (देशबन्धु) मुख्यमंत्री ने प्रदेश में हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को भी सदन में रखा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में थल, जल और नभ में इन्फ्रास्ट्रक्चर में वृद्धि हुई है। वहीं उन्होंने सदन को इस बात की भी जानकारी दी कि बहुत जल्द यूपी 21 एयरपोर्ट वाला देश का पहला राज्य बनने जा रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी 19 फरवरी को राजधानी लखनऊ में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इस दौरान 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारा जाएगा। योगी ने एक प्रमुख इंग्लिश अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट का भी उल्लेख किया जिसमें बताया गया कि तमिलनाडु के तिरुपुर जिले में यूपी के दो लाख से अधिक लोग कार्य करते थे, मगर पिछले सात साल में उनमें से 60 हजार लोग वापस यूपी में जा चुके हैं, क्योंकि उन्हें वहीं रोजगार मिल गया है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष को इंगित करते हुए कहा कि यूपी की इस विकास गाथा को सभी को स्वीकार करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2017 में प्रदेश में दो एयरपोर्ट वाराणसी और लखनऊ पूरी तरह से क्रियाशील थे। आज 10 एयरपोर्ट क्रियाशील हैं, जिससे 150 फ्लाइट्स 75 से अधिक डेस्टिनेशन तक हवाई सेवा उपलब्ध करा रही हैं। 2016-17 से 2023 तक हवाई यात्रियों की संख्या में 100 गुना की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि यहां की सड़क नदियों में कनेक्टिविटी के लिए इन्फ्लेड बॉटर वेज



■ बहुत जल्द 21 एयरपोर्ट वाला देश का पहला राज्य बनने जा रहा है।
■ 19 फरवरी को लखनऊ में प्रधानमंत्री करेंगे ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का उद्घाटन

सात साल में फोर लेन की 1235 परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया

मुख्यमंत्री ने बताया कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के बाद गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस की शुरुआत होने जा रही है। बलिया लिंक एक्सप्रेसवे भी बन रहा है। चित्तूरक लिंक एक्सप्रेसवे बनने जा रहा है। प्रयागराज महाकुंभ से पहले सरकार का प्रयास है कि गंगा एक्सप्रेस को चालू कर दिया जाए। उन्होंने बताया कि लखनऊ कानपुर लिंक एक्सप्रेसवे और बलिया लिंक एक्सप्रेसवे को भारत सरकार के सहयोग से बनाया जा रहा है। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में फोर लेन की 1235 प्रोजेक्ट को पिछले सात साल में आगे बढ़ाया गया है।

चुका है। कानून व्यवस्था अच्छी और सरकार को नियत साफ हो तो देश और दुनिया के निवेशक निवेश के लिए आना चाहते हैं। जीआईएफ 2023 इसका श्रेष्ठ उदाहरण है, जिसमें लगभग 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। आगामी 19 फरवरी को प्रधानमंत्री के करकमलों से 10 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी होने जा रही है। उसी समय हम रिपोर्ट भी पहुंचेंगे कि पिछले निवेश से कितनी नौकरियां लगी हैं, कितने रोजगार का सृजन हुआ है और यूपी में इसका क्या असर पड़ा है। सौभाग्ययोगी ने कहा कि यह सब इसलिए संभव हुआ है क्योंकि यूपी में सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, निवेश अनुकूल नीतियां, सिंगल विंडो सिस्टम तथा जवाबदेह और पारदर्शी नीतियां हैं। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा सेक्टर के बारे में बताते हुए कहा कि 2016-17 में प्रदेश में कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 5600 मेगावाट थी। वर्तमान में कुल उत्पादन

क्षमता 8688 मेगावाट हो गई है। इस साल के अंत तक हम विद्युत उत्पादन क्षमता 12800 मेगावाट हो जाएगी। 2017 तक कुल 128494 मजूरों तक बिजली आपूर्ति पहुंच पाई थी। बीते साल साल में 249818 मजूरों तक बिजली आपूर्ति, यानी 100 प्रतिशत मजूरों को विद्युतीकृत किया जा चुका है। 2012-17 में निर्गत लगभग 8.44 लाख विद्युत संयोजनों के सापेक्ष वर्ष 2017 से अब तक 1 करोड़ 65 लाख विद्युत संयोजन निर्गत किये गये हैं। यानी सपा के कालखंड से 20 गुना ज्यादा। 2017 से पहले बिजली का अता पता नहीं होता था। 2017 के बाद ग्रामीण क्षेत्र में 18 घंटे, तहसील मुख्यालय में 21 से 22 घंटे, जनपद मुख्यालयों पर 24 घण्टे बिजली आपूर्ति अनवरत कर रहे हैं। सौर ऊर्जा की बात करें तो 2017 तक कुल स्थापित 288 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाएं थी, जो वर्तमान में 2596 मेगावाट हो गयी हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर बैंक अधिकारियों के साथ समीक्षा



हापड़, 7 फरवरी (देशबन्धु)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हापड़ के तत्वाधान में आयोजित की जा रही राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मार्च को सफल बनाने हेतु अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/नपद न्यायाधीश, हापड़ मलखान सिंह को अध्यक्षता में जनपद के बैंक अधिकारियों के साथ बैठक आहूत की गई। बैठक का संचालन अपर जिला जज/नोडल अधिकारी, हापड़ डॉ. रोमा बंसल की देखरेख में छाया शर्मा अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हापड़ द्वारा किया गया। बैठक में जनपद प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, हापड़ मलखान सिंह द्वारा सभी बैंक अधिकारियों को बैंकों से संबंधित वादों को प्रा-

लिटिगेशन स्तर पर अधिक से अधिक संख्या में निस्तारण हेतु अपने स्तर पर प्री-सिटिंग करने हेतु निर्देशित किया गया एवं अधिक से अधिक मामलों में व्यक्तिगत रूप से रुचि लेते हुए नोटिस जारी करने हेतु निर्देशित किया गया एवं आयोजित हुई लोक अदालत 9 दिसंबर 2023 में सैटल मामलों के सैटलमेंट पेपर गटिड कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में उपस्थित लीड बैंक मैनेजर केनरा बैंक रमन, मुख्य प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक प्रकाश धनराज, मुख्य प्रबंधक, पंजाब नेशनल बैंक, हापड़ गजय सिंह, मुख्य प्रबंधक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आलोक आर्य, शाखा प्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया, राजेन्द्र सिंह, शाखा प्रबंधक, इण्डियन बैंक, सुरेश पाल, शाखा प्रबंधक बैंक ऑफ बडौदा महीपाल सिंह, केनरा बैंक से आयुष गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

सार संक्षेप

लावारिस व मुकदमाती वाहनों की नीलामी कल

मेरठ। उप जिलाधिकारी मवाना ने प्रभारी निरीक्षक थाना मवाना को पत्र प्रेषित करते हुये बताया कि जिलाधिकारी के आदेश हुए है कि थाना मवाना पर दाखिल कार लावारिस वाहनों की नीलामी हेतु तिथि नियत करने हेतु अनुरोध किया गया है तथा कुल 4 वाहनों की सूची भी संलग्न की गयी है। उक्त के संबंध में अदालत कारनामा है कि थाना मवाना पर खड़े 4 लावारिस वाहनों, जिनकी सूची पत्रावली पर उपलब्ध करायी गयी है, की नीलामी दिनांक 9 फरवरी को समय प्रातः 11.00 बजे जिलाधिकारी के आदेश दिनांक 3-0-2024 के क्रम में गठित समिति के द्वारा थाना मवाना परिसर में की जाएगी। उक्त समिति में पुलिस क्षेत्राधिकारी, मुख्य कोषाधिकारी द्वारा नामित अधिकारी, सम्भागीय परिवहन अधिकारी द्वारा नामित अधिकारी तथा संबंधित थानाध्यक्ष समिति के सदस्य होंगे।

मंडल स्तरीय वृहद पशु आरोग्य शिविर मेले का आयोजन दस को

मेरठ। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा. राजेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि पं.दीन दयाल उपाध्याय वृहद पशु आरोग्य शिविर/मेला (मंडल स्तरीय) का आयोजन 10 फरवरी को प्रातः 08.00 बजे से 05.00 बजे तक ग्राम दादरी विकास खंड सरधना जनपद मेरठ में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय भारत सरकार डा. संजीव बालियान होंगे। इस शिविर में निःशुल्क पशु चिकित्सा, पशु बांडूपन चिकित्सा, कृ.ग., वधियाकरण, सामूहिक दवापान, अल्ट्रासाउण्ड मशीन से जांच, पशु शल्य चिकित्सा आदि कार्य किये जायेंगे साथ ही साथ पशुपालक गोष्ठी भी आयोजित की जायेगी, जिसमें पशुपोषक, संरक्षक रोग एवं उनके बचाव, कृ.ग. द्वारा आवारा पशुओं की समस्या के समाधान हेतु सैक्सड सीमन प्रयोग तकनीक, मेटाबोलिक बीमारियों, नवीन शल्य चिकित्सा आदि विषयों पर व्याख्यान होंगे।

जौनपुर में 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

जौनपुर। जौनपुर जिले में जलालपुर थाने की पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ में एक शातिर लुटेरा, गैंगस्टर एक्ट का वाछित व 25 हजार रुपये का इनामी बदमाश गिरफ्तार कर लिया गया है। अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी केराकत गौरव कुमार शर्मा के पर्यवेक्षण में थाना जलालपुर की पुलिस टीम द्वारा लुटेरा व गैंगस्टर एक्ट का 25 हजार रूपय का इनामी वाछित अभियुक्त दिनेश कुमार सोनकर पुत्र छोटेलाल सोनकर निवासी मझगांववाकला थाना जलालपुर, जौनपुर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया।

सूचना

थाना कंकरखड़ा पर पंजीकृत मु.अ.सं. 884/19 धारा 411/413/414/ 420/467/468/120 बी आईपीसी व 166 आईटी एक्ट में आश. मतलब पुत्र फुल उर्फ फजलुरहमान नि. रशीदगंजर थाना ब्रह्मपुरी जिला मेरठ हाल पता घंटा वाली गली थाना लिसाई गेट मेरठ के विरुद्ध मा. न्या. मेरठ से गैर जमानती वारंट एवं धारा 82 सीआरपीसी के अंतर्गत फरार अपराधी घोषित आदेश जारी हो चुका है। अश. मतलब बदस्तूर फरार है। शीघ्र ही संपर्क की कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

कोरोना जैसी अन्य बीमारियों के निदान में माइक्रोबायोलॉजिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका



मेरठ, 7 फरवरी (देशबन्धु)। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग में चल रही सात दिवसीय कार्यशाला के तीसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध प्रमुख वैज्ञानिक प्रोफेसर राजेश पांडेय, इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी दिल्ली रहे। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जितेंद्र सिंह एवं डॉ. लक्ष्मण नागर ने प्रोफेसर राजेश पांडेय जी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। प्रोफेसर राजेश पांडेय व्याख्यान दुनिया में उभरती हुई कोरोना जैसी बीमारियों के निदान में माइक्रोबायोलॉजिस्ट की भूमिका का वर्णन विस्तार से किया। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस जैसी महामारी का नियंत्रण में माइक्रोबायोलॉजिस्टों की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण रही है। इन वैज्ञानिकों ने वायरस के संक्रमण के प्रसंग में अद्वितीय अनुसंधान कर और उनके निदान के नए उपायों की खोज की।

मेरठ मंडल में कृषि निर्यात की हैं अपार संभावनाएं : सेल्वा कुमारी जे.

मेरठ, 7 फरवरी (देशबन्धु)। मेरठ का नीर आदर्श ऑर्गेनिक एफपीओ बनी प्रदेश का पहला निर्यातमूख क्लस्टर, आयुक्त मेरठ मंडल सेल्वा कुमारी जे. की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में मंडलीय कृषि निर्यात निगमानी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उच्च प्रदेश कृषि निर्यात नीति के विषय यथा क्लस्टर गठन निर्यात प्रोत्साहन एवं जीआई टैगिंग आदि के संबंध में राहुल यादव, सहायक कृषि विपणन अधिकारी/सदस्य सचिव, मंडलीय कृषि निर्यात निगमानी समिति, मेरठ मंडल द्वारा बैठक में उपस्थित सदस्यों को विस्तृत जानकारी प्रदान दी गई। मंडलीय कृषि निर्यात की अंतर्गत मंडल से निर्यात को बढ़ावा दिए जाने हेतु समिति से संबंधित विभागों को क्लस्टर निर्माण कर निर्यात को बढ़ावा दिए जाने पर जोर देते हुए निर्देशित किया गया कि जनपद स्तर पर इस हेतु जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में बैठक कर क्लस्टर

मंडलीय कृषि निर्यात निगमानी समिति की समीक्षा बैठक

निर्माण, एफपीओ प्रशिक्षण एवं निर्यात प्रसार संबंधी कार्य किए जाएं। मेरठ मंडल में कृषि निर्यात की अपार संभावनाएं हैं, चूंकि यहां कृषि योग्य उपजाऊ भूमि होने के साथ साथ यहां पर शिक्षा का स्तर भी काफी अच्छा है। राहुल यादव द्वारा अवगत कराया गया कि कृषकों की आय को दोगुना करने के उद्देश्य से वर्ष 2019 में उच्च प्रदेश कृषि निर्यात नीति का गठन हुआ है। इस नीति के अंतर्गत नीर आदर्श ऑर्गेनिक

एफपीओ द्वारा क्लस्टर का निर्माण कर बासमती धान का निर्यात करने पर प्रदेश में प्रथम बार प्रोत्साहन प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ है। बैठक में एफपीओ द्वारा किए गए उल्लेख कार्य एवं इसमें सहयोग देने वाले मेरठ के दीपक मीणा जिलाधिकारी नुरुर गायल, मुख्य विकास अधिकारी, मेरठ, शशांक चौधरी, तत्कालीन मुख्य विकास अधिकारी, मेरठ, राहुल यादव, सहायक कृषि विपणन अधिकारी, मेरठ मंडल, बी पी सिंह, एसएमएमआई, मेरठ, अमरनाथ मिश्रा, संयुक्त कृषि निदेशक, मेरठ मंडल, वृजेश चंद्र, तत्कालीन उप कृषि निदेशक, डॉक्टर रितेश शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, बासमती निर्यात विकास प्रतिष्ठान, मेरठ द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्य हेतु बैठक के अंत में आयुक्त द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन की गई जान

फर्रुखाबाद, 7 फरवरी (देशबन्धु)। मंगलवार देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर जांच पड़ताल की। थाना मेरापुर के राजेन्द्र नगर के एसआर इंटर कालेज के निकट एक बाइक पर तीन सवार युवक संकिसा की तरफ जा रहे थे। तभी किसी अज्ञात वाहन से जोरदार टक्कर लगने से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई लेकिन काफी देर बाद उनकी शिनाख्त अभिषेक पाल पुत्र राजवीर निवासी नगला हिम्मत मोर्चा अलीगंज, अजित पाल पुत्र संतोष पाल व पवन पुत्र किशन पाल निवासी भदरैया जमरथ एटा के रूप में हुई। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष मेरापुर नवीन कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में ले लिया। थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि तीनों की मौत हुई है। शवों को कब्जे में ले लिया गया है। पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

माछरा बीआरसी पर चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन



किठौर/माछरा, 7 फरवरी (देशबन्धु)। बुधवार को बी.आर.सी.माछरा में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत परिपटीय स्कूलों के अध्यापकों का बुनियादी साक्षरता तथा संख्या ज्ञान के लिए चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। बुधवार को माछरा ब्लॉक संसाधन पर चार दिवसीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर आधारित ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण जो कि कक्षा एक से पांच तक के बच्चों लिए अनिवार्य है। प्रथम चरण के दो

बच्चों के ब्लॉक के विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों से पचास पचास शिक्षकों के दो बच्चों को प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षण का समापन माछरा ए.आर.पी. इकबाल अहमद व अमित कुमार ने समान करते हुए बताया कि द्वितीय चरण के दो बच्चों का शुभारंभ कल दिनांक 8 फरवरी से प्रारंभ किया जाएगा आप सभी अध्यापकों ने जो प्रशिक्षण में सीखा है। उसे अपने अपने स्कूलों में जाकर बच्चों को सिखाने का आग्रह किया। वही

शिक्षा विभाग में गंदगी देख विफरे डीएम

फर्रुखाबाद, 7 फरवरी (देशबन्धु)। जिलाधिकारी डॉ.बी.के. सिंह द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के निरीक्षण में गंदगी की भरमार देखी। स्कूल के अधिकांश से अधिक छात्र गए थे। डीएमके आकस्मिक निरीक्षण में शिक्षा विभाग की पोल खुल गई। कार्यालय की साफ सफाई सही नहीं पाई गई। कार्यालय में अंधलेखों के सही तरह से रख रखाव बराबर था। नाराज डीएम ने गंदे पंखों की सफाई, टूटी मेज कुर्सियों को सही करने के लिए निर्देश। सुबह 10.25 तक वित्त एवं लेखा कार्यालय पर ताला लगा था और वित्त एवं लेखाधिकारी अनुपस्थिति थे। गुस्साए डीएम ने वित्त एवं लेखाधिकारी छत्रपाल वर्मा का वेतन रोकने के आदेश दिए। जिलाधिकारी द्वारा कार्यालय परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय पुलिस लाइन नगर क्षेत्र का भी निरीक्षण किया गया। पढ़ाई की स्थिति बहुत खराब पाई गई बच्चों में सामान्य जानकारी का भी अभाव मिला।



■ मेरठ दक्षिण स्थित बालेगंज सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय शास्त्री नगर में आयोजित श्रीमद्र भगवतगीता महायज्ञ परायण में शंखपुरुष को किया गया सम्मानित।
फोटो देशबन्धु

आयोजन शोभित विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

कबड्डी का मैच रहा आकर्षण का केंद्र, खिलाड़ियों ने दिखाया दम

मेरठ, 7 फरवरी (देशबन्धु)। शोभित विश्वविद्यालय में आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं के दूसरे दिन विभिन्न प्रकार के खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें मुख्य रूप से कबड्डी, वॉलीबॉल, शोवात, बास्केटबॉल एवं कैरम, चोस की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसके अलावा इंडोर गेम्स में बैडमिंटन (बॉयज एंड गर्ल्स) कैरम चोस एवं टेबल टेनिस की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिसमें छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

बैडमिंटन गर्ल्स में प्रथम स्थान बोटिक सीएस की छात्रा तनीषा सिरोही ने प्राप्त किया तथा गर्ल्स की खो खो की टीम में प्रथम स्थान प्राप्त किया कप्तान ऋतु उपाध्याय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया गर्ल्स शॉट पुट में पहला स्थान श्री में पहला स्थान था की छात्रा सुरभि तोमर ने प्राप्त किया तथा दूसरा स्थान बोटिक की की छात्रा तनीषा सिरोही ने प्राप्त किया। जैवलिन श्री में प्रथम स्थान कार्तिकेय बीएससी एग्रीकल्चर के छात्र ने प्राप्त किया तथा दूसरा स्थान सागर सोम बीएससी एग्रीकल्चर के छात्र सरवन कुमार ने तथा तीसरा स्थान बोटिक के छात्र विनीत कुमार ने प्राप्त किया।



गर्ल्स डिस्कस श्री में पहला स्थान श्री की छात्रा सुरभि तोमर ने प्राप्त किया। डिस्कस श्री बॉयज में पहला स्थान विशाल शर्मा ने प्राप्त किया तथा दूसरा स्थान भूपेंद्र प्रताप एमएससी के छात्र ने तथा तीसरा स्थान सागर सोम बीएससी एग्रीकल्चर के छात्र ने प्राप्त किया। बास्केटबॉल फाइनल में शोभित

छात्रों ने बढ़ चढ़कर लिया हिस्सा

विविधविद्यालय की हॉस्टल टीम ने वंश शेखर की कप्तानी में डिस्कस की टीम को 53-31 से पराजित किया। चोस में प्रथम स्थान अंशिका दूसरा स्थान अभय कुमार एवं तीसरा स्थान कृष्ण प्रसाद ने प्राप्त किया। गर्ल्स 200 मीटर रस में चितरंगी एमएससी मैथमेंटिक्स की छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया दूसरा स्थान

अनन्या शर्मा ने प्राप्त किया तथा तीसरा स्थान सांविद्या पत्तक ने प्राप्त किया। कैरम बोर्ड सिंगल्स में प्रथम स्थान प्रियांशु जायसवाल तथा दूसरा स्थान रोहित कुमार ने प्राप्त किया। गर्ल्स रिले रेस में प्रथम स्थान वंशिका की टीम ने प्राप्त किया तथा दूसरा स्थान श्रेया की टीम ने प्राप्त किया वहीं रिले रेस बॉयज में शाहरुख की टीम ने प्राप्त किया तथा दूसरा स्थान विनय विकल की टीम ने प्राप्त किया। कबड्डी का मैच बहुत ही कशमकश भरा रहा जिसमें से दो टीमों फहनल में पहुंची जिसमें टीम यूनटी एवं टीम मास्टर्स फहनल में पहुंची जिनका फहनल मैच कल 8 तारिक को होगा। लॉन जब में पहला स्थान देवांश ने प्राप्त किया तथा दूसरा स्थान कार्तिकेय तथा तीसरा केशव ने प्राप्त किया। हाई जंप में दीपक ने पहला स्थान नीतीश ने दूसरा अंकित ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रेरणा दिवस के दूसरे दिन कार्यक्रम को सफल बनाने में, डॉ. विपिन त्यागी, डॉ. शमशाद हुसैन, शुभम शर्मा, डॉ मनोज कुमार, डॉ दीपा राणा, डॉ. आमिर, राजेश पांडे, राज किशोर सिंह, जादीन डॉ नेहा यशवंती, डॉ प्रीती गर्ग, डॉ गार्गी चौधरी, रमन शर्मा, रविंदर धामा, डॉ अजय कुमार त्रिपाठी आदि का विशेष सहयोग रहा।

गुंडई करने वाले चार दबंग गिरफ्तार

फर्रुखाबाद, 7 फरवरी (देशबन्धु)। कोतवाली फतेहाद पुलिस ने सरेंआम गुंडागर्दी कर जाने से मारने की धमकी देने वाले चार दबंग युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कोतवाली फतेहाद की शिव कॉलोनी जेएनवी रोड निवासी नितेश राठौर पुत्र रामप्रताप सिंह उम्र करीब 25 वर्षीय, सिन्धु उर्फ सुखेन्द्र पुत्र रामप्रताप उम्र करीब 34 वर्षीय, रामप्रताप सिंह पुत्र विभवनाथ सिंह उम्र करीब 58 वर्षीय एवं कोतवाली खिबराऊक के ग्राम चंदपुर निवासी 28 वर्षीय रमनेश पुत्र संतोष को काफी मशकत से गिरफ्तार किया। जिनके विरुद्ध कोतवाली फतेहाद के सिपाही शशांकान्त पांडे ने रिपोर्ट दर्ज कराई। अभियुक्तों ने एक राय होकर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हरि श्याम सिंह उपनिवृत मोहम्मद सरताज सिपाही शशांकान्त पांडे एवं आर्य चौधरी पर हमला किया।



माधुरी दीक्षित के साथ काम करना कुछ सीखने जैसा अनुभव है : सुनील शेट्टी

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। एक्टर सुनील शेट्टी, जो 'डॉस दीवाने' में माधुरी दीक्षित नेने के साथ काम कर रहे हैं, ने उनके साथ अपने संबंधों के बारे में खुलकर बात की और कहा है कि उनके साथ काम करना उनके लिए एक सोखने का अनुभव है। सुनील, जिन्होंने पहली बार माधुरी के साथ काम किया है, ने कहा, 'वह मेरी केयर करती हैं, क्योंकि वह जानती थी कि मैं कुछ नया करने जा रहा हूँ। उन्होंने बेहद खुबसूरती के साथ इसे आसान बना दिया है, और सिर्फ उन्होंने ही नहीं, बल्कि टीम और भारती ने मेरी काफी मदद की है।' सुनील ने कहा, 'टीम ने मुझे सिखाया है कि सब कुछ कैसे काम करता है और वे सभी बहुत अच्छे हैं।' माधुरी एक्सप्रेशन और डॉस की क्वीन हैं और उनके साथ काम करना मेरे लिए सोखने का अनुभव है।

'2024 में भारतीयों के लिए शारीरिक, मानसिक कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकताएँ'

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। वर्ष 2024 में भारतीय व्यक्तियों के लिए व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता बनकर उभरा है। यह बात मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में कही गई। अमेरिकन एक्सप्रेस की रिपोर्ट एमेक्स टेंडेक्स, भारत, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जापान, मैक्सिको, यूके और अमेरिका सहित विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। इससे पता चला कि शारीरिक कल्याण (76 प्रतिशत) और व्यक्तिगत वित्त (69 प्रतिशत) भारतीयों के लिए फोकस के शीर्ष क्षेत्र हैं। लगभग 80 प्रतिशत भारतीयों ने 2023 की तुलना में इस वर्ष संकल्पों पर अधिक खर्च करने की योजना बनाई है।

शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने वाले भारतीयों में शीर्ष संकल्पों में स्वस्थ भोजन (73 प्रतिशत), अधिक बाहरी गतिविधियां (63 प्रतिशत) और घरेलू

व्यायाम मशीन प्राप्त करना (51 प्रतिशत) शामिल हैं। व्यक्तिगत वित्तीय लक्ष्य रखने वाले भारतीयों में शीर्ष संकल्पों में बचत बढ़ाना (81 प्रतिशत) और अधिक निवेश करना या निवेश बढ़ाना (75 प्रतिशत) शामिल हैं।

शारीरिक कल्याण (76 प्रतिशत) और व्यक्तिगत वित्त (69 प्रतिशत) भारतीयों के लिए फोकस के शीर्ष क्षेत्र हैं

अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प, भारत के सीईओ और कंट्री मैनेजर, संजय खन्ना ने एक बयान में कहा, 'भारतीय जानते हैं कि एक पूर्ण जीवन जीने और व्यक्तिगत वित्त के लिए प्रतिबद्ध होने के लिए क्या महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा, 'यह एमेक्स टेंडेक्स से स्पष्ट रूप से स्पष्ट है, जो खर्च, बचत और यात्रा सहित उपभोक्ता की बदलती प्राथमिकताओं पर नजर रखता है।'

इसके अलावा, नौकरीपेशा भारतीय कार्यस्थल पर अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कार्य-जीवन संतुलन, लचीले कार्य विकल्प और सहायक

कार्य वातावरण नौकरी की संतुष्टि के लिए शीर्ष चालक के रूप में उभरे हैं। लगभग 80 प्रतिशत भारतीय पिछले वर्षों की तुलना में अब काम पर अपने मानसिक स्वास्थ्य को अधिक प्राथमिकता देते हैं - कार्य-जीवन संतुलन (67 प्रतिशत), लचीले कार्य विकल्प (61 प्रतिशत) और एक सहायक कार्य वातावरण (60 प्रतिशत) नौकरी की संतुष्टि के लिए शीर्ष चालक हैं। लगभग 78 प्रतिशत भारतीयों ने बताया कि उनका कार्यस्थल स्वास्थ्य और कल्याण लाभ प्रदान करता है, और 84 प्रतिशत 2024 में इन लाभों का उपयोग करने की 'बहुत संभावना' रखते हैं। 82 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि यदि कार्यस्थल से समर्थन मिले तो उनके लक्ष्य तक पहुंचने की संभावना अधिक है। भारतीय व्यक्तियों भी इस वर्ष अधिक लाइव खेल आयोजनों का अनुभव लेने के लिए उत्सुक हैं।

अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प, भारत के सीईओ और कंट्री मैनेजर, संजय खन्ना ने एक बयान में कहा, 'भारतीय जानते हैं कि एक पूर्ण जीवन जीने और व्यक्तिगत वित्त के लिए प्रतिबद्ध होने के लिए क्या महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा, 'यह एमेक्स टेंडेक्स से स्पष्ट रूप से स्पष्ट है, जो खर्च, बचत और यात्रा सहित उपभोक्ता की बदलती प्राथमिकताओं पर नजर रखता है।'

इसके अलावा, नौकरीपेशा भारतीय कार्यस्थल पर अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कार्य-जीवन संतुलन, लचीले कार्य विकल्प और सहायक



गुरु रंधावा की पहली फिल्म 'कुछ खट्टा हो जाए' का ट्रेलर आया सामने, 16 फरवरी को होगी रिलीज

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। गुरु रंधावा और सई एम मांजेकर की आगामी फिल्म 'कुछ खट्टा हो जाए' का बुधवार को ट्रेलर जारी किया गया। इस फिल्म के जरिए गुरु रंधावा सिनेमा में कदम रखने जा रहे हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि दो युवा प्रेमी शादी कर रहे हैं, लेकिन, उनके मिलन के बाद उन्हें अजीब स्थिति का सामना करना पड़ता है। कहानी तब और बढ़ जाती है जब गलत गणित के साथ उनके जीवन का आदर्श बन जाता है। लेकिन पता चलता है कि यह एक धोखा था। यह फिल्म आगरा पर आधारित है। कहानी दो प्रेमियों और उनके परिवारों के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए गुरु ने कहा, 'हम सभी ने फिल्म में अपना योगदान दिया है, इस फिल्म में सभी सुपरस्टार हैं, लेकिन, आप लोगों को फिल्म को मेगा सुपरस्टार बनाना है। यह फिल्म एक आम आदमी के जीवन के बारे में है। हम चाहते हैं कि आप सभी फिल्म



देखें और इसका समर्थन करें।' सई ने कहा, 'यह कर सबसे दयालु, मधुर और सबसे मजेदार रहा है और यह स्क्रीन पर दिखता है। ट्रेलर में आप देख सकते हैं कि हमने कितना मजा किया है, हमने फिल्म में कितना प्यार डाला है। मुझे उम्मीद है कि प्यार सौ गुना वापस आएगा। पूरे फिल्मकारों का अनुभव बहुत अच्छा रहा और मैं बहुत खुश हूँ।' फिल्म में अनुपम खेर, इला अरुण और तेलुगु कॉमेडी के दिग्गज

ब्रह्मानंद भी हैं। गुरु जहां आकर्षक दिखते हैं, वहीं सई स्क्रीन पर बेहद खुबसूरत नजर आती हैं। 'कुछ खट्टा हो जाए' गुरु रंधावा के अभिनय करियर की शुरुआत है। यह फिल्म दिल छू लेने वाली पारिवारिक कॉमेडी है। मच फिल्म्स, अनिमत भाटिया और लवीना भाटिया द्वारा निर्मित और जो अनुभव बहुत अचछ रहा और मैं बहुत खुश हूँ।' फिल्म में अनुपम खेर, इला अरुण और तेलुगु कॉमेडी के दिग्गज

ब्रह्मानंद भी हैं। गुरु जहां आकर्षक दिखते हैं, वहीं सई स्क्रीन पर बेहद खुबसूरत नजर आती हैं। 'कुछ खट्टा हो जाए' गुरु रंधावा के अभिनय करियर की शुरुआत है। यह फिल्म दिल छू लेने वाली पारिवारिक कॉमेडी है। मच फिल्म्स, अनिमत भाटिया और लवीना भाटिया द्वारा निर्मित और जो अनुभव बहुत अचछ रहा और मैं बहुत खुश हूँ।' फिल्म में अनुपम खेर, इला अरुण और तेलुगु कॉमेडी के दिग्गज

आध्यात्मिक एकांतवास को लेकर बोली शुभांगी अत्रे, 'यहां की सकारात्मक ऊर्जा ने मेरी आत्मा पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा'

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)।

एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे हाल ही में आध्यात्मिक खोज और आत्म-खोज के लिए कोयंबटूर में शांतिपूर्ण योग और आध्यात्मिक आश्रम गईं। शुभांगी अत्रे को लोकप्रिय शो 'भाबीजी घर पर हैं' में 'अंगूरी भाभी' के किरदार से जाना जाता है। अपने आध्यात्मिक एकांतवास के बारे में बात साझा करते हुए शुभांगी अत्रे ने कहा, 'बाहरी इलाके में जाकर, योग केंद्र में एक दिन बिताने से अनोखी शांति मिली। आश्रम एक शांत विश्राम स्थल के रूप में काम करता है, जिससे मुझे ध्यान करने, योग का अभ्यास करने और ध्यानलिंग के हेर-भरे वातावरण के बीच घूमने का मौका मिला। शाम को, आनंदपूर्ण सभाएं होती हैं, जहां समान विचारधारा वाले लोगों का समूह मेडिटेशन, जप और चर्चाओं के लिए एकत्र होता है। 'कस्तूरी'



एक्ट्रेस ने कहा, 'इससे शरीर और आत्मा को कुशलतापूर्वक पोषण देने, सामंजस्यपूर्ण संतुलन को बढ़ावा देने में सहायता मिली है। आध्यात्मिक माहौल और

सकारात्मक ऊर्जा ने मेरी आत्मा पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा। वहां बिताए गए अपने समय पर विचार करते हुए, मैं आत्म-खोज के गहन क्षणों और आध्यात्मिक

आश्रय के लिए आभारी हूँ। 'इस यात्रा ने मेरे दिल पर एक अमिट छाप छोड़ी है, और मैं भलाई और जुड़ाव को एक नई भावना को ओज बढ़ाती हूँ। परंपरा और समकालीन सुंदरता की अपनी समृद्ध टेपेस्ट्री के साथ, कोयंबटूर वास्तव में एक आत्मा-समृद्ध गंतव्य रहा है।'

कोयंबटूर की खोज के बारे में, शुभांगी ने कहा, कोयंबटूर के स्प्राइट व्यंजनों का आनंद लेना मेरी यात्रा के लिए महत्वपूर्ण था। प्रसिद्ध दक्षिण भारतीय डोसा से लेकर कोथु पोटोडू जैसे स्थानीय विशिष्ट व्यंजनों तक विभिन्न व्यंजनों का अनुभव करना एक खुशी थी। स्थानीय बाजारों की खोज आनंददायक थी, परंपरिक रेशम साड़ियों, हस्तशिल्प और मसालों की खोज अब मेरी समृद्ध यात्रा के यादगार स्मृति चिह्न के रूप में काम कर रही है।'

महिलाओं ने पांचवें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ भारत को गौरवान्वित किया

नई दिल्ली, 7 फरवरी (देशबन्धु)।

मदर इंडियाज क्रोशे क्वीस (एमआईसीक्यू) के लिए यह गर्व का क्षण था जब इस संस्था ने चेरई के कट्टनकुलथुर में एसआरएम विश्वविद्यालय में एक भव्य समारोह में पांचवीं बार प्रतिष्ठित गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड पुरस्कार जीता। यह सब संभव हुआ एमआईसीक्यू की संस्थापक सुबाश्री नटराजन के अथक प्रयासों की वजह से व उनकी टीम के सदस्य रेखा संजीव, प्रेरणा दास व सचिव संगीता साहनी के प्रयासों द्वारा। मानव वास्तव में एक आत्मा-समृद्ध गंतव्य रहा है।'



संस्था का आदर्श वाक्य ही है दुनिया को बेहतर बनाना और हर वर्ग के लोगों तक पहुंचाना है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड कार्यक्रम के लिए आउटरीच गतिविधियों को मुख्य विचारक डॉ. जे.पी. सिंह साहनी द्वारा समर्थित किया जाता है, उनका कहना है कि हर साल लगभग 2.3 मिलियन महिलाओं में स्तन कैंसर का पता चलता है, जिससे यह दुनिया में सभी वयस्कों को प्रभावित करने वाला सबसे आम प्रकार का कैंसर बन जाता है जिसमें 95 फीसदी देशों में, स्तन कैंसर महिला कैंसर

से संबंधित मृत्यु का पहला या दूसरा प्रमुख कारण है। जिसमें कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में स्तन कैंसर से बचने की दर केवल 50 फीसदी तक है। स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं को प्रारंभिक चरण से ही सर्वोत्तम देखभाल मिलती है तो लगभग 90 फीसदी से अधिक जीवित रहना संभव है यू.एन एजेंसीज ग्लोबल ब्रेस्ट कैंसर इनिशिएटिव का लक्ष्य स्तन कैंसर से होने वाली मृत्यु दर को प्रति वर्ष 2.5 फीसदी कम करना है।

'आर्या' में मेरी भूमिका पहले से परिपक्व : आरुषि बजाज

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। ओटीटी वेब सीरीज 'आर्या' में अरु का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री आरुषि बजाज ने अपनी भूमिका के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि इस बार मेरा किरदार पहले से परिपक्व है। शो में अरु की एक डापोक और टूटे हुए दिल वाले किरदार को अब एक मजबूत, स्वतंत्र महिला बनने की यात्रा पर दिखाया गया है। जो निडर होकर अपनी राय रखती है। 'आर्या' अंतिम चरण में उनका आत्मविश्वास नई ऊंचाइयों पर पहुंचता है। आरुषि ने कहा, 'यह अरु के लिए एक रोलेकोस्टर की तरह है क्योंकि वह अपने परिवार, पुलिस और अपने प्यार के खिलाफ लड़ती है। आखिरकार वह जरूरत पड़े पर उनके लिए भी खड़ी होती है, अपनी जमीन बरकरार रखती है। यह उतार-चढ़ाव के साथ काफी पथरीली राह है, लेकिन वह बड़ी हो जाती है।' उन्होंने कहा, 'इस सीजन में अरु को पहले से ज्यादा निडर दिखाया गया है। जो वास्तव में स्थिति को स्वीकार करती है और समझती है।' 'आर्या' अंतिम चरण 9 फरवरी से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग होगा।

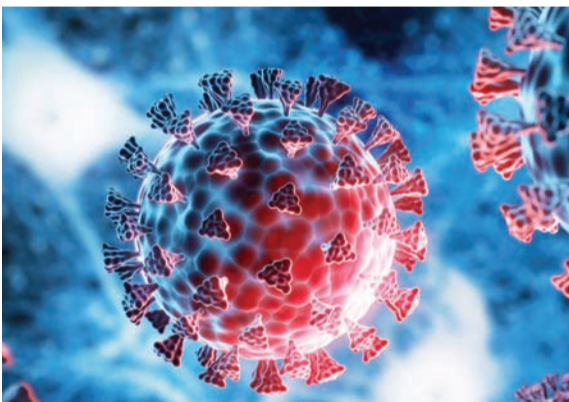


मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। एमएमआईसीक्यू के लिए यह गर्व का क्षण था जब इस संस्था ने चेरई के कट्टनकुलथुर में एसआरएम विश्वविद्यालय में एक भव्य समारोह में पांचवीं बार प्रतिष्ठित गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड पुरस्कार जीता। यह सब संभव हुआ एमआईसीक्यू की संस्थापक सुबाश्री नटराजन के अथक प्रयासों की वजह से व उनकी टीम के सदस्य रेखा संजीव, प्रेरणा दास व सचिव संगीता साहनी के प्रयासों द्वारा। मानव वास्तव में एक आत्मा-समृद्ध गंतव्य रहा है।'

कोविड से जान गंवाने वाले कई लोगों का नाम मृतकों के आंकड़ों में नहीं किया गया शामिल

न्यूयॉर्क, 7 फरवरी (एजेंसियां)।

एक नए अध्ययन के मुताबिक, पुरानी बीमारियों और अन्य प्राकृतिक कारणों से अत्यधिक मृत्यु दर वास्तव में कोविड-19 संक्रमण के कारण थी। अतिरिक्त मृत्यु दर उन मौतों का अनुमान प्रदान करती है, जो सामान्य गैर-महामारी स्थितियों के तहत नहीं होतीं। हालांकि, अभी-भी इस बात के बहुत कम सबूत हैं कि क्या सास-कोव-2 वायरस ने अतिरिक्त मौतों में योगदान दिया या क्या ये मौतें अन्य कारणों से हुईं। बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ (बीयूपएसपीएच) और पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय (यूपेन) के नेतृत्व में नया अध्ययन पहला ठोस डेटा प्रदान करता है, जो दर्शाता है कि इनमें से कई अतिरिक्त मौतें असल में कोविड से हुई थीं। पीएनएस जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में रिपोर्ट की गई कोविड से होने



वाली मौतों की तुलना बीमारियों और पुरानी बीमारियों जैसे गैर-कोविड प्राकृतिक कारणों से हुई अधिक मौतों से की गई। उन्होंने पाया कि गैर-कोविड से अधिक मौतों में वृद्धि उसी समय हुई या अधिकांश अमेरिकी कार्टीडियों में रिपोर्ट की गई कोविड से होने वाली मौतों में वृद्धि से पहले के महीने में हुई। सर्व-कारण अतिरिक्त मृत्यु अनुमानों के

स्वास्थ्य के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एंड्रयू स्टोक्स ने कहा, 'हमारे निष्कर्षों से पता चलता है कि महामारी के दौरान कई कोविड-19 मौतों की गिनती नहीं की गई। हैरानी की बात यह है कि ये कम संख्याएं महामारी के शुरूआती चरण के बाद भी जारी रहें।'

उन्होंने कहा कि रिपोर्ट की गई कोविड से होने वाली मौतों और गैर-कोविड प्राकृतिक कारणों से हुई अधिक मौतों के बीच अस्थायी संबंध इन मौतों के कारणों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। 'हमने गैर-कोविड -19 से अधिक मौतों को उसी महीने या उससे पहले के महीने में देखा, जिस महीने में कोविड-19 से मौतें हुई थीं। एक पैटर्न इन गैर-कोविड -19 मौतों के अनुरूप था, जो कम सामुदायिक जागरूकता और कोविड-19 की कमी के कारण छूट गए थे।'

आईएचजीएफ दिल्ली मेला-सिंघ्र में राजस्थान के उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री हुए शामिल

ग्रेटर नोएडा, 7 फरवरी (देशबन्धु)।

इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आईएचजीएफ दिल्ली मेले - सिंघ्र 2024 के 57वें संस्करण का दूसरा दिन कई देशों के खरीदारों

तीन गुना यानी शतगुना तीस तक हासिल करने के इंपीसीएच के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को साझा किया। आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि किसी भी उद्योग के



नेटवर्किंग और व्यापार के लिए मेले में शिरकात की। दूसरे दिन राजस्थान सरकार के राज्य मंत्री, उद्योग और वाणिज्य विभाग, युवा मामलों और खेल विभाग, कौशल, योजना और उद्यमिता विभाग, नीति निर्माण विभाग, के.के. बिस्नोई ने मेले का दौरा किया और आयोजकों के साथ-साथ प्रदर्शकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विरासत समर्थित और

मेले में नॉलेज सेमिनार और बिजनेस नेटवर्किंग के साथ फैशन शो का हुआ आयोजन लिए लोग, मानव संसाधन और जनशक्ति सबसे महत्वपूर्ण हैं। हस्तशिल्प उद्योग में कारीगरों और शिल्पकारों की अपनी हिस्सेदारी है, सही प्रशिक्षण और मौलिक ज्ञान वाले कर्मों भी इसके कार्य और विकास में

जनवरी में वेज थाली की कीमतें बढ़ीं नॉन-वेज भोजन की कीमतें घटीं

चेन्नई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। फ्रान्सिस् मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, शाकाहारीयों ने अपने घरों में प्याज, टमाटर, चावल और दालों के लिए अधिक कीमत चुकाने के कारण जनवरी 2023 की तुलना में जनवरी 2024 में प्रति थाली 5 प्रतिशत अधिक खर्च किया।

दूसरी ओर, जनवरी 2023 में प्रचलित दरों की तुलना में चिकन की कीमत में लगभग 26 प्रतिशत की कमी के कारण घर में पकाई गई मांसाहारी थाली की कीमत में पिछले महीने 13 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। प्याज और टमाटर की कीमतों में क्रमशः 35 फीसदी और 20 न की वृद्धि के कारण शाकाहारी थाली की लागत में वृद्धि दर्ज की

गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि चावल (सब्जी थाली की लागत का 12 न हिस्सा) और दालों (9 फीसदी) की कीमतों में भी क्रमशः 14 फीसदी और 21 फीसदी की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, नॉन-वेज थाली की कीमत में कमी उच्च उत्पादन के बीच बायलर की कीमतों में साल-दर-साल 1 ल न ग 1 ल 2 6

फीसदी की गिरावट के कारण हुई। शाकाहारी और मांसाहारी दोनों के लिए राहत की बात यह है कि दिसंबर 2023 की तुलना में जनवरी 2024 में उनकी थालियों की कीमत क्रमशः 6 फीसदी और 8 फीसदी गिर गई। क्रिसिल की रिपोर्ट में कहा गया है, 'निर्यात पर अंकुश, उत्तरी और पूर्वी राज्यों से ताजा टमाटर की आवक के बीच प्याज की अधिक घरेलू आपूर्ति के लिए, प्याज और टमाटर की कीमतों में क्रमशः 26 न और 16 फीसदी की कमी के कारण नरमी आई। बायलर की कीमतों में महीने-दर-महीने 8-10 फीसदी की गिरावट के कारण नॉन-वेज थाली की लागत में तेजी से गिरावट आई, जो लागत का लगभग 50 फीसदी है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने शाकाहारी थाली तैयार करने की लागत लगभग 28 रुपये (दिसंबर- 23 29.7 रुपये, जनवरी-23 26.6 रुपये) थी, जबकि मांसाहारी थाली की लागत 52 रुपये (दिसंबर 23 56.4 रुपये, जनवरी 23 59.9) थी।



आदिवि शेष-स्टारर 'गुडाचारी 2' में नजर आएंगे इमरान हाशमी

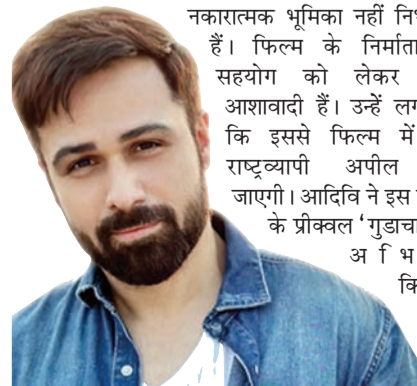
मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)।

'टाइगर 3' में एक खतरनाक भूमिका निभाने वाले अभिनेता इमरान हाशमी आगामी जासूसी एक्शन थ्रिलर 'गुडाचारी 2' में नजर आएंगे। सूत्रों के मुताबिक, ऐसा कहा जा रहा है कि इमरान हाशमी पैर-इंडिया फिल्म में आदिवि शेष के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे। इमरान को समानांतर लीड के रूप में देखा जाएगा, चर्चा है कि वह इसमें नकारात्मक भूमिका नहीं निभा रहे हैं। फिल्म के निर्माता इस सहयोग को लेकर बेहद आशावादी हैं। उन्होंने लगता है कि इससे फिल्म में एक राष्ट्रव्यापी अपील जुड़ जाएगी। आदिवि ने इस फिल्म के प्रोब्लेम 'गुडाचारी 2' में अिभनय किया।



समसाधिक विविधता के साथ सुंदर रचना, उस विशाल खजाने का उदाहरण देती है जिस पर इस उद्योग को गर्व है। मैं इतनी बड़ी संख्या में, विशेषकर छोटे और मध्यम प्रदर्शकों और संस्थाएं, जो अपनी कड़ी मेहनत, रचनात्मकता और उद्यमों के साथ भारत के सुदूर क्षेत्रों से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ाने में सक्षम हैं उन्हें आईएचजीएफ दिल्ली मेले का मंच प्रदान करने में इंपीसीएच की भूमिका की सराहना करता हूँ। इंपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद ने 2030 तक हस्तशिल्प निर्यात को मौजूदा स्तर से

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दिशा में, हस्तशिल्प निर्यात प्रबंधन अध्ययन केंद्र, जिसे लोकप्रिय रूप से सीएचईएमएस (चेम्स) के नाम से जाना जाता है, 2019 में इंपीसीएच द्वारा लांन्च किया गया था। इस केंद्र में चल रहे पाठ्यक्रम प्लेसमेंट सहायता प्रदान करते हैं और पाठ्यक्रम के निर्यात को बढ़ाने में सक्षम हैं उन्हें आईएचजीएफ दिल्ली मेले का मंच प्रदान करने में इंपीसीएच की भूमिका की सराहना करता हूँ। इंपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद ने 2030 तक हस्तशिल्प निर्यात को मौजूदा स्तर से



सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर	
एसबीआई	3.78 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	2.12 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.77 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.76 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	1.68 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
पावरग्रिड	2.33 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	2.31 प्रतिशत
इंफोसिस	2.06 प्रतिशत
टीसीएस	1.22 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.11 प्रतिशत

सर्किफा	
सोना (प्रति दस ग्राम) स्टैंडर्ड	47,310
बिंदू	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
वांछी (प्रति किलो) टच हाज़िर	70,096
वायदा	70,183
चांदी रिजका तिवाली	870
विजवाली	880

मुद्रा विनिमय		
मुद्रा	क्रय	शिक्य
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
चीन युआन	88.24	13.38

अनाज	
दही गेहूं एम्पी	2400-3800
गेहूं खा	2750-2850
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
कोकर	2000-2100

मोटा आनाज	
बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काजूली चना	3500-4000

शुगर	
वीपी एस	3590-3690
वीपी एम	4150-4250
मिल डिलीवरी	3470-3570
गुड	4600-4700

दाल-दलहन	
चना	5500-5600
दाल चना	6500-6600
मसूर काली	7350-7450
उड़द दाल	10000-10100
गुड़ दाल	9550-9650
अरहर दाल	12500-12600

सेंसेक्स में गिरावट, निफ्टी सपाट

मुंबई 7 फरवरी (एजेंसियाँ)। विश्व बाजार की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक और सर्विसेज समेत छह समूहों में हुई विकवाली से आज सेंसेक्स में गिरावट का रुख रहा।
बीएसई का तीस शेयरों वाला सेक्टर सूचकांक सेंसेक्स 34.09 अंक फिसलकर 72,152.00 अंक रह गया जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी मामूली बढ़त के साथ 21,930.50 अंक पर सपाट बंद हुआ। वहीं, दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली हुई, जिससे बीएसई का मिडकैप 1.31 प्रतिशत की छलांग लगाकर 39,863.75 अंक और स्मॉलकैप 0.38 प्रतिशत बढ़कर 46,484.65 अंक हो गया।
इस दौरान बीएसई में कुल 3959 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2262 में तेजी जबकि 1610 में गिरावट रही वहीं 87 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 29 कंपनियों में कारोबार हुआ, जिनमें से 21 लाल निशान पर बंद हुई। बीएसई के छह समूहों में विकवाली जबकि 14 अन्य समूहों में लिवाली हुई। इससे आईटी 1.18, टेक 0.97, सर्विसेज 0.81, ऑटो 0.06, कैपिटल गुड्स 0.31 और तेल एवं गैस समूह के शेयर 0.07 प्रतिशत गिर गए जबकि रिजल्टी 1.96, दूरसंचार 1.18, कॉमोडिटीज 0.50, सीडी 0.89, वित्तीय सेवाएं 0.76, यूटिलिटीज 0.75, बैंकिंग 0.60, कंप्यूटर हार्डवेयर 0.48, धातु 0.59 और पावर समूह के शेयरों में 0.92 प्रतिशत की तेजी रही।

जिसों में टिकाव

नई दिल्ली 7 फरवरी (एजेंसियाँ)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर मांग सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिन बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिसों में टिकाव रहा।
तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव्स एक्सचेंज में फरवरी का पाम ऑयल वायदा 42 रिपिट चढ़कर 3905 रिपिट प्रति टन हो गया। वहीं, फरवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.01 सेंट की फिसलकर 45.93 सेंट प्रति पींड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाईंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।
गुड़-चीनी : मोटे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।
दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।
अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूँ के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।
दाल-दलहन : चना 5650-5750, दाल चना 6650-6750, मसूर काली 7350-7450, मूंग दाल 9900-10000, उड़द दाल 10400-10500, अरहर दाल 12000-12100 रुपये प्रति क्विंटल रहे।
अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूँ दूढ़ 2600-2700 रुपये और चावल : 2800-2900 रुपये प्रति क्विंटल रहा।
चीनी-गुड़ : चीनी एस 3740-3840, चीनी एम. 4150-4250, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4550-4650 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

अर्थ जगत

पिछले 10 वर्षों में मोबाइल फोन विनिर्माण में आई तेजी : चंद्रशेखर

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियाँ)। सरकार ने बुधवार को कहा कि मोबाइल फोन विनिर्माण 2014-15 में अनुमानित 18,900 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में अनुमानित 3,50,000 करोड़ रुपये हो गया है, जिससे उत्पादन में 1,700 प्रतिशत से अधिक की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई है।
लोकसभा में प्रश्न का जवाब देते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा, एक महत्वहीन वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति चक्र से अब भारत तीव्र गति से महत्वपूर्ण और विश्वसनीय स्वामित्व के रूप में इलेक्ट्रॉनिक्स वैश्विक मूल्य श्रृंखला में सामने आ रहा है। मंत्री ने आगे कहा, हमारे घरेलू विनिर्माण को आयात प्रतिस्थापन से निर्यात-आधारित विनिर्माण में बदलने के लिए सरकार ने मैकेनिक्स, डार्क-कॉर्ट पार्स और अन्य श्रेणी के अंतर्गत आने वाले सामानों पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) को 10 प्रतिशत



(15 प्रतिशत से) कम कर दिया है। भारत अब विश्व में मोबाइल का सबसे बड़ा उत्पादक देश बनकर उभर रहा है।
चंद्रशेखर ने आगे कहा, मोबाइल फोन का निर्यात भी 2014-15 में अनुमानित 1,566 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में अनुमानित 90,000 करोड़ रुपये हो गया है, जिससे निर्यात में 5,600 प्रतिशत से अधिक की प्रभावशाली वृद्धि हुई है। सरकार का 2026 तक 300 अरब डॉलर के घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण

हमारे घरेलू विनिर्माण को आयात प्रतिस्थापन से निर्यात-आधारित विनिर्माण में बदलने के लिए सरकार ने मैकेनिक्स, डार्क-कॉर्ट पार्स और अन्य श्रेणी के अंतर्गत आने वाले सामानों पर मूल सीमा शुल्क बीसीडी को 10 प्रतिशत, 15 प्रतिशत से कम कर दिया है। - राजीव चंद्रशेखर

को कम कर दिया है। लगभग 75 बिलियन डॉलर के मौजूदा स्तर से 300 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन तक पहुंचने की रणनीति भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को ब्यापक और गहरा करने पर बनाई गई है।
मंत्री ने इस बात पर जोर दिया, इसे वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माताओं/ब्रांडों को आकर्षित करने, सब-असेंबली और कंपोनेंट इकोसिस्टम, डिजाइन इकोसिस्टम को बेहतर करने, भारतीय चैंपियनों का

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

माइक्रोसॉफ्ट भारत को एआई वर्ल्ड लीडर बनने में मदद करेगा : सत्या नडेला

मुंबई, 7 फरवरी (आईएनएस)। भारत अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यात्रा शुरू कर रहा है। ऐसे में माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्या नडेला ने बुधवार को कहा, कंपनी एआई वर्कफोर्स को बढ़ावा देकर और हर सेक्टर और इंडस्ट्री को एआई के साथ बदलने के लिए सशक्त बनाकर देश को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगा। अपने संबोधन के दौरान, नडेला ने घोषणा की कि माइक्रोसॉफ्ट 2025 तक भारत में 2 मिलियन लोगों को एआई स्किलिंग के अवसर प्रदान करेगा, ताकि एआई युग में भारत की क्षमता को मजबूत किया जा सके।
नडेला ने कहा, भारत एआई के वादे की हकीकत में बदलने की स्थिति में है। हम देश के एआई स्किल्स गैप को कम करने और पूरे देश में नए अवसर पैदा करने में मदद करने के लिए पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर में व्यापक रूप से साझेदारी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नडेला ने कहा, माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट, कंपनी के अन्य एआई सॉल्यूशन के साथ, लोगों और संगठनों को तेजी से आगे बढ़ाने और बेहतर क्वालिटी के साथ काम पूरा करने में मदद कर उनके लिए प्रोडक्टिविटी बढ़ा रहा है। भारत में कई संगठन पहले से ही माइक्रोसॉफ्ट 365 और गिटहब कोपायलट के लिए कोपायलट का उपयोग कर इनोवेशन में तेजी ला रहे हैं, जैसे एक्सिस बैंक, इंफोसिस, एचसीएल टेक, एलटीआईमाइंडट्री और अन्य। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि भारत में संगठनों को एआई प्रोजेक्ट्स पर खर्च किए गए प्रत्येक अमेरिकी डॉलर पर औसतन 3.86 डॉलर का रिटर्न मिल रहा है, और 150 से ज्यादा संगठन पहले से ही कृषि, विमानन, ईकोमर्स और तेजी से बढ़ते उपभोक्ता वस्तुओं जैसे इंडस्ट्री में एच्योर ओपनएआई सर्विस के साथ इनोवेशन कर रहे हैं। फ्लैग कैरियर एयरलाइंस एयर इंडिया ने एआईजी नामक एक जेनेरेटिव एआई वर्चुअल एजेंट तैनात किया है। मार्च 2023 में लॉन्च होने के बाद से इसने पांच लाख से अधिक ग्राहकों के सवालों का सफलतापूर्वक उत्तर दिया है, और चार भाषाओं में एक दिन में 6,000 से ज्यादा सवालों का प्रबंधन करता है।



नडेला ने कहा, भारत एआई के वादे की हकीकत में बदलने की स्थिति में है। हम देश के एआई स्किल्स गैप को कम करने और पूरे देश में नए अवसर पैदा करने में मदद करने के लिए पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर में व्यापक रूप से साझेदारी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नडेला ने कहा, माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट, कंपनी के अन्य एआई सॉल्यूशन के साथ, लोगों और संगठनों को तेजी से आगे बढ़ाने और बेहतर क्वालिटी के साथ काम पूरा करने में मदद कर उनके लिए प्रोडक्टिविटी बढ़ा रहा है। भारत में कई संगठन पहले से ही माइक्रोसॉफ्ट 365 और गिटहब कोपायलट के लिए कोपायलट का उपयोग कर इनोवेशन में तेजी ला रहे हैं, जैसे एक्सिस बैंक, इंफोसिस, एचसीएल टेक, एलटीआईमाइंडट्री और अन्य। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि भारत में संगठनों को एआई प्रोजेक्ट्स पर खर्च किए गए प्रत्येक अमेरिकी डॉलर पर औसतन 3.86 डॉलर का रिटर्न मिल रहा है, और 150 से ज्यादा संगठन पहले से ही कृषि, विमानन, ईकोमर्स और तेजी से बढ़ते उपभोक्ता वस्तुओं जैसे इंडस्ट्री में एच्योर ओपनएआई सर्विस के साथ इनोवेशन कर रहे हैं। फ्लैग कैरियर एयरलाइंस एयर इंडिया ने एआईजी नामक एक जेनेरेटिव एआई वर्चुअल एजेंट तैनात किया है। मार्च 2023 में लॉन्च होने के बाद से इसने पांच लाख से अधिक ग्राहकों के सवालों का सफलतापूर्वक उत्तर दिया है, और चार भाषाओं में एक दिन में 6,000 से ज्यादा सवालों का प्रबंधन करता है।

डेट नाइट इन राइट! इस वॉलेंटाइन-डे पर अमेजन फैशन के साथ बनाइए हर पल फैशननेबल

नई दिल्ली 7 फरवरी (एजेंसियाँ)। प्यार का मौसम जैसे-जैसे हमारे दिलों पर छाने लगा है, वैसे-वैसे अपने प्यार के इजहार के लिए वॉलेंटाइन डे एक आदर्श मौके के रूप में सामने आ रहा है। यह प्यार का त्योहार है और आप उनसे कितना प्यार करते हैं, इसका इजहार करने के लिए कुछ बेहतरीन लफ्जों और कुछ खास गिफ्ट्स की जरूरत होती है। इस मौके पर अमेजन फैशन आपके गिफ्टिंग के अनुभव को और भी बेहतर बनाने के लिए एक खास जगह है। अमेजन फैशन पर 1200 से अधिक ब्रांडों की ओर से पेश किए गए 45 लाख से अधिक स्टाइल के साथ विशाल संग्रह उपलब्ध है। चाहे आप सदाबहार खुबसूरती को तलाश में हों, या केजुअल परिधान या ट्रेंडी प्रोडक्ट खरीदना चाह रहे हों, अमेजन फैशन ने आपके लिए एक ऐसा संग्रह तैयार किया है जो आपको विभिन्न प्रकार की पसंदों और प्राथमिकताओं को पूरा करता है। चाहे आपका सबसे पसंदीदा इंसान आपका जीवनसाथी हो, प्रिय मित्र हो, या परिवार का कोई सदस्य हो, आप उसके लिए एक ऐसा बेहतरीन गिफ्ट खरीदें, जो उनकी अनूठी स्टाइल और व्यक्तित्व को दर्शाता है। आप अमेजन स्टर पर वेरो मोडा, टॉमी हिल्फिगर, क्लॉक्स, हरा पीपी, फॉसिल, कैसियो, लवी, जौक आदि टॉप ब्रांडों के परिधान, जूते, हैंडबैग, घड़ियों पर 70 प्रतिशत तक की छूट का आनंद ले सकते हैं। आप अपना सामान और अपने फ्रियज का 'हर पल फैशननेबल' बनाने के लिए वैन ब्रुसेने, एरो, मोचो, ट्रेसमोड, जीआईवीए, वॉयला, नीमस, अरमानो एक्सचेंज और ह्युगो बॉस जैसे टॉप ब्रांडों के परिधान, बैग, एक्ससेसरीज, घड़ियाँ और फ्रेगेंस को एक विस्तृत श्रृंखला में खरीदारी कर सकते हैं।

माँस्को द्वारा इक्वाडोर से खरीद बंद करने के बाद भारत ने रूस को केले का निर्यात शुरू किया

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियाँ)। भारत ने भविष्य में निर्यात बढ़ाने की योजना के साथ रूस को केले की आपूर्ति शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्टों में यह बात कही गई है। रूस पहले इक्वाडोर से बड़े मात्रा में केले आयात कर रहा था, लेकिन उत्पाद दूषित पाये जाने के बाद उसने लैटिन अमेरिकी देश से फल खरीदना बंद करने का फैसला किया है। रिपोर्ट में पशु चिकित्सा और फाइटोसैनिटरी पर्यवेक्षण की रूसी संघीय सेवा के हवाले से बताया गया है, भारत से केले की पहली खरीद जून 2024 में रूस पहुंची, अगली आपूर्ति इस फरवरी के अंत तक करने की योजना है। रूसी बाजार में भारतीय केले के निर्यात की मात्रा भविष्य में बढ़ जाएगी। कुछ मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, माँस्को ने इक्वाडोर द्वारा रूस से खरीदे गए सैन्य उपकरणों को



रूस पहले इक्वाडोर से बड़ी मात्रा में केले आयात कर रहा था
उत्पाद दूषित पाये जाने के बाद रूस ने केले का निर्यात शुरू किया

यूक्रेन को आगे की आपूर्ति के लिए अमेरिका भेजने पर कड़ी आपत्ति जताई है। इक्वाडोर से केले के आयात को रोकने के निर्णय को इसी घटनाक्रम के नतीजे के रूप में देखा जा रहा है।

हालाँकि, रूसी अधिकारियों ने देश से आयात रोकने के कारण के रूप में इक्वाडोर के साथ राजनयिक मतभेदों का उल्लेख नहीं किया। रूस के खाद्य सुरक्षा प्रहरी ने देश के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के पाद संरक्षण, संसोध और भंडारण निदेशालय के प्रतिनिधियों के साथ भारत से रूस को फलों की आपूर्ति से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय पक्ष ने रूसी बाजार में फलों की आपूर्ति की सीमा के विस्तार में रुचि व्यक्त की। संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, भारत दुनिया में केले का सबसे बड़ा उत्पादक है। वर्ष 2023 में यहाँ 3.3 करोड़ टन केले का उत्पादन किया, इसके बाद चीन (1.2 करोड़ टन), और इंडोनेशिया (87 लाख टन) का स्थान है।

स्पेन यात्रा लाभदायक रही, 3,440 करोड़ के निवेश के समझौतों पर हस्ताक्षर किए : स्टालिन

चेन्नई, 7 फरवरी (एजेंसियाँ)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को कहा कि उनकी आठ दिवसीय स्पेन यात्रा लाभदायक रही। यात्रा के दौरान 3,440 करोड़ रुपये के निवेश के समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।
स्टालिन ने चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्हें राज्य में और अधिक निवेश आने की उम्मीद है। जर्मन शिपिंग और क्रेनर परिवहन प्रमुख हापाग-लॉयड एजी ने 2,500 करोड़ रुपये के निवेश के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

तकनीकी शिक्षण, अनुसंधान उपकरण डिजाइन और निर्माण करने वाली स्पेन स्थित एडिबॉन ने 540 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एक समझौता भी किया है। स्पेन की सैनटरी कंपनी रोकोटो राज्य में 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

एमके स्टालिन ने कहा कि उन्होंने एक्सओना, एबर्टिस, गेस्टैप और टेल्यो सहित कई अन्य कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठकों की और उन्हें उद्योग जागत के नेताओं, स्पेन के वित्त और वाणिज्य मंत्रालयों के अधिकारियों से भी मिलने का अवसर मिला।
2024 के आम चुनाव में एनडीए के 400 सीटें जीतने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर एक सवाल के जवाब में स्टालिन ने कहा, यदि प्रधानमंत्री सभ्य 543 सीटों पर एनडीए की जीत का दावा करें तो आश्चर्य नहीं होगा।
उन्होंने अभिनेता विजय के राजनीतिक पार्टी बनाने और राजनीति में शामिल होने के फैसले का भी स्वागत किया। उनका कहना है कि जब भी कोई लोगों की सेवा के लिए राजनीति में आता है तो उन्हें खुशी होती है।



मोदी सरकार के एजेडे में रेलवे का विकास भी प्राथमिकता में है। रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण, वर्ल्ड क्लास स्टेशनों का निर्माण, रेलवे स्टेशनों और खासकर ट्रेनों की साफ-सफाई, रेलवे ट्रेकों का विद्युतीकरण, नाए रेलवे ट्रेक बिछाना आदि के साथ यात्रियों की सुविधाओं के ध्यान में रखते हुए सुपर फास्ट ट्रेनों के परिचालन की भी सरकार का जोर रहा है। ऐसे में रेल मंत्रालय की मां में तो 31 जनवरी 2024 तक 82 वंदे भारत ट्रेन भारतीय रेलवे में शामिल कर दी गई हैं। जिसके जरिए ब्रॉड गेज की कुल आंक्युपेसी 9.6.62 प्रतिशत है। वंदे भारत ट्रेनों की सुविधाओं को और उन्नत बनाए जाने पर काम किया जा रहा है। अभी भी वे ट्रेनों पूरी तरह से यात्रियों की आरामदायक यात्रा, उनकी सुरक्षा, स्वच्छता दरवाजे, बेहतरीन सीटों के साथ ही आरामदायक बैठने की व्यवस्था, मोबाइल, लैपटॉप चार्जिंग के लिए प्रत्येक सीट के साथ सॉकेट के साथ ही कवच प्रणाली से सुसज्जित है। रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

वैश्विक तेल मांग में वृद्धि का नेतृत्व करने के लिए तैयार भारत : आईईए

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियाँ)। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब से 2030 के बीच वैश्विक तेल मांग में वृद्धि का सबसे बड़ा स्रोत बन जाएगा। बुधवार को गोवा में भारत ऊर्जा सप्ताह 2024 के दूसरे संस्करण में जारी आईईए की '%ईंडियन ऑयल मार्केट आउटलुक टू 2030%' रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक तेल बाजार में भारत की भूमिका शेष दशक में काफी हद तक बढ़ने की उम्मीद है।
रिपोर्ट के अनुसार, शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, गतिशीलता और पर्यटन के लिए तैयार एक अमीर मध्यम वर्ग का उदय, साथ ही स्वच्छ खाना पकाने तक अधिक पहुंच प्राप्त करने के प्रयास, तेल की मांग में बढ़ावा देंगे। भारत लगभग 1.2 मिलियन बैरल प्रति दिन (एमबी/डी) की वृद्धि दर्ज करने की राह पर है, जो अनुमानित वैश्विक आधार पर 3.2 एमबी/डी के एक तिहाई से अधिक है, जो 2030 तक 6.6 एमबी/डी तक पहुंच जाएगा।
इसके अलावा रिपोर्ट में पाया गया कि बड़े पैमाने पर औद्योगिक विस्तार का मतलब है कि मांग में वृद्धि का सबसे बड़ा स्रोत



डीजल/गैसऑयल है, जो देश की मांग में लगभग आधी वृद्धि और 2030 तक कुल वैश्विक तेल मांग वृद्धि के छठे हिस्से से अधिक है। इसके अलावा, जेट-केरोसीन की मांग औसतन लगभग 5.9 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से, लेकिन अन्य देशों की तुलना में कम आधार पर, जोरदार ढंग से बढ़ने की ओर अग्रसर है। गैसोलीन में औसतन 0.7 प्रतिशत की वृद्धि होगी क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहन अपनी रफ्तार से बढ़ रहे हैं।
रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण आबादी के लिए स्वच्छ खाना पकाने में भारत सरकार की विश्व-अग्रणी प्रगति के कारण पिछले दशक में एलपीजी आयात लगभग तीन गुना बढ़ गया है

और आगे की पहल से 2030 तक मांग में वृद्धि जारी रहेगी। रिपोर्ट बताती है कि भारतीय तेल कंपनियों घरेलू तेल मांग में वृद्धि को पूरा करने के लिए रिफाइनिंग में भारी निवेश कर रही हैं। अगले सात वर्षों में, 1 एमबी/दिन नई रिफाइनरी क्षमता जोड़ी जाएगी जो चीन के बाहर दुनिया के किसी भी अन्य देश से अधिक है।
रिपोर्ट में कहा गया है कि कई अन्य बड़ी परियोजनाएं वर्तमान में विचारधीन हैं जो 6.8 एमबी/डी से अधिक की क्षमता बढ़ा सकती हैं, जिसकी हम अब तक उम्मीद करते हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि, संयुक्त रूप से, नए ईवी और ऊर्जा दक्षता में सुधार से 2023-2030 की अवधि में 480 केबी/डी अतिरिक्त तेल की मांग से बचा जा सकेगा।
रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के परिवहन क्षेत्र के डीकार्बोनाइज़ेशन में जैव ईंधन की भी महत्वपूर्ण भूमिका होने की उम्मीद है। भारत की इथेनॉल मिश्रण दर लगभग 12 प्रतिशत दुनिया में सबसे अधिक है, और देश ने 2026 की चौथी तिमाही में गैसोलीन में राज्यव्यापी इथेनॉल मिश्रण को दोगुना कर 20 प्रतिशत करने की अपनी समय सीमा पांच साल आगे बढ़ा दी है।

खेल जगत्

इंग्लैंड की बेवोफ बैजबॉल से टेस्ट क्रिकेट को मिला नया जीवन : इयान बॉथम

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज ऑलराउंडर इयान बॉथम ने टेस्ट क्रिकेट में दर्शकों की वापसी का श्रेय टीम की बेजबॉल शैली को दिया है। जब से डेन मैक्कुलम और बेन स्टोक्स को इंग्लैंड के मुख्य कोच और कप्तान के रूप में नियुक्त किया गया, तब से टीम ने बेजबॉल खेल खेलने की एक निडर और आक्रामक शैली अपना ली है। मैक्कुलम-स्टोक्स का कार्यकाल शुरू होने के बाद से इंग्लैंड ने खेले गए 24 टेस्ट में से 15 जीते हैं। हालांकि, वे विशाखापत्तनम में दूसरा टेस्ट 106 रनों से हार गए, लेकिन उनके बेजबॉल दृष्टिकोण का मतलब था कि इंग्लैंड कड़ी मेहनत किए बिना हार नहीं मानेगा।



जसप्रीत बुमराह टेस्ट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने



■ टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फार्मेट में नंबर वन गेंदबाज बनने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बने बुमराह

दुबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने के बाद विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट गेंदबाज बन गए हैं। बुधवार को जारी हुई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में बुमराह ने हमवतन रवि अश्विन और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा को पछाड़ते हुए अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की है। विशाखापत्तनम में खेले गये दूसरे टेस्ट में नी विकेट लेने वाले बुमराह ने प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया था और गेंदबाजों की

नवीनतम टेस्ट रैंकिंग में तीन पायदान चढ़कर टीम के साथी रविचंद्रन अश्विन से शीर्ष स्थान हासिल किया।

अश्विन उसी मैच में भारत के लिए सिर्फ तीन विकेट ले पाए और टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में दो स्थान गिरकर तीसरे स्थान पर आ गए हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा दूसरे स्थान बरकरार हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले बुमराह भारत के चौथे और पहले तेज गेंदबाज हैं। इससे पहले आर अश्विन, रवींद्र जडेजा और विश्व नंदा यह उपलब्धि हासिल हुई है। नवीनतम आईसीसी रैंकिंग में उछाल लाने वाले बुमराह भारत के एकमात्र खिलाड़ी नहीं हैं, उनके टीम साथी यशस्वी जयसवाल को भी इंग्लैंड के साथ विशाखापत्तनम टेस्ट की पहली पारी के दौरान उनके शानदार दोहरे शतक के बाद युवा खिलाड़ी टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में 37 पायदान चढ़कर 29वें स्थान पर पहुंच गए। न्यूजीलैंड के अनुभवी केन विलियमसन अभी भी शीर्ष पर चल रहे हैं।

श्रीलंका के स्पिंजर प्रभात जयसूया अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में आठ विकेट लेने के बाद टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाकर छठे स्थान पर पहुंच गए। हमवतन अस्थि फर्नांडो उसी मैच में छह विकेट लेने के बाद सात स्थान के सुधार के साथ 34वें स्थान पर पहुंच गये। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स चौथे और भारत के अक्षर पटेल पांचवें ने एक स्थान की छलांग लगाई।

स्पिंजर एडम जम्पा ताजा एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में अपने साथी गेंदबाज केशव महाराज शीर्ष पर और जोश हेजलवुड दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि टीम के साथी सीन एबॉट 35 स्थान ऊपर चढ़कर 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं। एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में पाकिस्तान के बाबर आजम शीर्ष पर भारत की तिकड़ी शुभमन गिल दूसरे, विराट कोहली तीसरे और रोहित शर्मा चौथे स्थान बरकरार हैं, जबकि एवट 52 स्थानों की छलांग लगाकर 18वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड ने टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 281 रनों से हराया



माउंट माउंगानुई 7 फरवरी (एजेंसियां)। रचिन रविंद्र 240 के दोहरे शतक और केन विलियमसन 118 रनों की शतकीय पारी तथा उसके बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को आज 281 रन के विशाल अंतर से हरा दिया है। माउंट माउंगानुई के बे ओवल स्टेडियम में चार फरवरी को दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड ने बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में रचिन रविंद्र 240 के दोहरे शतक और केन विलियमसन 118 रनों की शतकीय पारी की मदद से 511 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। दक्षिण अफ्रीका को ओर से नील ब्राड ने छह विकेट लिये। रूआन डीस्वार्ड को दो विकेट मिले। शेपो मोरेकी और डेन पैटरसन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया था।

इसके बाद न्यूजीलैंड ने मिचेल सैंटनर और मैट हेनरी के तीन-तीन विकेट तथा रचिन रविंद्र और काइल जेमीसन के दो-दो विकेट की मदद से दक्षिण अफ्रीका की टीम को पहली पारी में 72.5 ओवर में 162 रनों से पर दूर कर दिया। इसकी के साथ ही न्यूजीलैंड को पहली पारी में 349 रनों की बड़ी बढ़त मिल गई थी।

न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में भी केन विलियमसन ने 109 रनों की शतकीय पारी खेरी और उसके बाद चार विकेट पर 179 रन बनाने के बाद पारी घोषित कर दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 529 रनों का लक्ष्य दिया। 529 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 247 रन पर ढेर हो गई। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडवर्ड मोरो शून्य, नील ब्राड तीन रन बनाकर पवेलियन लौट गये। डेविड बेडिंहम ने सर्वाधिक 87 रन बनाये। रेनार्ड वान टॉन्ड 31 रन, जुवेर हम्जा 36 रन, कोगन पीटरसन 16, डेन पैटरसन 15 रन बनाकर आउट हुये। क्लाइड फोर्टिन 11 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की पूरी पारी 80 ओवर में 247 रनों पर सिमट गई। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने दो टेस्ट मैचों श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है। न्यूजीलैंड की ओर से काइल जेमीसन ने चार विकेट लिये। मिचेल सैंटनर ने तीन मिले। लैन फिलिप्स, टिम साउदी और मैट हेनरी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पंत को विश्वास है कि वह आईपीएल 2024 में हर मैच खेलेंगे : पोंटिंग

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिची पोंटिंग ने कहा है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत आईपीएल 2024 में हर मैच खेलने को लेकर आश्वस्त हैं, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अभी यह तय करना बाकी है कि वह टीम की कप्तानी करेंगे या सिर्फ विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे। 26 वर्षीय पंत 30 दिसंबर, 2022 को अपने गृहगमर रूड़की जाते समय एक कार दुर्घटना का शिकार हो गए थे। इस हादसे की वजह से उनकी सर्जरी भी हुई और तब से लेकर अब तक वो एक्शन से बाहर हैं। फिलहाल, बाएं हाथ के विकेटकीपर-बल्लेबाज बंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब से गुजर रहे हैं।



उनका फिट होना प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की एक अच्छी संभावना के रूप में देखा जा रहा है। पोंटिंग ने कहा, ऋषभ को पूरा भरोसा है कि वह वापसी के लिए तैयार हैं। हालांकि, उनका रोल क्या होगा हम अभी इसकी जानकारी नहीं है। लेकिन मैं गांरटी देता हूँ कि अगर मैंने अब उससे पूछा तो वह कहेंगे, मैं हर मैच खेलने के लिए तैयार हूँ और कोपिंग के

मैं गांरटी देता हूँ कि अगर मैंने अब उससे पूछा तो वह कहेंगे, मैं हर मैच खेलने के लिए तैयार हूँ और कोपिंग के साथ-साथ नंबर 4 पर बल्लेबाजी करूंगा। पोंटिंग ने कहा कि अगर पंत आईपीएल 2024 में अधिक से अधिक मैच खेलते हैं, तो वह कैपिटल के लिए एक बोनस होगा - रिची पोंटिंग

साथ-साथ नंबर 4 पर बल्लेबाजी करूंगा। पोंटिंग ने कहा कि अगर पंत आईपीएल 2024 में अधिक से अधिक मैच खेलते हैं, तो यह कैपिटल के लिए एक बोनस होगा। आईपीएल 2024 मार्च के आखिरी सप्ताह से शुरू होने की संभावना है और कैपिटल पिछले सीजन में नौवें स्थान पर रहने के बाद बेहतर प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं।

तीसरे टेस्ट में भारत का पलड़ा भारी : नासिर हुसैन

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का मानना है कि विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में मिली 106 रनों की जीत के बाद भारत अब इंग्लैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में मजबूत स्थिति में है। इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट में काफी अच्छा क्रिकेट खेला और अब तक इसने मुझे भारत के पिछले दौर की याद नहीं दिलाई है। जब उन्होंने पहला मैच जीता था और फिर श्रृंखला 3-1 से हार गए थे, लेकिन मुझे लगता है कि भारत बिल्कुल मजबूत होगा। हुसैन ने डेली मेल से कहा, यह इंग्लैंड के लिए एक अवसर था, लेकिन यह मत भूलो कि उन्हें जैक लीच और हेरी ब्रूक जैसे खिलाड़ियों की भी कमी रह रही है। वहीं जो लुट दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर सके। केएल राहुल और संभवतः विराट कोहली की वापसी से इंग्लैंड के लिए चुनौती और बढ़ सकती है। विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड ने अपने आक्रामक उछाल को जारी रखने की सकारात्मकता दिखाई, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था क्योंकि वे 69.2 ओवर में 292 रन पर आउट हो गए। जैक क्रॉली के 73 रनों के अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज चौथी पारी में 50 रन का आंकड़ा नहीं छू सका। इस तरह भारत ने पांच मैचों की श्रृंखला में 1-1 से बराबर कर ली।

एफआईएच प्रो लीग में डच महिलाओं ने चीन पर जीत हासिल की, ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका को हराया

भुवनेश्वर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। यहां के कलिंगा स्टेडियम में मंगलवार को मोजूदा चैंपियन नीदरलैंड ने महिला एफआईएच प्रो लीग मुकाबले में अपनी जीत में एक और जीत दर्ज की, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने संयुक्त राज्य अमेरिका पर दबदबा बनाया। हालांकि, लगातार सुधार कर रही चीनी टीम ने डच महिलाओं को 3-1 से जीत हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास किया। दिन के दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका पर दबदबा बनाते हुए अमेरिकियों को 3-0 से हराकर जीत की राह पर वापसी की। नीदरलैंड्स को पहले हाफ में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन उसने अपनी लय हासिल करते हुए बेहतरिनी चीनी टीम को हरा दिया। दोनों टीमों के पास पूरे समय गोल करने के मौके थे, लेकिन पहले हाफ में डच सेंटर चैनल में बार-बार चुनने की अपनी योजनाओं को शानदार ढंग से क्रियान्वित करने के बाद चीन को मौके गंवाते



का अफसोस था, लेकिन फिनिशिंग ने उसे निराश कर दिया। डोग जियाकी ने दूसरे हाफ में चीन को आगे करने में कामयाबी हासिल की, हालांकि, उन्होंने गोलकीपर के सामने अपनी रिवर्स स्टिक से गेंद को कुशलता से उछाल दिया। लेकिन परीके मोजू ने अपनी रिवर्स स्टिक का उपयोग करके और एक सटीक स्ट्राइक करके डचों से बराबरी कर ली। इसके बाद 25 मिनट के बाद मारिजेन चीन ने नीदरलैंड्स को आगे कर दिया, जब एक गोलमाउथ संघर्ष में गेंद आसान टैप-इन के लिए उनकी ओर बढ़ी।

नए अद्यार के लिए तैयार हैं डेनिएल कोलिन्स

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी डेनिएल कोलिन्स ने इस सीजन के अंत तक पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने लगातार यात्रा की मांगों और खेल के साथ जुड़ी गतिविधियों से दूर अधिक सामान्य जीवन में लौटने की अपनी इच्छा भी जाहिर की। 30 वर्षीय डेनिएल कोलिन्स विश्व नंबर एक इगा स्विट्जेक से दूसरे दौर में हार के बाद पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन में घोषणा की थी कि 2024 डब्ल्यूटीए टूर सीजन दौर पर उनका अंतिम वर्ष होगा। मंगलवार को अबु धाबी में नाओमी ओसाका के खिलाफ शुरुआती दौर में सीधे सेटों में जीत के बाद उन्होंने अपने फैसले के बारे में विस्तार से बताया। कोलिन्स ने डब्ल्यूटीए वेबसाइट को बताया, इस साल की शुरुआत में छुट्टियों के आसपास मैंने फैसला किया कि यह मेरा आखिरी सीजन होगा। मैं इसे लेकर बहुत खुश हूँ और इसका इंतजार कर रही हूँ। कुछ अन्य खिलाड़ियों की तुलना में, मैं इतने लंबे समय तक दौर पर नहीं रही। कुछ मायनों में ऐसा लगता है कि मैंने थोड़े दिन पहले ही खेलना शुरू किया है, तो कभी ऐसा लगता है कि मैं बहुत समय से खेल रही हूँ। कोलिन्स ने कहा कि करियर के दौरान कई बार चुनौतियाँ आईं। खासकर स्थिर धरतल जीवन के आदी खिलाड़ी के लिए यह आम बात है। मैं निश्चित रूप से अपने खेल से अपने करती हूँ। यह मजेदार भावनाओं का एक रोशनकोस्टर रहा है। हालांकि, इस दौरान ऐसा समय भी आता है जो मुश्किल होते हैं। उन्होंने आगे कहा, इस समय मुझे लगता है कि मैं अगले अध्याय के लिए तैयार हूँ।

भारत, दक्षिण अफ्रीका को दो विकेट से हराकर पहुंचा फाइनल में

■ सत्येन्द्र पाल सिंह नई दिल्ली, 7 फरवरी (देशबन्धु)। कप्तान उदय सहारन और सचिन दास की पांचवें विकेट की 171 रन की बेहतरीन भागीदारी बदौलत मोजूदा और पांच बार के चैंपियन भारत ने मेजبان दक्षिण अफ्रीका को मंगलवार को बिनानों में सांस रोक देने वाले आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में सात गेंद के बाकी रहते दो विकेट से शिकस्त दी। नौवीं बार फाइनल में पहुंचने वाला भारत अब छठ अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप खिताब जीतने मात्र एक कदम दूर है। भारत के सचिन दास मात्र चार रन से शतक से जरूर चूक गए लेकिन उन्हें इस बात की जरूर खुशी होगी उनकी टीम फाइनल में पहुंच गई। सैन ऑफ द मैच कप्तान उदय सहारन की तारीफ करनी

होगी उन्होंने अंतिम पूर्व ओवर में रन आउट होने से पहले पूरी पारी में बेहद धैर्य दिखाया और बराबर सचिन दास को स्ट्रोक खेलने के लिए स्टाइक दिया। तेज गेंदबाज क्रेना माफका (3/32) और ट्रस्टन लुज (3/37) की धार और रफ्तार भी दक्षिण अफ्रीका के काम नहीं आई। विकेटकीपर बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज लुआन ड्यू प्रिटोरियस (76 रन, 111 गेंद, तीन छक्के, छह चौके) और रिचर्ड सेलेसवाने (64 रन, 100 गेंद, दो छक्के, चार चौके) की तीसरे विकेट की 72 रन की भागीदारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी की दावत दिए जो पर निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट पर 244 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। दक्षिण अफ्रीका को इस चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाने में निचले



क्रम में कप्तान युआन जेम्स (24 रन, 19 गेंद, एक चौका, एक छक्का) और ट्रस्टन लुज को मात्र 12 गेंदों में दो छक्कों और एक चौके की मदद से अविजित 23 रन की पारी की भी अहम भूमिका रही। तेज गेंदबाज राज लिम्बानी (3/60) भले ही



भारत के सबसे कामयाब गेंदबाज रहे लेकिन पारी और अपने अंतिम ओवर में 15 और सातवें ओवर में 16 रन देने उनका गेंदबाजी विश्लेषण ही बिगड़ गया। भारत के लिए बाएं हाथ के स्पिंजर मुशीर खान (2/43) ने दो तथा बाएं हाथ के स्पिंजर

सौम्य पांडे (1/38) और नमन तिवारी (1/52) ने एक-एक विकेट लिया। जबकि चार विकेट मात्र 32 रन पर गंवाने के बाद कप्तान कप्तान उदय सहारन (81 रन, 124 गेंद, छह चौके) सचिन दास (96 रन, 95 गेंद, एक छक्का, 11 चौके) की पांचवें विकेट की 171 रन की भागीदारी तथा और आखिर में राज लिम्बानी के चार गेंदों पर एक छक्के और एक चौके की बदौलत अविजित 13 रन की पारी की बदौलत भारत ने 48.5 ओवर में आठ विकेट पर 248 रन बनाकर मैच जीत लिया। राज लिम्बानी ने पारी के अंतिम पूर्व ओवर तेज गेंदबाज नकोबी मोकोनाओ आठवें ओवर की अंतिम पूर्व गेंद पर चौका जड़ भारत को यह यादगार जीत दिलाई। सचिन दास ने तेज गेंदबाज ऑलराउंडर डेविड हेड को गेंद पर चौका जड़ कर 47 गेंदों में नौ चौकों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। व्हाइट के इस ओवर में भारत ने 11 रन बटोरे। कप्तान उदय सहारन ने पारी के 30 वें व लेग स्पिंजर युआन जेम्स के पांचवें ओवर (96 रन, 95 गेंद, एक छक्का, 11 चौके) की अंतिम गेंद पर चौका जड़ कर सचिन दास 123 गेंदों में शतकीय भागीदारी पूरी की। कप्तान उदय सहारन ने दक्षिण अफ्रीका के कप्तान लेग स्पिंजर युआन जेम्स की गेंद को कवर ड्राइव कर चौका लगा अपना अर्धशतक 88 गेंद खेल कर तीन चौकों की मदद से पारी के 36 वें ओवर में पूरा किया। पारी के 40 वें और भारत लेग स्पिंजर जेम्स के आठवें ओवर में भारत ने 14 रन जोड़े और इसमें सचिन ने एक छक्का और कप्तान सहारन ने एक चौका जड़ा और भारत के स्कोर को 40.4 ओवर में 200 रन पर पहुंचाया।